यश बुक्स

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.ई.आर.टी.)
द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम पर आधारित

संस्कृत पूर्वा

सहायक पुस्तिका
6-8

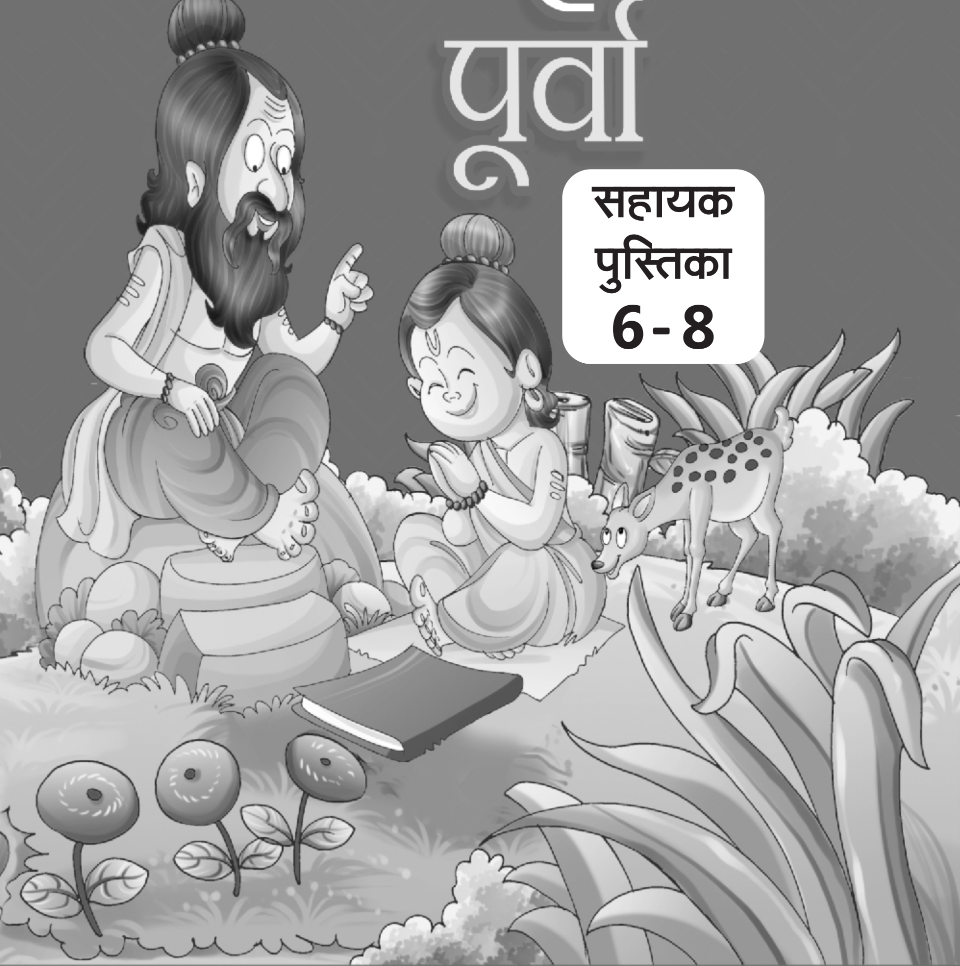

संस्कृत मंथन-6

प्रार्थना 1

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के संस्कृत में उत्तर दीजिए—

उत्तरम्– (क) परमेश्वरः अन्धकारात् पृथक् अस्ति।

(ख) वयं मेधया युक्ता भवेम।

(ग) ईश्वरः अग्नौ, अप्सु, विश्वे, औषधिषु वनस्पतिषु च व्याप्तः।

(घ) ईश्वरः सत्यस्वरूपः, तेजस्विन्, बोधदेवः दयावान् च अस्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) **ओ३म् उद्वयन्तमसस्परिस्वः पश्यन्त**ऽउत्तरम्।
देवन्देवत्रा **सूर्यमगन्म ज्योतिरुत्तमम्**।।

(ख) यो **देवो अग्नौ यो** अप्सु **यो विश्व भुवनमाविवेश**।
यो औषधिषु वनस्पतिषु तस्मै **देवाय** नमो नमः।।

(ग) **शन्नो** देवीरभिष्टय **आपो भवन्तु** पीतये।
शंयोरभिस्रवन्तु नः।।

3. निम्नलिखित वाक्यों को संस्कृत में लिखिए—

उत्तरम्– (क) ईश्वरः चराचरस्य आत्माबोधस्वरूपश्च अस्ति।

(ख) मामपि मेधावान् कुरु।

(ग) परमपिता परमात्मा अग्नौ, जलादिषु व्याप्तः अस्ति।

(घ) ईश्वरः अस्मत्सु सुखशान्तिं वर्षयेत्।

(ङ) भवान् बोधरूपोऽस्ति।

4. संधि-विच्छेद कीजिए—

उत्तरम्–

(क)	देवन्देवत्रा	=	**देवम् + देवत्रा**
(ख)	ज्योतिरुत्तमम्	=	**ज्योतिः + उत्तमम्**
(ग)	भुवनमाविवेश	=	**भुवनम + आविवेश**
(घ)	देवीरभिष्टय	=	**देवीः + अभिष्टय**
(ङ)	तेजोऽसि	=	**तेजः + असि**
(च)	दयामयस्त्वम्	=	**दयामयः + त्वम्**

5. निम्नलिखित शब्दों से वाक्यों को बनाइए—

उत्तरम्– (क) हे प्रभो! मां **तमस**: प्रकाशं प्रति नय।

(ख) हिन्दव: प्रात: स्नानान्तरं **सूर्यं** नमन्ति।

(ग) हे ईश! स्व **मेधया** सर्वदा सत्कार्याणि कुर्याम्।

(घ) शिव: **शं** कर: अस्ति।

(ङ) तेज:

(च) महात्मा बुद्ध: पूर्णरूपेण **दयामय:** आसीत्।

पुस्तकालय: 2

अभ्यास:

1. निम्नलिखित प्रश्नों के संस्कृत में उत्तर दीजिए—

उत्तरम्– (क) शिक्षाक्षेत्रे पुस्तकालयस्य महत्त्वम् अस्ति।

(ख) पुस्तकालया: अनेकविधा: सन्ति; तद्यथा विद्यालयस्य पुस्तकालय; महाविद्यालयस्य पुस्तकालय:, राजकीयपुस्तकालय:, सार्वजनिक पुस्तकालय:।

(ग) ज्ञानपिपासूनां तृप्त्यै पुस्तकालयानाम् अनिवार्यता अस्ति।

(घ) पुस्तकालयेषु लेखकानाम्, कवीनाम्, उपन्यासकाराणां कथाकाराणां च पुस्तकानि उपलभ्यन्ते।

(ङ) पुस्तकै: वयं विभिन्नानां लेखकानां कथाकाराणां च ज्ञानप्रदान् विचारान् शिक्षा: च प्राप्नुम: सहैव च प्रागैतिहासिकस्य विषये अपि ज्ञानं प्राप्नुम:। अतएव पुस्तकानि अस्माकं कृते महत्त्वपूर्णानि सन्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) पुस्तकालया: **अनेकविधा:** सन्ति।

(ख) यत्र **पुस्तकालया:** न सन्ति तत्र जना: **ज्ञानसागरात्** वञ्चिता: भवन्ति।

(ग) अद्य तु शिक्षाप्रसाराय **ग्रामेष्वपि पुस्तकालयानाम्** आवश्यकता वर्तते।

(घ) पुस्तकालये महती **सुव्यवस्था** अस्ति।

(ङ) वर्तमाने प्रतिगृहम् एक: **लघु: पुस्तकालय:** उपयोगी वर्तते।

3. निम्नलिखित वाक्यों में दिए गए क्रियापदों को रेखांकित कीजिए—

उत्तरम्– (क) पुस्तकानाम् आलय: पुस्तकालय: इति कथ्यते।

(ख) असमर्था: जना: अपि तत्र पठितुं शक्नुवन्ति।

(ग) अस्मिन् विविधविषयानधिकृत्य पुस्तकानि स्थापितानि भवन्ति।

(घ) ग्रामेष्वपि पुस्तकानाम् आवश्यकता वर्तते।

(ङ) जनाः अत्र ज्ञानलाभाय आगच्छन्ति।

4. संधि-विग्रह कीजिए और उसका नाम भी बताइए—

उत्तरम्–

	शब्दः		सन्धि-विग्रहः	सन्धि-नाम
(क)	पुस्तकालयः	=	**पुस्तक + आलयः**	**दीर्घ सन्धि**
(ख)	राजेन्द्रः	=	**राज + इन्द्रः**	**गुण सन्धि**
(ग)	इत्यादि	=	**इति + आदि**	**यण् सन्धि**
(घ)	ग्रामेष्वपि	=	**ग्रामेषु + अपि**	**यण् सन्धि**
(ङ)	पुनर्भव	=	**पुनः + भव**	**विसर्ग सन्धि**
(च)	सज्जनः	=	**सत् + जनः**	**व्यंजन सन्धि**

5. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

उत्तरम्– (क) पुस्तकालयाः अस्माकं कृते अनेकविधाः **उपयोगिनः** सन्ति।

(ख) अनेके जनाः नूतनं **ज्ञानं** प्राप्तुं पुस्तकालयेषु यान्ति।

(ग) ज्ञानपिपासूनां **तृप्त्यै** पुस्तकालयः अनिवार्यः अस्ति।

(घ) एतेषां **सर्वेषाम्** बालकानाम् अद्य बुद्धिपरीक्षणं भविष्यति।

(ङ) ये पुस्तकानि **क्रेतुं** समर्थाः न सन्ति, तेभ्यः एते अति लाभप्रदाः सहायकाः च सन्ति।

(च) मम विद्यालयेऽपि एकः **विशालः** पुस्तकालयः अस्ति।

6. निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध कीजिए—

उत्तरम्–

पूस्तकाल्यः	=	**पुस्तकालयः**	पीपासूनाम्	=	**पिपासूनाम्**
उपस्थीतानी	=	**उपस्थितानि**	शीक्षा	=	**शिक्षा**
सम्रिदधः	=	**समृद्धः**	लाभानवीताः	=	**लाभान्विताः**

7. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति लिखिए—

उत्तरम्–

विशेषरूपेण	=	**तृतीया**	ज्ञानसागरात्	=	**पञ्चमी**
पुस्तकानि	=	**प्रथमा**	शिक्षाप्रसाराय	=	**चतुर्थी**
पुस्तकालयेषु	=	**सप्तमी**	युगे	=	**सप्तमी**
देवालयम्	=	**द्वितीया**	अमित्रस्य	=	**षष्ठी**

वीरशिरोमणिः महाराणा प्रतापः 3

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के संस्कृत में उत्तर दीजिए—

उत्तरम्– (क) सर्वत्र मुस्लिमशासकानां साम्राज्यम् आसीत्।

(ख) उदयसिंहः चित्तौड़स्य नृपः आसीत्।

(ग) प्रतापः बाल्याद् एव वीरः, साहसी, उदारः, निर्भीकः च आसीत्।

(घ) 'यावद् मम देशः स्वतन्त्रः न भविष्यति तावद् अहं सुखं न सेविष्ये कष्टानि सहिष्ये' इति प्रतिज्ञाम् अकरोत् प्रतापः।

(ङ) युद्धोपरान्तं प्रतापस्य जीवनं कष्टमयम् आसीत्। सः निर्धनः अभवत्। बहुधा तस्मै भोजनमपि न लब्धं कन्दरा एव च तस्य प्रासादः आसीत्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) सम्पूर्णे देशे **हाहाकारः** आसीत्।

(ख) महाराणा प्रतापः अति **स्वाभिमानी** आसीत्।

(ग) अनेक अकबरः **रुष्टः** जातः।

(घ) **साधनविहीनः** प्रतापः अनेकानि कष्टानि असहत्।

(ङ) कन्दरा एव तस्य **प्रासादः आसीत्**।

(च) अन्ते **युद्धभूमौ** एव सः **प्राणान् अत्यजत्**।

3. सही वाक्य के सामने ✓ और गलत वाक्य के सामने ✗ का चिह्न लगाइए—

उत्तरम्– (क) (✗), (ख) (✓), (ग) (✓), (घ) (✓), (ङ) (✗), (च) (✓)।

4. संधि-विच्छेद कीजिए—

उत्तरम्– (क) प्रतिज्ञासीत् = **प्रतिज्ञा + आसीत्**

(ख) बाल्यादेव = **बाल्यात् + एव**

(ग) साहस्युदारः = **साहसी + उदारः**

(घ) यावन्मम = **यावत् + मम**

(ङ) कष्टान्यसहत = **कष्टानि + असहत**

(च) भूमिरेव = **भूमिः + एव**

5. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) महाराणा प्रतापः स्वाभिमानी नृपः आसीत्।

(ख) तस्मिन् काले अकबरस्य शासनम् आसीत्।
(ग) महाराणा प्रताप: चित्तौड़स्य महाराज्ञ: उदयसिंहस्य पुत्र: आसीत्।
(घ) कन्दरा एव तस्य प्रासाद: आसीत्।
(ङ) अत्रे युद्धभूमौ स: प्राणान् अत्यजत्।

6. निम्नलिखित वाक्यों का हिंदी में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) प्राचीन काल में हमारा देश पराधीन था।
(ख) अकबर के साथ प्रताप का युद्ध हुआ।
(ग) कुछ अवसरों पर प्रताप को भोजन भी मिला।
(घ) साधनविहीन प्रताप अनेक कष्ट सहे।
(ङ) वास्तव में वे महान देशभक्त थे।

7. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

उत्तरम्– (क) **पुरा** प्रतापो नाम्न: एक: महावीर: नृप: आसीत्।
(ख) स: **प्रतिज्ञाम्** अकरोत् यत् अहं जीवनपर्यन्तं अकबरस्य अधीनतां न स्वीकरिष्यामि।
(ग) जनक: बालाय **प्रलोभनं** ददाति।
(घ) बाल: स्व भगिन्या: **रुष्ट:** जात:।
(ङ) एषा **कन्दरा** एव प्रतापस्य प्रासाद: आसीत्।
(च) **वस्तुत:** प्रताप: महान् देशभक्त: आसीत्।

स्वामी विवेकानन्द: 4

अभ्यास:

1. निम्नलिखित प्रश्नों के संस्कृत में उत्तर दीजिए—

उत्तरम्– (क) स्वामी विवेकानन्दस्य जन्म बङ्गप्रान्ते 1863 तमे वर्षे अभवत्।
(ख) विवेकानन्दस्य बाल्यकालस्य नाम नरेन्द्रनाथ दत्त: आसीत्।
(ग) नरेन्द्रनाथ: रामकृष्णस्य परमहंस महोदयस्य शिष्यत्वं गृहीतवान्।
(घ) 1893 ईसवीये वर्षे शिकागो–नगरे विश्वधर्मसम्मेलनम् अभवत्।
(ङ) निर्भय:, शूरवीर:, राष्ट्रदेव: विपन्नदेव: च भव। नरस्य सेवा एव नारायणस्य सेवा अस्ति। सम्पूर्ण: राष्ट्र: स्नेहसूत्रेण बध्नेत् इति स्वामिन: उपदेशानां सार: अस्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) तस्य महापुरुषस्य जन्म **1863** तमे वर्षे अभवत्।

(ख) स: **पञ्चविंशति** तमे वर्षे सम्पूर्णस्य भारतस्य **भ्रमणं** कृतवान्।

(ग) भारतस्य **प्रतिनिधिरूपेण** स: तत्र गतवान्।

(घ) लोकसेवाम् उद्दिश्य **अयं रामकृष्ण मिशन** इत्यस्या: संस्थाया: स्थापनाम् अकरोत्।

(ङ) नरस्य सेवा एव **नारायणस्य** सेवा अस्ति।

3. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए—

उत्तरम्– (क) स्वामी महोदय: दीनेभ्य: वस्त्राणि यच्छति।

(ख) स्वामी विवेकानन्द: समाजसेवायै रामकृष्णमिशन संस्थाया: स्थापना अकरोत्।

(ग) गुरु: जनेभ्य: उपदेशं यच्छति।

(घ) भारतगौरवाय स्वामी विवेकानन्द: अमेरिका देशम् अगच्छत्।

(ङ) शिक्षका: पाठं पाठयन्ति।

(च) अस्य यतीश्वरस्य मृत्यु: 1902 तमे वर्षे अभवत्।

4. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) स्वामी विवेकानन्द: बाल्यकालाद् एव दयालु प्रवृत्या: आसीत्।

(ख) स्वामी महोदय: दीनदु:खितानां सेवायै सदा तत्पर: तिष्ठति स्म।

(ग) स: विश्वधर्मसम्मेलने स्व भाषणेन श्रोतॄन् प्रभावित: अकरोत्।

(घ) स्वामी महोदयानुसारं दीन–दु:खितानां सेवा एव भगवत: सेवा अस्ति।

(ङ) स: जीवनपर्यन्तं समाजस्य सेवामकरोत्।

5. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति और वचन लिखिए—

उत्तरम्–

	शब्द:		**विभक्ति:**	**वचनम्**
(क)	ऐक्यभावस्य	—	**षष्ठी**	**एकवचनम्**
(ख)	स्नेहसूत्रेण	—	**तृतीया**	**एकवचनम्**
(ग)	धर्मजिज्ञासूनाम्	—	**षष्ठी**	**बहुवचनम्**
(घ)	दीनेभ्य:	—	**चतुर्थी**	**बहुवचनम्**
(ङ)	नगरे	—	**सप्तमी**	**एकवचनम्**

6. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए और वाक्य बनाइए—

उत्तरम्– (क) जनान् = **लोगों को**

स्वामी महोदय: सभायां सर्वान् **जनान्** सम्बोधितवान्।

(ख) शिष्यत्वम् = **शिष्यता**
स्वामी दयानन्दः स्वामी विरजानन्दस्य **शिष्यत्वं** गृहीतवान्।

(ग) जीवने = **जीवन में**
युष्माभिः **जीवने** सदा सदाचारस्य पालनं करणीयम्।

(घ) श्रोतृषु = **श्रोताओं में**
श्रोतृषु एकः विद्वान् बालकः अपि उपविष्टः आसीत्।

(ङ) दीनेभ्यः = **गरीबों को**
एतेभ्यः **दीनेभ्यः** वस्त्राणि द्रव्याणि च ददत।

(च) उपदेशानाम् = **उपदेशों का**
स्वामी महोदयस्य **उपदेशानां** प्रभावः जनानाम् उपरि बहु अभवत्।

सर्वोत्तमः वृक्षः 5

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के संस्कृत में उत्तर दीजिए—

उत्तरम्– (क) अनेकेषु रत्नेषु वृक्षः सर्वोत्तमः अस्ति।

(ख) संस्कृतभाषायां वृक्षस्य पर्यायाः सन्ति–तरुः, पादपः, द्रुमः, विटपः, शाखिन्।

(ग) वृक्षस्य द्वौ प्रकारौ स्तः—फलवन्तः वृक्षाः, पुष्पिताः छायाप्रदाः च वृक्षाः।

(घ) वृक्षः कार्बनम् अवशोष्य ओषजनं च दत्वा जीवनं ददाति।

(ङ) पिपलवृक्षः, पारिजातवृक्षः पलाशवृक्षः, मौलश्री वृक्षः इति छायाप्रदाः वृक्षाः सन्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) पृथिव्याम् अनेकानि **रत्नानि** सन्ति।

(ख) वृक्षः सर्वेभ्यः जीवेभ्यः **जीवनं** ददाति।

(ग) वृक्षस्य मुख्यतः **द्वौ** प्रकारौ स्तः।

(घ) एतेषु केचित् वृक्षाः **फलवन्तः** भवन्ति केचित् च **पुष्पिताः एवं छायाप्रदाः**।

(ङ) प्रदूषितं **वातावरणं** स्वच्छं कुर्वन्ति।

(च) खगाः वृक्षेषु **नीडं** रचयन्ति।

(छ) इदृशेभ्यः **दानशीलेभ्यः** वृक्षेभ्यः नमः।

3. **सही कथन के सामने ✓ तथा गलत कथन के सामने ✗ का चिह्न लगाइए—**

उत्तरम्– (क) (✗), (ख) (✓), (ग) (✓), (घ) (✓), (ङ) (✓), (च) (✗)।

4. **निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति और वचन लिखिए—**

उत्तरम्–	(क) मधुमक्षिका:	—	**प्रथमा**	–	**बहुवचनम्**
	(ख) वृक्षस्य	—	**षष्ठी**	–	**एकवचनम्**
	(ग) खगा:	—	**प्रथमा**	–	**बहुवचनम्**
	(घ) वृक्षेषु	—	**सप्तमी**	–	**बहुवचनम्**

5. **निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए—**

उत्तरम्– (क) वृक्ष हमें नाना प्रकार के फल देते हैं।

(ख) वृक्ष कार्बन सोंखकर (ग्रहण करके) ऑक्सीजन देते हैं।

(ग) इनमें कुछ वृक्ष विशाल आकार के होते हैं।

(घ) ये वृक्ष गर्मी हरकर शीतलता देते हैं।

(ङ) मधुमक्खियाँ फूलों का रस पीती हैं।

(च) ऐसे दानशील वृक्षों को नमस्कार है।

6. **निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए—**

उत्तरम्– (क) वटवृक्ष: – **वटवृक्ष:** आकारे विशाल: भवति।

(ख) फलवन्त: – आम्रवृक्ष:, जम्बुवृक्ष: दाडिम वृक्षादय: **फलवन्त:** वृक्षा: सन्ति।

(ग) पृथिव्याम् – वृक्ष: **पृथिव्यां** रत्नमिव अस्ति।

(घ) केचित् – **केचित्** जना: स्वार्थपूर्तये वृक्षाणां दोहनं कुर्वन्ति।

(ङ) शोभनम् – वृक्षै: एव उपवनं **शोभनं** प्रतीयते।

7. **निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए—**

उत्तरम्– (क) केचित् वृक्षा: विशाला: केचित् लघ्वाकारा: भवन्ति।

(ख) केचित् वृक्षा: फलवन्त: केचित् च पुष्पिता: भवन्ति।

(ग) वृक्षा: आतपं दूरीकृत्य शीतलतां प्रयच्छन्ति।

(घ) वृक्षा: द्वौ प्रकारकौ स्त:।

(ङ) खगा: वृक्षेषु नीडानि रचयन्ति।

(च) मधुमक्षिका: पुष्परसं पिबन्ति।

बुद्धिमान् दर्दुरः

6

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के संस्कृत में उत्तर दीजिए—

उत्तरम्– (क) जलाशये द्वौ मीनौ एकश्च दर्दुरः निवसति स्म।

(ख) जलाशयतटे एकः मत्स्यकः वदति यत् अहो! अस्मिन् जलाशये तु बहवः मीनाः सन्ति जलं च स्वल्पम्। अतः प्रभाते आगत्य एतान् सर्वान् नेष्यामः।

(ग) सहस्रबुद्धिः वदति यत् भो मित्र! न भेतव्यम्। अहं जले पलायनस्य बहुविधं कौशलं जानामि। यदा मत्स्यकाः अत्रागमिष्यन्ति तु अहं त्वामपि बुद्धिबलेन रक्षयिष्यामि।

(घ) सहस्रबुद्धिः शतबुद्धिः च अतः धृतौ यतोहि तौ पालायने विफलौ अभवताम्।

(ङ) दर्दुरः स्वप्रियां भार्यां वदति यत् पश्य, पश्य, प्रिये शतबुद्धिः तु शिरसि स्थितः अस्ति सहस्रबुद्धिः च हस्ते लम्बते। परम् एकबुद्धिरहम् अस्मिन् विमले जले क्रीडामि।

2. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए—

उत्तरम्– (क) एतत् अस्माकं जन्मस्थानम् अस्ति।

(ख) तौ मीनौ जाले अपतताम्।

(ग) त्वम् अत्र कथं वससि?

(घ) दर्दुरः अन्यं जलाशयं गतवान्।

(ङ) मम बुद्धिः पलायितुम् इच्छति।

3. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) एकस्मिन् दिने तडागे मत्स्यकाः आगताः।

(ख) दर्दुरः परिवारसहितं पूर्वम् अन्यस्मिन् स्थाने अगच्छत्।

(ग) बुद्धिपूर्वकं कृतं कार्यं कदापि असफलं न भवति।

(घ) अहङ्कारः विनाशस्य कारणमस्ति।

4. निम्नलिखित शब्दों के मूल शब्द, लिङ्ग और विभक्ति लिखिए—

उत्तरम्–

	शब्दः		मूल शब्दः	लिङ्गम्	विभक्तिः
(क)	भार्यया	—	**भार्या**	**स्त्रीलिङ्गम्**	**तृतीया**
(ख)	जलाशयम्	—	**जलाशय**	**पुंल्लिङ्गम्**	**द्वितीया**
(ग)	रात्रौ	—	**रात्रि**	**स्त्रीलिङ्गम्**	**सप्तमी**

(घ)	त्रयः	—	**त्रि**	**पुंल्लिङ्गम्**	**प्रथमा**
(ङ)	तेषु	—	**तत्**	**पुंल्लिङ्गम्**	**सप्तमी**
(च)	धृतौ	—	**धृ**	**पुंल्लिङ्गम्**	**प्रथमा**

5. निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए—

उत्तरम्– (क) तदा + अहम् — **तदाऽहम्**

(ख) एकबुद्धिः + नाम — **एकबुद्धिर्नाम**

(ग) सु + अल्पम् — **स्वल्पम्**

(घ) मत्स्यकः + उक्तम् — **मत्स्योक्तम्**

(ङ) शिरःस्थः + अयम् — **शिरस्थोऽयम्**

(च) विहस्य + उक्तवान् — **विहस्योक्तवान्**

6. निम्नलिखित शब्दों में संधि-विच्छेद कीजिए—

उत्तरम्– (क) गृहमगच्छन् = **गृहम् + अगच्छन्**

(ख) यदुचितम् = **यद् + उचितम्**

(ग) त्रयोऽपि = **त्रयः + अपि**

(घ) कर्कटादयः = **कर्कट + आदयः**

(ङ) त्वामपि = **त्वाम् + अपि**

7. निम्नलिखित अव्ययों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

उत्तरम्– (क) अपि — अन्ये सिंहाः **अपि** तेन सिंहेन सह उच्चैः अगर्जन्।

(ख) अद्य — **अद्य** अतिवृष्टिः भवितुं शक्यते।

(ग) इदानीम् — **इदानीं** तु अहं भ्रमणाय गच्छामि।

(घ) एव — त्वम् **एव** अत्र तिष्ठ अहं तु गच्छामि।

(ङ) सह — किं त्वं मम **सह** चलितुं शक्यसे?

श्लोकपञ्चकम् 7

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—

उत्तरम्– (क) अभिवादनशीलस्य आयुः, विद्या, यशः बलञ्च वर्धन्ते।

(ख) कार्याणि उद्यमेन सिध्यन्ति।

(ग) प्रियं सत्यं ब्रूयात्।

(घ) विपत्तौ धैर्यम्, उन्नतौ क्षमाशीलता, सभायां वाक्चातुर्यं विद्वत्ता वा, युद्धौ

पराक्रमः, शास्त्रादीनां व्यसनी अर्थात् शास्त्राध्ययनशीलः इति निश्चितं यत् इदमेव महात्मनां प्रकृतिसिद्धम्।

(ङ) शरीरं परोपकारार्थम् अस्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) अभिवादनशीलस्य **नित्यं वृद्धोपसेविनः।**

(ख) उद्यमेन हि सिध्यन्ति **कार्याणि न मनोरथैः**।

(ग) **न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति** मुखे मृगाः।।

(घ) चत्वारि तस्य वर्धन्ते **आयुर्विद्या यशोबलम्**।।

(ङ) **परोपकाराय दुहन्ति** गावः, **परोपकारर्थमिदं** शरीरम् ।।

3. सही कथन के सामने ✓ का और गलत कथन के सामने ✗ का चिह्न लगाइए—

उत्तरम्– (क) (✓), (ख) (✓), (ग) (✗), (घ) (✓), (ङ) (✓), (च) (✗)।

4. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए—

उत्तरम्–

(क)	नाऽनृतम्	—	**न + अनृतम्**
(ख)	परोपकारार्थम्	—	**परोपकार + अर्थम्**
(ग)	बलवाँल्लोके	—	**बलवान् + लोके**
(घ)	चाभिरुचिः	—	**च + अभिरुचिः**
(ङ)	वृद्धोपसेविनः	—	**वृद्धः + उपसेविनः**
(च)	महात्मा	—	**महा + आत्मा**

5. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

उत्तरम्–

(क)	प्रजावत्सलः	=	राजा जनकः **प्रजावत्सलः** आसीत्।
(ख)	मनोरथः	=	उद्यमं विना **मनोरथः** न सिध्यति।
(ग)	लंकाधिपतिः	=	**लंकाधिपतिः** रावणः महाबलशाली आसीत्।
(घ)	गावः	=	तृणक्षेत्रे **गावः** चरन्ति।
(ङ)	सदसि	=	**सदसि** विद्वांसः अध्यात्मविषये चर्चां कुर्वन्ति स्म।
(च)	लोकप्रियः	=	श्रीरामः **लोकप्रियः** राजा आसीत्।

6. निम्नलिखित वाक्यों का हिंदी में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) उसकी चार चीजें बढ़ती हैं—आयु, विद्या, यश और बल।

(ख) सत्य बोलना चाहिए प्रिय बोलना चाहिए, अप्रिय सत्य नहीं बोलना चाहिए।

(ग) वृक्ष परोपकार के लिए फलते हैं, नदियाँ परोपकार के लिए बहती हैं।
(घ) सभा में वाक्पटुता और युद्ध में पराक्रम।
(ङ) नित्य अभिवादन करने वाले और बड़े-बुजुर्गों की सेवा करने वाले की।

7. **निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए—**

उत्तरम्– (क) अविभावदनशीलस्य वृद्धोपसेविन: च आयु:, विद्या, यश: बलञ्च वर्धते।
(ख) सुप्तस्य सिंहस्य मुखे मृग: प्रवेश: न करोति।
(ग) परोपकाराय वृक्षा: फलानि यच्छन्ति।
(घ) परोपकाराय नद्य: वहन्ति।
(ङ) परोपकाराय धेनु: दुग्धं यच्छति।
(च) अप्रियं सत्यं न ब्रूयात्।

8. **निम्नलिखित श्लोकों का भावार्थ लिखिए—**

उत्तरम्– भावार्थ–
(क) परिश्रम करने से ही कार्य सिद्ध होते हैं न कि केवल मन में कल्पना करते रहने से। क्योंकि यह निश्चित है कि सोए हुए शेर के मुँह में पशु प्रवेश नहीं करते, शेर को भी परिश्रम करना पड़ता है।
(ख) सत्य बोलना चाहिए प्रिय बोलना चाहिए किंतु अप्रिय सत्य नहीं बोलना चाहिए और प्रिय झूठ भी नहीं बोलना चाहिए, यही सनातन धर्म है।
(ग) वृक्ष परोपकार के लिए फलते हैं, नदियाँ परोपकार के लिए बहती हैं, गायें परोपकार के लिए दूध देती हैं, यह शरीर भी परोपकार के लिए है।

अभ्यासस्य फलम् 8

अभ्यासः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—**

उत्तरम्– (क) आश्रमे वरदराज नाम्नो छात्र: मन्दबुद्धि: आसीत्।
(ख) आत्मसम्मानेन वञ्चित: वरदराज: अचिन्तयत् यत् नूनम् अहं मूर्ख: अस्मि। मम भाग्ये विद्या नास्ति।
(ग) मार्गे वरदराज: एकं कूपम् अपश्यत् अन्यच्च अचिन्तयत् यत् यदि मृत्तिकाघटेन शिलायां गर्त: भवितुमर्हति तर्हि पुन: पुन: अभ्यासेन मम बुद्धि: अपि कथं तीव्रा न भविष्यति।
(घ) वरदराज: संस्कृतसाहित्यक्षेत्रे प्रसिद्ध: अभवत्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) आश्रमे बहव: शिष्या: **विद्याध्ययनं** कुर्वन्ति स्म।

(ख) सहयोगिन: तस्य **उपहासं** कुर्वन्ति स्म।

(ग) महिला: **जलेन** घटान् पूरयन्ति स्म।

(घ) मृत्तिकाया: **घटेन** शिलायां गर्त: अभवत्।

(ङ) वरदराज: **संस्कृतस्य** महान् पण्डित: आसीत्।

3. निर्देशानुसार रिक्तस्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्–

शब्द:	विभक्ति:	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
माला	चतुर्थी	**मालायै**	**मालाभ्याम्**	**मालाभ्य:**
लता	द्वितीया	**लताम्**	**लते**	**लता:**
रमा	तृतीया	**रमया**	**रमाभ्याम्**	**रमाभि:**
महिला	षष्ठी	**महिलाया:**	**महिलयो:**	**महिलानाम्**
कन्या	पञ्चमी	**कन्याया:**	**कन्याभ्याम्**	**कन्याभ्य:**

4. लेखकों के नाम उनकी रचनाओं से मिलाइए—

उत्तरम्–

वाल्मीकि:	**रामायणम्**
वरदराज:	**लघुसिद्धान्तकौमुदी**
पाणिनि:	**अष्टाध्यायी**
बाणभट्ट:	**कादम्बरी**
कालिदास:	**रघुवंशम्**
विष्णुशर्मा	**पञ्चतन्त्रम्**

5. उदाहरण के अनुसार लिखिए और पढ़िए—

उत्तरम्–

पूरयति स्म	—	**अपूरयत्**	पूरयन्ति स्म	—	**अपूरयन्**
पठति स्म	—	**अपठत्**	पठन्ति स्म	—	**अपठन्**
गच्छति स्म	—	**अगच्छत्**	गच्छन्ति स्म	—	**अगच्छन्**
धावति स्म	—	**अधावत्**	धावन्ति स्म	—	**अधावन्**

6. एक शब्द में उत्तर दीजिए—

उत्तरम्– (क) वरदराजस्य। (ख) कूपम्। (ग) जलेन। (घ) आश्रमम् (ङ) संस्कृत-व्याकरणस्य।

क: श्रेष्ठ: भक्त:? 9

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—

उत्तरम्– (क) इतस्तत: भ्रमन् नारद: वैकुण्ठलोकम् अगच्छत्।

(ख) नारद: भगवत: विष्णो: अपृच्छत् यत् भगवन्! क: भक्त: परम भक्त:? किमहम् अस्मि, इति।

(ग) परम: भक्त: भूतले कौशलनगरे हरिदास नाम्नो एक: कृषीवल: आसीत्।

(घ) कृषीवल: नारदं कथयति यत् आम्, अहं हरिदास: अस्मि। परम् अहं परम: भक्त: नास्मि। अहं तु सेवक: अस्मि, इति।

(ङ) 'का अत्र भक्ति': इति विचार्य नारद: विष्णो: समीपं गच्छति।

(च) सरस्वती नारदम् अकथयत् यत् य: छात्र: ध्यानेन मन: एकाग्रं कृत्वा स्मरति पठति वा स: एव मम भक्त: अस्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) एकदा नारद: **सप्तलोकेषु** इतस्तत: भ्रमन् **वैकुण्ठलोकं** प्रस्थित:।

(ख) मम परम: भक्त: तु **भूतले** अस्ति।

(ग) अत्र का **भक्ति:**?

(घ) य: मन: **एकाग्रं** कृत्वा सन्ध्यां करोति स: एव **परम: भक्त:** भवति।

(ङ) एवं तु **कृषीवल:** एव परम: भक्त:।

3. घटनाक्रम के अनुसार वाक्यों को लिखिए—

उत्तरम्– (क) शेषशय्याम् अधितिष्ठते भगवान् विष्णुं विलोक्य स: स्वशंकां भगवत्समक्षे प्रकटितवान्।

(ख) तस्य किं नाम कस्मिन् नगरे च स: वसति?

(ग) नारद: तत्र गत्वा तं कृषीवलं प्रत्यक्षीचकार।

(घ) इति विचार्य नारद: विष्णो: समीपं गच्छति।

(ङ) सा अवदत् यत् य: छात्र: ध्यानेन मन: एकाग्रं कृत्वा पठति स्मरति वा स: मम भक्त: अस्ति।

4. निम्नलिखित शब्द-रूपों के लिङ्ग, विभक्ति और वचन लिखिए—

उत्तरम्–

	शब्द-रूपम्		लिङ्गम्	विभक्ति:	वचनम्
(क)	कृषीवलेषु	—	पुंल्लिङ्गम्	सप्तमी	बहुवचनम्
(ख)	भगवती	—	स्त्रीलिङ्गम्	प्रथमा	एकवचनम्

(ग)	वैकुण्ठलोकम्	—	**पुंल्लिङ्गम्**	**द्वितीया**	**एकवचनम्**
(घ)	हरिदासाय	—	**पुंल्लिङ्गम्**	**चतुर्थी**	**एकवचनम्**
(ङ)	नारदेन	—	**पुंल्लिङ्गम्**	**तृतीया**	**एकवचनम्**
(च)	सेविकाया:	—	**स्त्रीलिङ्गम्**	**षष्ठी**	**एकवचनम्**

5. निम्नलिखित वाक्यों को बहुवचन में बदलिए—

उत्तरम्– (क) ते सदा उपासना कुर्वन्ति।

(ख) मम परमा: भक्ता: तु भूतले सन्ति।

(ग) वयं तु सेवका: स्म।

(घ) तव परमा: भक्ता: के?

(ङ) ते कौशलनगरे वसन्ति।

6. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) नारदस्य शङ्का आसीत् यत् भगवत: विष्णो: परम: श्रेष्ठ: भक्त: क: अस्ति?

(ख) तस्य किन्नाम स च कुत्र वसति?

(ग) नारद: अपश्यत् यत् स: कृषीवल: तु केवलम् एकं वारमेव भगवत: नाम नयति।

(घ) ईदृश: भक्त: न अभवत् न भविष्यति।

(ङ) अधुना नारद: अजानत् यत् कृषीवल: एव श्रेष्ठ: भक्त: अस्ति।

7. समानार्थक शब्दों को मिलाइए—

उत्तरम्–

कृषीवल:	**कृषक:**
दिने दिने	**प्रतिदिनम्**
प्रात:काले	**प्रभातकाले**
सरस्वती	**वीणापाणि:**
विष्णु:	**लक्ष्मीकान्त:**

8. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए और वाक्य बनाइए—

उत्तरम्– (क) एकाग्रं कृत्वा — **एकाग्र करके**

रमेश: मन: **एकाग्रं कृत्वा** अध्ययनं करोति स्म।

(ख) तर्हि — **तो**

यदि भवान् तत्र न गमिष्यति **तर्हि** सर्वे रुष्टा: भविष्यन्ति।

(ग) भूतले — **धरती पर**

नारद: भगवत: विष्णो: परमं भक्तम् अवलोकयितुं **भूतले** आगच्छत्।

(घ) अधितिष्ठते — **बैठे हुए**
भगवान् विष्णुः क्षीरसागरे शेषशय्याम् **अधितिष्ठते**।

(ङ) भगवत्समक्षे — **भगवान के सामने**
नारदः **भगवत्समक्षे** करबद्धः स्थितः आसीत्।

(च) प्रकटितवान् — **प्रकट किया**
कृषीवलः नारदस्य समक्षे स्व विचारान् **प्रकटितवान्**।

गुरुगोविन्द सिंहः 10

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—

उत्तरम्– (क) गुरुगोविन्द सिंहः गुरु तेगबहादुरस्य पुत्रः आसीत्।

(ख) गुरुगोविन्दसिंहस्य जन्म 1666 तमें वर्षे दिसम्बरमासस्य द्वाविंशतिः तारिकायाम् अभवत्।

(ग) गुरुगोविन्दसिंहस्य मातुः नाम 'गुजरी देवी' इति।

(घ) गुरुगोविन्दसिंहः स्वपुत्राणाम् आहुतिं स्वदेशस्य स्वतन्त्रतायै अयच्छत्।

(ङ) सिक्खधर्मानुयायिनः गुरुगोविन्दस्य जयन्तीं सोत्साहं सम्पादयन्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) गुरुगोविन्दसिंहः **गुरु तेगबहादुरस्य** पुत्रः आसीत्।

(ख) तत्र सः **विविधशस्त्रेषु शास्त्रेषु** च निपुणताम् अलभत्।

(ग) पितुः वधेन **तस्य** हृदयं विदीर्णं जातम्।

(घ) सः कविः **विद्यानुरागी** आसीत्।

3. सन्धि-विग्रह कीजिए—

उत्तरम्– आत्मोत्सर्गः	= **आत्मा + उत्सर्गः**	तदैव	= **तदा + एव**
निर्दोषोऽपि	= **निर्दोषः + अपि**	अप्यासीत्	= **अपि + आसीत्**

4. निम्नलिखित शब्दों के द्विवचन और बहुवचन में रूप लिखिए—

उत्तरम्– (क)	अग्रगण्यः	**अग्रगण्यौ**	**अग्रगण्याः**
(ख)	पिता	**पितरौ**	**पितरः**
(ग)	हृदयम्	**हृदये**	**हृदयानि**
(घ)	प्रसिद्धः	**प्रसिद्धौ**	**प्रसिद्धाः**

5. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

उत्तरम्– (क) चौर: आरक्षकेभ्य: स्व **रक्षार्थं** एकस्मिन् गृहे प्राविशत्।

(ख) नरेश: स्व **पित्रा** सह उद्याने भ्रमणाय गत:।

(ग) किम् अद्य संस्कृत अध्यापक: न **आगत**:?

(घ) कालिदास: श्रेष्ठ: **कवि**: आसीत्।

कुक्कुरः गर्दभश्च 11

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के संस्कृत में उत्तर दीजिए—

उत्तरम्– (क) रजकस्य गृहे रात्रौ एक: चौर: आगत:।

(ख) कुक्कुर: अत:न बुक्कति यतोहि तस्य स्वामी रजक: तस्य उपयोगं न जानाति स्म अन्यच्च तस्य आहारदानेऽपि निरन्तरम् उपेक्षा करोति स्म।

(ग) अधमा: स्वकर्तव्यं न पालयन्ति।

(घ) अधमा: कार्यकाले समुत्पन्ने प्रभो: दोषान् गणयन्ति।

(ङ) रजक: गर्दभम् अत: अताडयत् यतोहि गर्दभस्य चीत्कारेण तस्य निद्रा भग्ना जाता आसीत्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) एकस्मिन् ग्रामे एक: **रजकः** आसीत्।

(ख) तस्य गृहे **रात्रौ** एक: **चौरः** प्रविष्ट:।

(ग) मम **कर्तव्यस्य** चर्चा त्वया न कार्या।

(घ) भवतु तावत् यथा स्वामी **जागरिष्यति** तथा करोमि।

(ङ) चौर: रजकस्य **बहुमूल्यानि** वस्तूनि चोरयति।

(च) **अधमाः** स्वकर्तव्यं न कुर्वन्ति।

3. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति और वचन लिखिए—

उत्तरम्–

	शब्दः		विभक्तिः	वचनम्
(क)	रात्रौ	—	**सप्तमी**	**एकवचनम्**
(ख)	रजकस्य	—	**षष्ठी**	**एकवचनम्**
(ग)	गर्दभ:	—	**प्रथमा**	**एकवचनम्**
(घ)	गृहे	—	**सप्तमी**	**एकवचनम्**

(ङ) चौरेण — **तृतीया** **एकवचनम्**

(च) नगरात् — **पञ्चमी** **एकवचनम्**

4. सही कथन के सामने ✓ और गलत कथन के सामने ✗ का चिह्न लगाइए–

उत्तरम्– (क) (✗), (ख) (✓), (ग) (✗), (घ) (✗), (ङ) (✓), (च) (✗), (छ) (✓)।

5. निम्नलिखित वाक्यों का हिंदी में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) धोबी के आँगन में गधा बँधा था।

(ख) मेरे काम की चर्चा तुम्हें नहीं करनी चाहिए।

(ग) निम्न लोग अपना कर्तव्य नहीं करते हैं।

(घ) निम्न लोग कार्य पड़ने पर अथवा उत्पन्न होने पर मालिक के दोष गिनते हैं।

(ङ) यह कहकर गधे ने चीत्कार किया।

6. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) एकस्मिन् ग्रामे एक: रजक: वसति स्म।

(ख) तस्य प्राङ्गणे एक: गर्दभ: बद्ध: तिष्ठति स्म।

(ग) तदा गर्दभ: सक्रोधम् अकथयत्।

(घ) अधमा: स्वकर्तव्यस्य पालनं न कुर्वन्ति।

(ङ) अनाधिकार चेष्टा न कर्तव्या।

7. चित्रों को देखिए और उनके नीचे उपयुक्त वाक्य लिखिए—

उत्तरम् (क) रात्रौ गर्दभ: कुक्कुरेण सह वार्तां करोति स्म।

(ख) चौर: एकस्मिन् गृहे प्रविशति।

(ग) रजक: गर्दभं दण्डेन ताडयति।

अमृतश्लोकाः 12

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—

उत्तरम्– (क) जनानाम् अधिकार: कर्मणि भवेत्।

(ख) आत्मा नित्य: शाश्वतश्च अस्ति।

(ग) अधर्मस्य अभ्युत्थाने श्रीकृष्ण: (ईश्वर:) आत्मानं सृजति।

(घ) शस्त्राणि आत्मानं न छिन्दन्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) **कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु** कदाचन।
मा **कर्मफल हेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि**।।

(ख) परित्राणाय **साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम्**।
धर्मसंस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे युगे।।

(ग) वासांसि **जीर्णानि यथा विहाय**
नवानि **गृह्णाति नरोऽपराणि।**
तथा शरीराणि विहाय जीर्णान्य–
न्यानि संयाति नवानि देही।

3. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति और वचन लिखिए—

उत्तरम्–

	शब्दः		विभक्तिः	वचनम्
(क)	फलेषु	—	**सप्तमी**	**बहुवचनम्**
(ख)	पावकः	—	**प्रथमा**	**एकवचनम्**
(ग)	देही	—	**द्वितीया**	**बहुवचनम्**
(घ)	साधूनाम्	—	**षष्ठी**	**बहुवचनम्**
(ङ)	कर्मणि	—	**सप्तमी**	**एकवचनम्**
(च)	युगे	—	**सप्तमी**	**एकवचनम्**
(छ)	आत्मानम्	—	**द्वितीया**	**एकवचनम्**
(ज)	परित्राणाय	—	**चतुर्थी**	**एकवचनम्**

4. समानार्थक शब्दों को मिलाइए—

उत्तरम्–

जायते	**उद्भवति**
नयनम्	**चक्षुः**
मारुतः	**पवनः**
नवानि	**नूतनानि**
नरः	**जनः**

5. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) आत्मा अजरः अमरश्च अस्ति।

(ख) आत्मा शरीरे नष्टेऽपि नष्टःन भवति।

(ग) आत्मानं न कोऽपि हन्तुं शक्नोति।

(घ) ईश्वरः सर्वशक्तिमान् अस्ति।

(ङ) कर्म एव मुख्यम् अस्ति।

6. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तरम्– (क) परलोके **धर्मः** एव याति।

(ख) युद्धपूर्वं रणभूमौ अर्जुनस्य हृदि **ग्लानिः** उत्पन्ना।

(ग) आत्मा कदापि न **म्रियते**।

(घ) आत्मा **शाश्वतः** अस्ति।

(ङ) मारुतः आत्मानं न **शोषयति**।

(च) आत्मा पावके अपि न **दहति**।

7. निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए–

उत्तरम्–

(क)	शाश्वतः	+	अयम्	**शाश्वतोऽयम्**
(ख)	सृजामि	+	अहम्	**सृजाम्यहम्**
(ग)	क्लेदयन्ति	+	आपः	**क्लेदयन्त्यापः**
(घ)	जीर्णानि	+	अन्यानि	**जीर्णान्यन्यानि**
(ङ)	कर्मणि	+	एव	**कर्मण्येव**
(च)	नरः	+	अपराणि	**नरोऽपराणि**
(छ)	तदा	+	आत्मानम्	**तदात्मानम्**

8. गीता के महत्त्व पर संस्कृत में पाँच वाक्य लिखिए–

उत्तरम्– (क) श्रीमद्भगवद्गीता हिन्दूनां पवित्रः ग्रन्थः अस्ति।

(घ) अस्मिन् ग्रन्थे मानवजीवनस्य सारः निहितः अस्ति।

(ग) ग्रन्थेऽस्मिन् प्रतिपादितम् अस्ति, मानवस्य कर्मणि एव अधिकारः अस्ति फलेषु न।

(घ) मानव–शरीरं नश्वरम् अस्ति, अतः अस्मिन् कदापि मोहः न करणीयः।

(ङ) अस्मिन् ग्रन्थे श्रीकृष्णेन इदमपि ज्ञापितं यत् आत्मा न कदापि जायते, न म्रियते। अयं नित्यः शाश्वतश्च अस्ति।

प्रकृतेः पीडा 13

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के संस्कृत में उत्तर दीजिए—

उत्तरम्– (क) प्रकृतिः खिन्ना इव दृश्यते।

(ख) पृथ्वी, जलम्, वायुः, नभः अग्निश्च; इत्येतानि पञ्चतत्वानि सन्ति।

(ग) धरायाः शरीरे व्रणाः जाताः यतोहि कृत्रिमउर्वरकैः तस्याः शरीरं विषाक्तम् अभवत्। अवशिष्टं भोज्यादिकम्, अवकरं प्लास्टिक इति वस्तूनि च अस्यां प्रदूषणं कुर्वन्ति।

(घ) वाहनैः औद्योगिकसंस्थानेभ्यश्च निर्गतेन जलेन वायुः प्रदूषितः भवति।

(ङ) पाचनक्रियायां सहायकत्वेन ओजतेजोभ्यां प्रदानकारणेन च अग्नेः लाभः अस्ति।

(च) धरायाः खननात् वृक्षोच्छेदनात् च पर्यावरणस्य सन्तुलनं विकृतं जातम्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) मम शरीरे स्थाने स्थाने **व्रणाः** जाताः।

(ख) तेनाहं **दुर्गन्धमयं** मलिनं चाभवम्।

(ग) नगरेषु **वाहनानां सङ्ख्या अति** वृद्धिं याति।

(घ) **अग्निः** पाचन–क्रियायां सहायका भवति।

(ङ) इयं **सृष्टिः** युष्माभिः रचिता।

3. निम्नलिखित वाक्यों को संस्कृत में लिखिए—

उत्तरम्– (क) ते अपश्यन् यत् प्रकृतिदेवी ध्यानमग्ना अस्ति।

(ख) धरायाः व्यथां श्रुत्वा प्रकृति अति दुःखिता अभवत्।

(ग) वाहनादिनां कारणेन वायुः प्रदूषितः भवति।

(घ) अग्निः मानवशरीरे क्रोधरूपे तिष्ठति।

(ङ) भवती तु सर्वज्ञा अस्ति।

4. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

उत्तरम्– (क) किंम् सा **एकाकिनी** एव गता?

(ख) भो भद्र पुरुष! अत्युष्णता अस्ति, **वायुं** मा रोधयतु।

(ग) एते अवकरादिकं **विकीर्य** मां प्रदूषयन्ति।

(घ) प्रकृतिशुद्धये सर्वेषां **योगदानम्** अत्यावश्यकम्।

5. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए—

उत्तरम्–

शरीरम्	=	**काया**	जलम्	=	**वारि**
वायुः	=	**पवनः**	नभः	=	**व्योमः**
अग्निः	=	**पावकः**	पृथ्वी	=	**धरा**

चन्द्रशेखरः आजादः

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—

उत्तरम्– (क) वीराणां मृत्यु: न भवति।

(ख) स्वतन्त्रता-आन्दोलनस्य महान् वीर: चन्द्रशेखर: आजाद: आसीत्।

(ग) चतुर्दशवर्षीय: वर्षीय: चन्द्रशेखर: स्वतन्त्रता-आन्दोलने अकूर्दत्।

(घ) चन्द्रशेखर: संसदभवने बम्बबिस्फोटम् अकारयत्।

(ङ) आङ्गलसैनिकानां पार्श्वे तत् पिटकं नास्ति यत् आजादं घातयेत्।

2. कोष्ठक में दिए गए उपयुक्त शब्द से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) समाजाय राष्ट्राय वा स्वजीवनम् अर्पयित्वा ते **अमराः** भवन्ति।

(ख) **यदा** स: चतुर्दशवर्षीय: **एव** आसीत् **तदैव** स्वतन्त्रता-आन्दोलने अकूर्दत्।

(ग) स्वतन्त्रता-आन्दोलने **एकस्मिन् पक्षे** महात्मागान्धि सदृशा: अहिंसानुयायिन: आसन्।

(घ) **अपरतः** क्रान्तिकारिण: आसन् ये मातृभूम्यै स्वरक्तम् अर्पितवन्त:।

(ङ) **एकदा** स: इलाहाबाद-नगरस्य 'अल्फ्रेड' नामके उद्याने आसीत्।

3. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) आजाद: बाल्यकालाद् एव अति वीर: आसीत्।

(ख) वयं तस्य आदरेण स्मरणं कुर्म:।

(ग) भगत सिंह:, सुखदेव: राजगुरु च आजादस्य मित्राणि आसन्।

(घ) रुष्टा: आङ्गलाधिकारिण: तं भृशम् अताडयन्।

(ङ) स: भारतीय स्वतन्त्रताया: आन्दोलनस्य एक: महान् वीर: आसीत्।

(च) भगत सिंह: सॉण्डर्सस्य हत्या अकरोत्।

(छ) आजादस्य एकेन सहयोगिना तेन सह विश्वासघातं कृतम्।

(ज) चन्द्रशेखर आजाद: अन्तपर्यन्तम् आजाद: एव अतिष्ठत्।

4. निम्नलिखित वाक्यों का हिंदी में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) वीरों की मृत्यु कभी नहीं होती है।

(ख) समाज अथवा राष्ट्र के लिए अपना जीवन अर्पित करके वे अमर होते हैं।

(ग) जिसे हम आदर और गौरव के साथ स्मरण करते हैं।

(घ) वे भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के महान वीर थे।

(ङ) चंद्रशेखर संस्कृत के विद्यार्थी थे।

(च) वे बचपन से ही काशी में रहे।

(छ) चंद्रशेखर का जन्म मध्य प्रदेश में झाबुआ जिले में हुआ।

5. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्द से चतुर्थी विभक्ति का प्रयोग करते हुए वाक्य पूरा कीजिए—

उत्तरम्– (क) **वीराय** नमः।

(ख) वीरः **समाजाय** स्वजीवनम् अर्पयति।

(ग) ग्रामप्रधानः **ग्रामाय** शोभनानि कार्याणि करोति।

(घ) क्रान्तिकारिणः **मातृभूम्यै** स्वरक्तम् अर्पितवन्तः।

6. एक शब्द में उत्तर दीजिए—

उत्तरम्– (क) झाबुआ जनपदे। (ख) संस्कृतस्य।

(ग) चन्द्रशेखरम्। (घ) अल्फ्रैड।

(ङ) आङ्गलसैनिकाः। (च) स्व पिटकेन।

7. निम्नलिखित वाक्यों का दिए गए निर्देश के अनुसार परिवर्तन कीजिए—

उत्तरम्– (क) इमे बालकाः वीराः सन्ति।

(ख) वीराः अमराः अभवन्।

(ग) वीरस्य कदापि मृत्युः न भवति।

(घ) आङ्गलसैनिकः तत्र आगच्छत्।

(ङ) रुष्टः आङ्गलाधिकारी तम् अताडयत्।

(च) ते मूर्च्छिताः अभवन्।

(छ) सः एकं सैनिकं हतवान्।

15 गङ्गा

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—

उत्तरम्– (क) गङ्गायाः तटे अनेकानि तीर्थस्थलानि सन्ति।

(ख) प्रयागे गङ्गायमुनयोः सङ्गमः अस्ति।

(ग) गङ्गायां स्नानं पुण्यं मन्यते।

(घ) औद्योगिकअवकरप्रवाहेण, मलिनजलविसर्जनेन अन्यैश्च कारणैः वर्तमाने गङ्गायाः जलं प्रदूष्यते।

(ङ) इदानीं गङ्गायां नौकाः मनोरञ्जनाय चाल्यन्ते।

2. उचित विभक्ति का प्रयोग करके रिक्त स्थानों को भरिए—

उत्तरम्– (क) गङ्गा **हिमालयात्** नि:सरति।

(ख) गङ्गाया: तटे अनेकानि **तीर्थस्थलानि** सन्ति।

(ग) बहुबन्ध **निर्माणेन** तस्या: अबाध प्रवाह: रोद्धयते।

(घ) पूर्वं **गङ्गायां** पोता: नौका: च चलन्ति स्म।

(ङ) इदानीं **मनोरञ्जनाय** गङ्गायां नौका: दरीदृश्यन्ते।

3. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

उत्तरम्– (क) **ग्रामेषु** जना: सरला: मधुरभाषिण: च भवन्ति।

(ख) माता **बालिकायां** बहु स्निह्यति।

(ग) नृपस्य **हस्ते** तीक्ष्ण: खड्ग: आसीत्।

(घ) मम **शिरसि** वेदना जायते।

(ङ) एषु **घटेषु** जलं परिपूरयत।

4. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए—

उत्तरम्– (क) बहव: जना: गङ्गायां स्नानं पुण्यं मन्यन्ते।

(ख) औद्योगिकानाम् अवकराणां प्रवाहेन गङ्गाजलं प्रदूषितं भवति।

(ग) जलजीवानाम् उपरि बहु सङ्कटं वर्तते।

(घ) गङ्गायां पोत: नौकाश्च चलन्ति स्म।

(ङ) वर्तमाने मनोरञ्जनाय गङ्गायां नौका: परिचलन्ति।

5. निम्नलिखित शब्दों के रूप लिखिए—

उत्तरम्–

(क)	गृहम्	—	**गृहम्**	**गृहे**	**गृहाणि**
(ख)	नदी	—	**नदी**	**नद्यौ**	**नद्य:**
(ग)	बालिका	—	**बालिका**	**बालिके**	**बालिका:**
(घ)	राम:	—	**राम:**	**रामौ**	**रामा:**
(ङ)	वाटिका	—	**वाटिका**	**वाटिके**	**वाटिका:**
(च)	लता	—	**लता**	**लते**	**लता:**

6. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए—

उत्तरम्

सबल:	—	**निर्बल:**	पुष्पम्	—	**कण्टकम्**
मित्रम्	—	**शत्रु:**	मूर्ख:	—	**प्राज्ञ:**

7. निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए—

उत्तरम्– (क) अन्यै: + च — **अन्यैश्च**

(ख)	तेषाम् + उपरि	—	**तेषामुपरि**
(ग)	गङ्गा + उदकम्	—	**गङ्गोदकम्**
(घ)	सत् + जना:	—	**सज्जना:**
(ङ)	जल + विसर्जनम्	—	**जलविसर्जनम्**
(च)	गङ्गा + इति	—	**गङ्गेति**

8. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) गङ्गा नदी सर्वासु नदीषु श्रेष्ठा पवित्रा च अस्ति।

(ख) गङ्गातटे अनेकानि रमणीयानि स्थलानि सन्ति।

(ग) गङ्गायां स्नानं पुण्यं मन्यते।

(घ) अद्यत्वे गङ्गायमुनयो: जलं दूषितं भवति।

(ङ) अस्मान् सर्वान् गङ्गानदीं स्वच्छं रक्षितुं सङ्कल्पं नेयम्।

सहयोग: 16

अभ्यास:

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—

उत्तरम्– (क) सैनिकानाम् आवासाय द्वारादिनां निर्माणहेतो: काष्ठस्य खण्ड: नीयते स्म।

(ख) सैनिका: काष्ठखण्डं याने आरोहणे अत: असमर्था: अभवन् यतोहि तत् भारवान् आसीत्।

(ग) सैनिकानां नायक: दूरत: एव अधिकं बलं प्रयोगाय तान् प्रेरयति स्म।

(घ) अश्वारोही सैनिकान् विलोकयन् नायकम् अवदत् यत् महाशय! यदा कदाचित् पुन: ईदृश: अवसर: आपतेत् तु प्रधानसेनापति: वाशिंगटन: स्मरणीय:। स: पुनरपि आगमिष्यति।

(ङ) अश्वारोही प्रधान सेनापति: वाशिंगटन: आसीत्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) सैनिकानाम् **आवासाय** निर्माणकार्यं प्रचलति स्म।

(ख) काष्ठस्य **अतिभारत्वात्** बहु प्रयत्ने अपि ते अक्षमा: जाता:।

(ग) तेषां सैनिकानाम् एक: **नायक:** अपि आसीत्।

(घ) काष्ठखण्ड: याने **आरोहित:**।

(ङ) कर्तव्ये कर्मणि **गुरुता लघुता** वा न भवति।

3. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) सैनिकानाम् आवासाय निर्माणकार्यं चलति स्म।

(ख) सः अश्वारोही अश्वात् अवतीर्य भूमौ निजकोट परिधानम् अस्थापयत् सैनिकानां च सहायतामकरोत्।

(ग) यद्येवम् अवसरः आगच्छेत् तु प्रधानं सेनापतिं वाशिंगटनं स्मरणीयम्।

(घ) कतममपि कार्यं गुरु लघु वा न भवति।

(ङ) तेषां सैनिकानाम् एकः नायकः अपि आसीत् यः तान् दूरात् एव प्रेरयति स्म।

4. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार लिखिए—

उत्तरम्– (क) सैनिकाः काष्ठखण्डम् उत्थापने असमर्थाः अभवन्।

(ख) अश्वारोही शीघ्रमेव दुर्गे प्रविशत्।

(ग) ग्रामीणाः मेलापकात् भ्रमित्वा आगमिष्यन्ति।

(घ) अध्यापकः छात्रेभ्यः पुस्तकानि अवितरत्।

(ङ) महिलाः जलार्थं सरोवरे यास्यन्ति।

5. निम्नलिखित शब्दों में सन्धि-विच्छेद कीजिए—

उत्तरम्–

(क)	पुनरपि	—	**पुनः + अपि**
(ख)	तुरगाधिरूढः	—	**तुरग + अधिरूढः**
(ग)	अधिनायकः	—	**अधि + नायकः**
(घ)	भूयोभूयः	—	**भूयः + भूयः**

6. निम्नालिखित शब्दों के लिंग, विभक्ति और वचन लिखिए—

उत्तरम्–

(क)	याने	—	**नपुंसकलिङ्गम्**	**सप्तमी**	**एकवचनम्**
(ख)	कार्यम्	—	**नपुंसकलिङ्गम्**	**प्रथमा**	**एकवचनम्**
(ग)	सैनिकानाम्	—	**पुंल्लिङ्गम्**	**षष्ठी**	**बहुवचनम्**
(घ)	काष्ठानि	—	**नपुंसकलिङ्गम्**	**द्वितीया**	**बहुवचनम्**
(ङ)	कार्यम्	—	**नपुंसकलिङ्गम्**	**द्वितीया**	**एकवचनम्**

7. निम्नलिखित के धातु, लकार, पुरुष और वचन लिखिए—

उत्तरम्–

(क)	आगमिष्यति	—	**आगम्**	**लृट् लकारः**
			प्रथम पुरुषः	**एकवचनम्**
(ख)	कुर्याम्	—	**कृ**	**विधिलिङ् लकारः**
			उत्तमः पुरुषः	**एकवचनम्**
(ग)	अवदत्	—	**वद्**	**लङ् लकारः**
			प्रथमः पुरुषः	**एकवचनम्**

(घ)	अयाचत्	—	**याच्**	**लङ् लकार**
			प्रथमः पुरुष	**एकवचनम्**
(ङ)	स्यात्	—	**अस्**	**विधिलिङ् लकारः**
			प्रथमः पुरुषः	**एकवचनम्**

8. निम्नलिखित शब्दों का अर्थ लिखिए और वाक्य बनाइए—

उत्तरम्– (क) स्थाने = **स्थान पर**

कस्मिंश्चिद् **स्थाने** एकः विप्रः वसति स्म।

(ख) खण्डः = **टुकड़ा**

घट–समीपे एव पाषाण–**खण्डः** पतितः आसीत्।

(ग) प्रयत्नः = **कोशिश**

किं त्वया काष्ठखण्डम् उत्थापने **प्रयत्नः** कृतः।

(घ) आगन्तुम् = **आने के लिए**

त्वम् **आगन्तुं** कथयसि स्म पुनः किमर्थं न आगतः?

(ङ) लघुता = **छोटापन**

कर्मणि गुरुता **लघुता** वा न भवति।

(च) नायकः = **नायक**

सैनिकानां **नायकः** दूरतः एव तान् प्रेरयति स्म।

मूर्खः नृपः 17

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—

उत्तरम्– (क) धूर्तेन पक्षिपालकेन शुकः मनुष्य इव वक्तुं शिक्षितः।

(ख) पक्षिपालकः शुकं नीत्वा राज्ञः समीपम् अगच्छत्।

(ग) राजा तस्मै पक्षिपालकाय लक्षरुप्यकाणि ददौ।

(घ) अविचार्य कार्यं न कर्तव्यम्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) एकदा सः **पक्षिपालकः** तं शुकं **एकस्य नृपस्य** समीपम् अनयत्।

(ख) नृपः तस्मै **पक्षिपालकाय लक्षरुप्यकाणि** ददौ।

(ग) मया **बहुमूल्येन** त्वं क्रीतः।

(घ) कदापि केनापि **अविचार्य** न कर्तव्यम्।

3. निम्नलिखित वाक्यों का हिंदी में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) किसी धूर्त पक्षीपालक ने एक तोता मनुष्य के समान बोलने में शिक्षित किया।

(ख) पक्षीपालक की यह बात सुनकर राजा ने तोते को प्रश्न किया।

(ग) राजा ने पक्षीपालक को एक लाख रुपए दिए।

(घ) राजा ने तोते को एक लाख रुपए में खरीदा।

(ङ) कभी भी कोई कार्य बिना विचार किए नहीं करना चाहिए। हमेशा सोचकर ही करना चाहिए।

4. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) किं शुक: मनुष्य: इव वक्तुं शक्नोति?

(ख) आखेटक: चातुर्येण नृपं शुकम् अविक्रीणात्।

(ग) शुक: केवलम् एकमेव वाक्यं मुहुर्मुहु: वदति स्म।

(घ) सर्वदा विचार्य एव कार्यं कर्तव्यम्।

(ङ) क्रुद्धो भूय नृप: शुकं पञ्जरात् अमोचयत्।

5. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थक शब्द लिखिए—

उत्तरम्

आखेट:	—	**मृगया**	नृप:	—	**राजा**
मनुष्य:	—	**नर:**	उत्तम:	—	**श्रेष्ठ:**
शासनेन	—	**राजेन**	निष्ठाम्	—	**श्रद्धाम्**

लालबहादुर शास्त्री 18

अभ्यास:

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए–

उत्तरम्– (क) भारतस्य द्वितीय: प्रधानमन्त्री लालबहादुर शास्त्री आसीत्।

(ख) लालबहादुरशास्त्री महोदयस्य जन्म उत्तरप्रदेशस्य वाराणसीजनपदे अभवत्।

(ग) शास्त्री महोदयस्य पितु: तस्य बाल्यावस्थामेव मृत्युं प्राप्तवान्।

(घ) स: उच्चशिक्षां काशीविद्यापीठे प्राप्तवान्।

(ङ) स: अष्टादश मासपर्यन्तं प्रधानमन्त्रीपदम् अलङ्करोत्।

(च) स: जनताया: श्रद्धाभाजनं स्व नि:स्वार्थभावनया, कर्तव्यनिष्ठया सततं च भारतस्य सेवाकारणात् अभूत्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) लालबहादुरशास्त्री महोदयस्य जनकस्य नाम **शारदा प्रसादः** आसीत्।

(ख) बाल्यावस्थायामेव तस्य पितुः **देहावसानम्** अभवत्।

(ग) तदानीं देशः **परतन्त्रः** आसीत्।

(घ) सः भारतस्य द्वितीयः **प्रधानमन्त्री** आसीत्।

(ङ) **1966** तमे ईसवीये वर्षे **जनवरी मासस्य 11** तमे दिनाङ्के तस्य **मृत्युः** अभवत्।

3. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) अस्माकं देशस्य द्वितीयः प्रधानमन्त्रिणः नाम लालबहादुर शास्त्री अस्ति।

(ख) शास्त्री महोदयः उच्चशिक्षां काशीविद्यापीठे गृहीतवान्।

(ग) एषः स्व निःस्वार्थभावनया कारणेन जनानां श्रद्धाभाजनम् अभवत्।

(घ) शास्त्रीमहोदयः स्वाभावेन अति विनम्रः, सरलः आसीत्।

(ङ) अयम् अल्पसमये एव भारतस्य विश्वे सम्मानं वर्धितवान्।

4. विपरीतार्थक शब्दों का मिलान कीजिए—

उत्तरम्–

जन्म	**मृत्युः**
निरर्थकः	**सार्थकः**
परतन्त्रः	**स्वतन्त्रः**
महान्	**लघु**
मधुरः	**कटुः**
बालकः	**वृद्धः**

5. निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए—

उत्तरम्–

(क)	बाल्य + अवस्था	—	**बाल्यावस्था**
(ख)	देह + अवसानम्	—	**देहावसानम्**
(ग)	सः + अपि	—	**सोऽपि**
(घ)	मन्त्री + पदम्	—	**मन्त्रीपदम्**
(ङ)	यदि + अपि	—	**यद्यपि**

6. निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन लिखिए—

उत्तरम्–

प्रदेशस्य	–	**प्रदेशानाम्**	विद्यापीठाय	–	**विद्यापीठेभ्यः**
देशः	–	**देशाः**	काले	–	**कालेषु**
शासनेन	–	**शासनैः**	निष्ठाम्	–	**निष्ठाः**

(छ) विद्यालये — **विद्यालयेषु** (ज) मातुः — **मातॄणाम्**

7. **निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए—**

उत्तरम्– (क) जन्म — गान्धि महोदयस्य **जन्म** अक्टूबर मासस्य द्वितीये दिनाङ्के अभवत्।

(ख) शासनम् — अशोकस्य **शासनं** सम्पूर्णे भारते आसीत्।

(ग) परतन्त्रः — कानिचिद् वर्षपूर्वं भारतः आङ्गलीयानां **परतन्त्रः** आसीत्।

(घ) निःस्वार्थभावनाम् — शास्त्री महोदयस्य **निःस्वार्थभावनां** दृष्ट्वा सर्वे जनाः प्रभाविताः अभवन्।

(ङ) समानम् — इदं फलं तत् **समानं** नास्ति।

(च) मृत्युः — शास्त्री महोदस्य **मृत्युः** 1966 तमे वर्षे अभवत्।

सदुक्तयः 19

अभ्यासः

1. **रेखांकित पद के आधार पर प्रश्न बनाइए—**

उत्तरम्– (क) **कः** लेखं लिखति?

(ख) **का** पाठं पठति?

(ग) वृक्षाः **किं** यच्छन्ति?

(घ) चित्रकारः **कानि** रचयति?

(ङ) श्रावणे **के** नृत्यन्ति?

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—**

उत्तरम्– (क) **विद्याधनं** सर्वधनप्रधानम्।

(ख) शरीरमाद्यं खलु **धर्मसाधनम्**।

(ग) **श्रद्धावान्** लभते ज्ञानम्।

(घ) अयं निजः **परावेति गणना** लघुचेतसाम्।

3. **उचित कर्तृपद लिखिए—**

उत्तरम्– (क) **कन्याः** लिखन्ति। (ख) **युवां** धावथः।

(ग) **मेघाः** वर्षन्ति। (घ) **आवां** गायावः।

(ङ) **खगाः** कूजन्ति। (च) **त्वं** नृत्यसि।

4. निर्देशानुसार शब्दरूप लिखिए—

उत्तरम्–

शब्द	**एकवचनम्**	**द्विवचनम्**	**बहुवचनम्**
गुरु	**गुरवे**	**गुरुभ्याम्**	**गुरुभ्यः**
जल	**जलेन**	**जलाभ्याम्**	**जलैः**
रवि	**रवेः**	**रविभ्याम्**	**रविभ्यः**
कन्या	**कन्याम्**	**कन्ये**	**कन्याः**

5. निम्नलिखित वाक्यों को लृट् लकार में बदलिए—

उत्तरम्– (क) वयं धाविष्यामः।

(ख) युवा फलानि खादिष्यथः।

(ग) ते गमिष्यन्ति।

(घ) आवां गास्यावः।

(ङ) तौ विद्यालयं गमिष्यतः।

(च) त्वं पठिष्यसि।

6. विशेषण-विशेष्य को मिलाइए—

उत्तरम्–

चञ्चलम्	**मनः**
सुन्दरः	**मृगः**
स्वादिष्टानि	**व्यञ्जनानि**
मधुराणि	**फलानि**
रक्ते	**दाडिमे**

7. उदाहरणानुसार अलग-अलग लिखिए—

उत्तरम्–

पुंल्लिङ्गम्	**स्त्रीलिङ्गम्**
हंसौ	नौके
नराः	लताः
वृक्षाः	सारिका
गजौ	माला

8. निम्नलिखित पदों के धातु-पुरुष और वचन लिखिए—

उत्तरम्

पदम्	**धातुः**	**पुरुषः**	**वचनम्**
धावन्ति	**धाव्**	**प्रथमः**	**बहुवचनम्**
नृत्यसि	**नृत्**	**मध्यमः**	**एकवचनम्**
हसावः	**हस्**	**उत्तमः**	**द्विवचनम्**

लिखामः	**लिख्**	**उत्तमः**	**बहुवचनम्**
पचथः	**पच्**	**मध्यमः**	**द्विवचनम्**

शब्दकोशः 20

अभ्यासः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

गीता-सुधा

1

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के संस्कृत में उत्तर दीजिए—

उत्तरम्– (क) यः मनुष्यः सर्वान् कामान् परित्यज्य स्वात्मनि सन्तुष्टः तिष्ठति स एव स्थितप्रज्ञः उच्यते।

(ख) यः सुखदुःखे समं तिष्ठति, कस्मिन् अपि आसक्तः न भवति यस्य च रागभयक्रोधादयः नश्यन्ति, स एव स्थितधीर्मुनिरुच्यते।

(ग) स्थितप्रज्ञः ईश्वरं दृष्ट्वा अर्थात् तस्य साक्षात्कारं कृत्वा विषयादिभ्यः निवर्तते।

(घ) सांसारिकेषु वस्त्वादिषु आसक्ते भूते सति यदा कामनानां पूर्तिः न भवति तदा क्रोधः जायते।

(ङ) बुद्धिनाशात् मनुष्यः सर्वनाशं प्राप्नोति।

2. श्लोकों को पूर्ण कीजिए—

उत्तरम्– (क) प्रजहाति **यदा कामान्सर्वान्पार्थ** मनोगतान्।
आत्मन्येवात्मना तुष्टः **स्थितप्रज्ञस्तदोच्यते**।।

(ख) विषया **विनिवर्तन्ते निराहारस्य** देहिनः।
रसवर्जं **रसोऽप्यस्य परं दृष्ट्वा** निवर्तते।।

(ग) **क्रोधात्** भवति सम्मोहः **सम्मोहात् स्मृति** विभ्रमः।
सङ्गात्सञ्जायते कामः **कामात्क्रोधोऽभिजायते**।।

3. निम्नलिखित वाक्यों को संस्कृत में लिखिए—

उत्तरम्– (क) वयं स्व व्यर्थानां कामानां दमनं कुर्याम।

(ख) स्थितधीः दुःखेषु उद्विग्नः न भवति।

(ग) बुद्धेः नाशात् मनुष्यः निम्नाम् अवस्थां प्राप्नोति।

(घ) विषयेभ्यः कामः जायते।

(ङ) ईश्वरभक्त्याः मनः एकाग्रः भवति।

4. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति और वचन लिखिए—

उत्तरम्–

	शब्दः		विभक्तिः	वचनम्
(क)	कामान्	=	**द्वितीया**	**बहुवचनम्**

(ख)	आत्मनि	=	**सप्तमी**	**एकवचनम्**
(ग)	आत्मना	=	**तृतीया**	**एकवचनम्**
(घ)	सुखेषु	=	**सप्तमी**	**बहुवचनम्**
(ङ)	परम्	=	**द्वितीया**	**एकवचनम्**
(च)	कामात्	=	**पञ्चमी**	**एकवचनम्**

5. संधि-विच्छेद कीजिए—

उत्तरम्– (क) मनोगतान् = **मनः + गतान्**

(ख) तदोच्यते = **तत् + उच्यते**

(ग) आत्मन्येवात्मना = **आत्मनि + एव + आत्मना**

(घ) मुनिरुच्यते = **मुनिः + उच्यते**

(ङ) रसोप्यस्य = **रस + अपि + अस्य**

(च) सञ्जायते = **सम् + जायते**

6. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

उत्तरम्– (क) स्व सचिवानाम् उत्तरैः नृपः **तुष्टः** न अभूत्।

(ख) **क्रोधः** अपि विनाशस्य कारणं भवति।

(ग) अध्यापकं **दृष्ट्वा** सर्वे छात्राः शान्ताः अभवन्।

(घ) क्रोधात् सम्मोहः **उपजायते**।

(ङ) यदि स्व इन्द्रियाणि न जितानि तु मनुष्यः अन्ते **प्रणश्यति**।

7. निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध कीजिए—

उत्तरम्–

प्रजहाती	=	**प्रजाहति**	मनौगतान	=	**मनोगतान्**
तूष्टः	=	**तुष्टः**	इस्पृहः	=	**स्पृहः**
ऊचयते	=	**उच्यते**	द्रीष्ट्वा	=	**दृष्ट्वा**
क्रौधो	=	**क्रोधो**	परनश्यति	=	**प्रणश्यति**

लाभप्रदम् अरण्यम् 2

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के संस्कृत में उत्तर दीजिए—

उत्तरम्– (क) अरण्यस्य बहवः लाभाः सन्ति; तद्यथा इदम् अस्मभ्यं वनस्पतिम्, औषधिम् ओषजनं च ददाति वन्यजीवन् चापि रक्षति।

(ख) अर्यते मृगैः इति अरण्यम्।

(ग) अरण्ये नाना पशुपक्षिण: निवसन्ति; तद्यथा सिंहव्याघ्रमृगगजभल्लूक वृकमयूरपिकादय:।

(घ) वन्यजीवनसंरक्षणं सर्वस्वीकृत: विधिविचार:।

(ङ) अरण्ये ऋषय: तपयज्ञादिकं कुर्वन्ति स्म।

(च) पर्यटका: अभयारण्यं वनभोजाय अनुगच्छन्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) अरण्यं **वनस्पतिं** ददाति।

(ख) **अरण्ये** मृगाश्चरन्ति।

(ग) सर्वत्र **मनोहरं** सौन्दर्यम्।

(घ) वनसम्पद **राष्ट्रसम्पदा** अस्ति।

(ङ) राष्ट्रभूमौ तृतीयांश: **अरण्यं भवेत्**।

(च) पर्यटका: **अभ्यारण्यं वनान्तरम्** अनुगच्छन्ति।

3. सही वाक्य के सामने ✓ और गलत वाक्य के सामने ✗ का चिह्न लगाइए—

उत्तरम्– (क) (✗), (ख) (✓), (ग) (✓), (घ) (✗), (ङ) (✓), (च) (✓)।

4. हिंदी में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) अरण्य वन्यजीवों का आश्रयस्थल है।

(ख) जंगल में विभिन्न पशु घूमते हैं।

(ग) जंगल में नाना पक्षी पेड़ों पर निवास करते हैं।

(घ) सब जगह मनोहर सौंदर्य दिखाई देता है।

(ङ) प्राचीनकाल में ऋषि जंगल में रहते थे।

5. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

उत्तरम्– (क) सर्वे जना: राज्ञ: **न्यायं** भूरिश: प्रशंसितवन्त:।

(ख) नगराद् बहि: एकं सुन्दरं सघनं च **अरण्यम्** अस्ति।

(ग) **वनभोज**: वर्तमाने आनन्दमूला जीवनशैली वर्तते।

(घ) स्व प्रतिजन्मदिवसे वृक्षा**रोपणम्** अवश्यं करणीयम्।

(ङ) पुरा अरण्येषु ऋषय: **तपश्चरणं** कुर्वन्ति स्म।

6. समानार्थी शब्द लिखिए—

उत्तरम्– अरण्ये = **वने** सर्वे = **सकला:**

भारतवर्षे	=	**आर्यावर्ते**	मृगैः	=	**पशुभिः**
वृक्षेषु	=	**द्रुमेषु**	संन्यासी	=	**यतिः**

7. संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) अरण्यम् अस्माकं कृते अति लाभदायकम् अस्ति।

(ख) तत्र पिकाः कूजन्ति मूयराश्च नृत्यन्ति।

(ग) राष्ट्रस्य सम्पूर्णस्य भूभागस्य तृतीयांशं वनं स्यात्।

(घ) पुरा विद्यार्थिनः वनेषु निवसन् आचार्याणां समीपं गच्छन्ति स्म।

(ङ) वनात् अस्मभ्यम् औषधयः काष्ठानि च लभन्ते।

महाराज्ञी लक्ष्मीबाई 3

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के संस्कृत में उत्तर दीजिए—

उत्तरम्– (क) महाराज्ञी लक्ष्मीबाई नारीणाम् 'अबला' इति पर्यायं मृषा अकरोत्।

(ख) अस्याः जनकस्य नाम मोरोपन्तः आसीत् स च पेशवाबाजीरावस्य सेवायाम् आसीत्।

(ग) एषा पेशवापुत्रेण सह शास्त्रशस्त्र विद्याम् अलभत्।

(घ) अस्याः विवाहः झाँसीजनपदस्य नरेशेण गंगाधररावेण सह अभवत्।

(ङ) युद्धक्षेत्रे सा स्व खड्गेन अनेकान् शत्रून् अनश्यत्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) इयमेव मृषा अकरोत् **अबला इति** पर्यायं नारीणाम्।

(ख) महाराज्याः लक्ष्म्याः जननी **भागीरथी बाई साध्वी ईशभक्ता च** नारी आसीत्।

(ग) **पुत्रे मृते** नृपः राज्ञी च अशोचताम्।

(घ) ते सर्वे **महाराज्ञ्या लक्ष्म्या** सहामिलन्।

(ङ) सुचिरं स्थास्यति तस्याः **विमला कीर्तिः**।

3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) राज्ञी लक्ष्मीबाई महोदयायाः जन्म 1835 तमे ईसवीये अभवत्।

(ख) लक्ष्मीबाई महोदयायाः माता साध्वी ईशभक्ता चासीत्।

(ग) लक्ष्मीबाई महोदयायाः विवाहः झाँसीजनपदस्य नृपस्य गंगाधररावेन सह अभवत्।

(घ) आङ्लैः उत्तराधिकारहीनं राज्यं स्वाधिकारे कृतम्।

(ङ) धन्याऽस्ति सा वीराङ्गना महाराज्ञी लक्ष्मीबाई।

4. कोष्ठक में दी गई धातुओं के उचित रूप से वाक्य पूर्ण कीजिए—

उत्तरम्– (क) अनया विश्वे नारीणां सम्मानं **सम्वर्धितम्।**

(ख) सा तां विहाय सम्मानं **सहितं परलोकमगच्छत्।**

(ग) रुग्णो भूय सः प्राणान् **अत्यजत्।**

(घ) एषा धैर्येण राज्यस्य शासनसूत्रम् **अधारयत्।**

(ङ) एषा अनेके शत्रवः **अनश्यत्।**

(च) ते तान् निष्कासयितुं प्रयत्नशीलाः **अभवन्।**

5. संधि कीजिए—

उत्तरम्–

(क)	इयम् + एव	=	**इयमेव**
(ख)	परलोकम् + अगच्छत्	=	**परलोकमगच्छत्**
(ग)	स्व + अधिकारे	=	**स्वाधिकारे**
(घ)	अन्ये + अपि	=	**अन्येऽपि**
(ङ)	अबला + इति	=	**अबलेति**
(च)	असहाय + एषा	=	**असहायैषा**

6. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

उत्तरम्– (क) महाराज्ञी लक्ष्मीबाई स्वतन्त्रतायाः सङ्गामस्य **प्रसिद्धा** नायिका आसीत्।

(ख) केषाञ्चित् स्व सैनिकानां विश्वासघातेन सा **आहता** अभवत्।

(ग) एषा नारीणाम् **अबला** इति पर्यायं मिथ्या अकरोत्।

(घ) पुत्रे मृते सति स शनैः शनैः **रुग्ण** अभवत्।

(ङ) **धन्या** एषा वीराङ्गना।

राजकुमारः सिद्धार्थः 4

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—

उत्तरम्– (क) शुद्धोधनः कपिलवस्तु नगर्याः राजा आसीत्।

(ख) सिद्धार्थः राज्ञः शुद्धोधनस्य पुत्रः आसीत्।

(ग) सिद्धार्थः नगरस्य सौन्दर्यं द्रष्टुम् अवाञ्छत्।

(घ) मार्गे सिद्धार्थः एकं वृद्धम्, एकं रुग्णम् एकं शवं च अपश्यत्।

(ङ) सारथि: सिद्धार्थं ज्ञापयति यत् वृद्धोऽयं नर: रुग्ण: अस्ति, अपरञ्च वृद्धावस्थां सर्वे यास्यन्ति इति निश्चितम्। वृद्धावस्थां प्राप्य रुग्णो भूत्वा वा यदा ते संसारं त्यजन्ति मृताश्च भवन्ति।

(च) अस्या: यात्राया: सिद्धार्थस्य सम्पूर्णं जीवनं प्रभावोऽभवत्। स: राजभवनं परित्यज्य वनं प्रति प्रस्थित:। तत्र महत् तप: कृत्वा ज्ञानं लब्धवान्। तदनन्तरं महात्मा बुद्ध: इति नाम्ना प्रख्यातोऽभवत् विश्वकल्याणाय च जनेभ्य: अहिंसा–धर्मस्य उपदेशम् अददात्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) तस्य पुत्रस्य नाम **सिद्धार्थ:** आसीत्।

(ख) एष: बाल: **नृप:** भविष्यति।

(ग) एषा यात्रा तव **शुभाय** भवतु।

(घ) एतत् विचिन्त्य स: **राजप्रासादं** प्रति अगच्छत्।

(ङ) स: **महात्मा बुद्ध** इति नाम्ना प्रख्यात:।

3. निम्नलिखित वाक्यों में आए रंगीन शब्दों को शुद्ध करके लिखिए—

उत्तरम्– (क) छात्रा: गुरुं सादरं नमन्ति।

(ख) अहं त्वया सह चलिष्यामि।

(ग) सिद्धार्थ: गृहं परित्यज्य अगच्छत्।

(घ) त्वम् अहं च विद्यालयं गच्छाव:।

(ङ) तस्य उपदेशा: संसारस्य कल्याणाय आसन्।

(च) शुद्धोधन: सिद्धार्थस्य पिता आसीत्।

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) बालकं दृष्ट्वा पिता प्रसन्न: अभवत्।

(ख) वयं चलचित्रं द्रष्टुं गमिष्याम:।

(ग) जनक: पुस्तकानि आनीय पुत्राय अयच्छत्।

(घ) पुत्र: पुस्तकानि प्राप्य प्रसन्न: भविष्यति।

(ङ) त्वया सायङ्काले भोजनं भुक्त्वा भ्रमणीयम्।

5. निम्नलिखित शब्दों से धातु और प्रत्यय अलग कीजिए—

उत्तरम्–

(क)	द्रष्टुम् = **दृश् तुमुन्**		(ख)	आरुह्य = **आरुह् ल्यप्**	
(ग)	चिन्तयित्वा = **चिन्त् क्त्वा**		(घ)	त्यक्त्वा = **त्यज् क्त्वा**	
(ङ)	प्राप्य = **प्राप् ल्यप्**		(च)	अधिगम्य = **अधिगम् ल्यप्**	

6. निम्नलिखित वाक्यों को निर्दिष्ट लकार के अनुसार परिवर्तित कीजिए—

उत्तरम्– (क) तस्य पुत्रस्य नाम सिद्धार्थ: अस्ति।

(ख) ऋषि: राजभवनम् आगच्छति।
(ग) बाल: नृप: अभवत्।
(घ) राजा सारथिना सह गच्छतु।
(ङ) तस्य मुख्योपदेश: 'अहिंसा' आसीत्।

7. निम्नलिखित शब्दों का अर्थ लिखिए और वाक्य बनाइए—

उत्तरम्– (क) अवाञ्छत् = **चाहा**
सिद्धार्थ: नगरं द्रष्टुम् **अवाञ्छत्**।

(ख) राजकन्यया = **राजकन्या के साथ**
कालिदासस्य विवाह: एकया **राजकन्यया** सह अभवत्।

(ग) युवावस्थायाम् = **युवावस्था में**
अयं वृद्ध: **युवावस्थायाम्** अति बलवान् आसीत्।

(घ) अकथयत् = **कहा**
अध्यापक: **अकथयत्** यत् सर्वे छात्रा: ध्यानेन पठन्तु।

(ङ) भवतु = **हो**
भो बालक! ते कल्याणं **भवतु**।

(च) शुभाय = **कल्याण के लिए**
यात्रैषा तव **शुभाय** भवतु।

8. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति, लिङ्ग और वचन लिखिए—

उत्तरम्–

	शब्द:		विभक्ति:	लिङ्गम्	वचनम्
(क)	अवाञ्छत्	=	**प्रथमा**	**उभयलिङ्गम्**	**एकवचनम्**
(ख)	पुत्रस्य	=	**षष्ठी**	**पुंल्लिङ्गम्**	**एकवचनम्**
(ग)	शिशुम्	=	**द्वितीया**	**पुंल्लिङ्गम्**	**एकवचनम्**
(घ)	नगरम्	=	**द्वितीया**	**नपुंसकलिङ्गम्**	**एकवचनम्**
(ङ)	यात्राया:	=	**षष्ठी**	**स्त्रीलिङ्गम्**	**एकवचनम्**
(च)	सारथिना	=	**तृतीया**	**पुंल्लिङ्गम्**	**एकवचनम्**
(छ)	अहिंसा	=	**प्रथमा**	**स्त्रीलिङ्गम्**	**एकवचनम्**

चतुर: काक: 5

अभ्यास:

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—

उत्तरम्– (क) काक: अतीव चतुर: आसीत्।

(ख) सः पिपासया व्याकुलो भूत्वा ग्रामं प्रति अगच्छत्।
(ग) ग्रामाद् बहिः सः एकं घटम् अपश्यत्।
(घ) सः जलं पातुं पाषाणखण्डान् घटे अक्षिपत्।
(ङ) घटे स्वल्पं जलं दृष्ट्वा काकः दुःखितः अभवत्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) सः अतीव **चतुरः** आसीत्।
(ख) अन्ते काकः ग्रामं प्रति **अगच्छत्**।
(ग) काकः **घटस्योपरि** उपाविशत्।
(घ) सः **उत्साहशीलः** आसीत्।
(ङ) सः एकम् उपायम् **अचिन्तयत्**।

3. हिंदी में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) एक स्थान पर एक कौआ रहता था।
(ख) एक बार वह प्यास से व्याकुल हो गया।
(ग) वह इधर-उधर घूमा।
(घ) उस उपवन में घड़े के पास पत्थरों के टुकड़े थे।
(ङ) वह पत्थर के एक टुकड़े को चोंच से लाया।
(च) कौए ने पत्थर के अनेक टुकड़े घड़े में फेंके।
(छ) कौए की प्यास शांत हो गई।

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) कस्मिंश्चिद् स्थाने एकः काकः वसति स्म।
(ख) सः अति चतुरः आसीत्।
(ग) ग्रामात् बहिः एकम् उपवनम् आसीत्।
(घ) घटे स्वल्पं जलम् अस्ति।
(ङ) काकः बहु उत्साहशीलः आसीत्।
(च) उपायेन काकः स्व पिपासा शान्ता अकरोत्।

5. सन्धि-विच्छेद कीजिए—

उत्तरम्–

(क)	व्याकुलोऽभवत्	=	**व्याकुलः + अभवत्**
(ख)	कुत्रापि	=	**कुत्र + अपि**
(ग)	इतस्ततः	=	**इतः + ततः**
(घ)	प्रत्यागच्छत्	=	**प्रति + आगच्छत्**
(ङ)	घटेऽक्षिपत्	=	**घटे + अक्षिपत्**
(च)	घटस्योपरि	=	**घटस्य + उपरि**

(छ) हर्षितोऽभवत् = **हर्षितः + अभवत्**

6. विग्रह कीजिए और समास का नाम लिखिए—

उत्तरम्– (क) पाषाणखण्डः = **पाषाणस्य खण्डः** **षष्ठी तत्पुरुष समासः**

(ख) यथेच्छम् = **इच्छाम् अनतिक्रम्य** **अव्ययीभाव समासः**

(ग) यथाशक्तिः = **शक्तिम् अनतिक्रम्य** **अव्ययीभाव समासः**

7. निम्नलिखित सर्वनामों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

उत्तरम्– (क) **स**: बालकः अति तीव्रं धावति।

(ख) **तेन** व्याघ्रेण धूर्तः शृगालः व्यापादितः।

(ग) **तस्य** वचनं श्रुत्वा जनाः प्रभाविताः अभवन्।

(घ) **एतत्** छत्रं राहुलस्य अस्ति।

(ङ) **अनेन** बालकेन प्राप्तं प्रथमं पुरस्कारम्।

(च) **तस्मिन्** घटे स्वल्पं जलम् अस्ति।

(छ) त्वं **कस्मात्** ग्रामात् आगतोऽसि?

विद्यायाः महिमा 6

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—

उत्तरम्– (क) भारते: कोशः अपूर्वः अस्ति।

(ख) नरः धनात् धर्मः प्राप्नोति।

(ग) सर्वधनं प्रधानं धनं विद्या अस्ति यतोहि एतत् न तु चौरैः चोरयितुं शक्यते, न नृपैः हरितुं शक्यते, न भ्रातृभिः विभक्तुं शक्यते न च नेतुं भाररूपम् अस्ति, एतत् तु व्यये कृते नित्यं वर्धते एव।

(घ) विद्या कल्पलतेव अस्ति, यतोहि एषा मातेव रक्षति, पितेव हिते नियोजयति, भार्या इव दुःखादिकं दूरी कृत्य रमयति, लक्ष्मीं तनोति दिक्षु च कीर्तिं वितनोति।

(ङ) नारीणां भूषणं पतिः अस्ति।

2. श्लोकों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) अपूर्वः **कोऽपि कोशोऽयं विद्यते तव** भारति।
व्ययतो **वृद्धिमायाति क्षयमायाति सञ्चयात्**।।

(ख) नक्षत्राणां **भूषणं चन्द्रः नारीणां भूषणं पतिः।**
पृथिव्याः भूषणं राजा विद्या सर्वस्य भूषणम्।।

3. निम्नलिखित श्लोकों का अर्थ लिखिए—

उत्तरम्– **अर्थ—**

(क) विद्या विनम्रता देती है, विनम्रता से पात्रता (योग्यता) आती है। पात्रता से धन प्राप्त करता है, धन से धर्म और उसके बाद सुख प्राप्त करता है।

(ख) न तो यह (विद्या) चोर द्वारा चुराई जा सकती है, और न राजा द्वारा इसे हरा जा सकता है, न भाइयों द्वारा इसे बाँटा जा सकता है और न यह बोझ के लिए है अर्थात् कहीं भी ले जाने में भारी नहीं है। यह खर्च करने पर नित्य बढ़ता है, विद्यारूपी धन सभी धनों में प्रधान है, श्रेष्ठ है।

4. हिंदी में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) हे भारती (सरस्वती)! तुम्हारा विद्यारूपी यह खजाना अद्‌भुत है।

(ख) पात्रता से धन प्राप्त करता है, धन से धर्म, इसके बाद सुख।

(ग) धन को बढ़ाता है और यश को दिशाओं में फैलाता है।

(घ) तारों का गहना चंद्रमा है और स्त्रियों का गहना उनका पति।

(ङ) खर्च करने पर यह नित्य बढ़ता ही है। विद्यारूपी धन सभी धनों में श्रेष्ठ है, प्रधान है।

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) विद्यां धनेन न क्रेतुं शक्यते।

(ख) विद्यया वयं धनं सुखञ्च अनुभवामः।

(ग) विद्या परितः ज्ञान प्रकाशं प्रसारयति।

(घ) विद्वान् सर्वत्र सम्मान्यते।

6. सही कथन पर ✓ का चिह्न लगाइए—

उत्तरम्– (क) (✓), (ख) (✗), (ग) (✗), (घ) (✗)।

7. निम्नलिखित शब्दों के लिङ्ग, विभक्ति और वचन लिखिए—

उत्तरम्–

	शब्दाः		लिङ्गम्	विभक्तिः	वचनम्
(क)	भुवि	=	**स्त्रीलिङ्गम्**	**सप्तमी**	**एकवचनम्**
(ख)	विनयात्	=	**पुंल्लिङ्गम्**	**पञ्चमी**	**एकवचनम्**
(ग)	कीर्तिम्	=	**स्त्रीलिङ्गम्**	**द्वितीया**	**एकवचनम्**
(घ)	येषाम्	=	**पुंल्लिङ्गम्**	**षष्ठी**	**बहुवचनम्**
(ङ)	मनुष्यरूपेण	=	**पुंल्लिङ्गम्**	**तृतीया**	**एकवचनम्**

8. शब्दार्थों का उचित मिलान कीजिए—

उत्तरम्–

अपूर्वः	**अनोखा**
सञ्चयः	**इकट्‌ठा**
पात्रता	**योग्यता**

सर्वधनम्	**सबसे बड़ा धन**
कीर्तिः	**यश**
नक्षत्राणाम्	**तारों का**
भूषणम्	**गहना**

मूर्खः वानरः 7

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के संस्कृत में उत्तर दीजिए—

उत्तरम्– (क) खगाः नद्याः तीरे स्थिते वृक्षे निर्मितेषु नीडेषु वसन्ति स्म।

(ख) वृक्षे एकः वानरः वसति स्म।

(ग) एकदा शीतकाले वृष्टिरारब्धा।

(घ) वानरस्य दुर्दशाम् अवलोक्य खगः अवदत् यत् तव हस्तौ पादौ च मनुष्यः इव सन्ति। किं ते हस्तपादं न प्रसरतः येन गृहस्य निर्माणं न करोषि? इति।

(ङ) वानरः विचिन्त्य सकोपं खगानां नीडानि त्रोटयित्वा वृक्षात् अपातयत्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) कस्मिंश्चिद् अधिष्ठाने एका **नदी वहति** स्म।

(ख) तस्याः तीरे एकः **वृक्षः** आसीत्।

(ग) तत्र खगैः अनेकानि **नीडानि** निर्मितानि आसन्।

(घ) तस्मिन् एव काले **वृष्टिरारब्धा**।

(ङ) उपदेशो हि मूर्खाणां **प्रकोपाय** न **शान्तये**।

3. हिंदी में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) एक बार सर्दी के मौसम में शीतल हवा बह रही थी।

(ख) सभी पक्षी अपने घोंसलों में बैठे थे।

(ग) बंदर वर्षा के पानी से गीला हो गया।

(घ) इससे वह काँपता हुआ बहुत कष्ट से प्राणों को बचाए हुए था।

(ङ) तब उस बंदर ने काँपते हुए कुछ भी उत्तर न दिया।

(च) निश्चित ही मूर्खों को उपदेश देना उनके क्रोध को बढ़ाना है न कि शांति के लिए।

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) नद्याः तटे एकः निम्बवृक्षः आसीत्।

(ख) तस्मिन् वृक्षे अनेके खगाः वसन्ति स्म।

(ग) एकदा शीतकाले वृष्टिरारब्धा।

(घ) वृक्षे उपविष्टः वानरः आर्द्रो भूय कम्पितुम् आरब्धवान्।

(ङ) वानरात् एकः गृहं निर्मापयितुम् अकथयत्।

(च) वानरः क्रुद्धो भूय खगानां सर्वाणि नीडानि अनाशयत्।

5. संधि-विच्छेद कीजिए—

उत्तरम्–

(क)	वानरोऽपि	=	**वानरः + अपि**
(ख)	शाखास्वितस्ततः	=	**शाखासु + इतस्ततः**
(ग)	तस्मिन्नेव	=	**तस्मिन् + एव**
(घ)	वृष्टिरारब्धा	=	**वृष्टिः + आरब्धा**
(ङ)	आर्द्रोऽभवत्	=	**आर्द्रः + अभवत्**
(च)	अण्डान्यपि	=	**अण्डानि + अपि**

6. विग्रह कीजिए और समास का नाम लिखिए—

उत्तरम्–

(क)	गृहशून्यः	=	**गृहात् शून्यः पञ्चमी तत्पुरुष समासः**
(ख)	शीतकालः	=	**शीतस्य कालः षष्ठी तत्पुरुष समासः**
(ग)	कम्पित शरीरः	=	**कम्पते यस्य शरीरः बहुव्रीहि समासः**
(घ)	दयार्द्रचित्तः	=	**दयया आर्द्रचित्तः तृतीया तत्पुरुष समासः**
(ङ)	हस्तपादम्	=	**हस्तौ च पादौ च द्वन्द्व समासः**
(च)	क्षुद्र-प्राणी	=	**क्षुद्रः अस्ति यः प्राणी अव्ययीभाव समासः**

7. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति और वचन लिखिए—

उत्तरम्–

	शब्दः		विभक्तिः	वचनम्
(क)	गृहशून्यः	=	**प्रथमा**	**एकवचनम्**
(ख)	नीडानि	=	**प्रथमा**	**बहुवचनम्**
(ग)	तस्मिन्	=	**सप्तमी**	**एकवचनम्**
(घ)	वृक्षे	=	**सप्तमी**	**एकवचनम्**
(ङ)	प्राणान्	=	**द्वितीया**	**बहुवचनम्**
(च)	नीडैः	=	**तृतीया**	**बहुवचनम्**

सङ्घे शक्तिः 8

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के संस्कृत में उत्तर दीजिए—

उत्तरम्– (क) कपोताः वटवृक्षे वसन्ति स्म।

(ख) कपोतानां स्वामी चित्रग्रीवः आसीत्।

(ग) यदा कपोताः तण्डुलकणान् भक्षणार्थं नीचैः आगताः तदा ते जाले निबद्धाः।

(घ) यदा चित्रग्रीवस्य मित्रेण मूषकेण जालम् अकृन्तत् तदा कपोताः मुक्ताः अभवन्।

(ङ) आम्, सङ्घे शक्तिः भवति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) एकदा प्रातः सर्वे **कपोताः** भोजनार्थं गताः।

(ख) तस्मिन् काले एकः व्याधः **तत्राऽगच्छत्**।

(ग) जालस्योपरि **तण्डुलकणान्** अक्षिपत्।

(घ) ते तान् भक्षणार्थं **नीचैः आगन्तुम्** ऐच्छन्।

(ङ) एवं ते शीघ्रं जालेन **बद्धाः** जाताः।

(च) वने एकः **मूषकः** आसीत्।

(छ) चित्रग्रीवः कपोतैः सह **तत्राऽवतरत्**।

(ज) सर्वे कपोताः**बन्धनमुक्ताः** अभवन्।

3. विग्रह करके समास का नाम लिखिए—

उत्तरम्–

(क)	वटवृक्षः	=	**वटस्य वृक्षः**	**षष्ठी तत्पुरुष समासः**
(ख)	तण्डुलकणान्	=	**तण्डुलस्य कणान्**	**षष्ठी तत्पुरुष समासः**
(ग)	बन्धनमुक्ताः	=	**बन्धनाद् मुक्ताः**	**पञ्चमी तत्पुरुष समासः**
(घ)	सपरिवारः	=	**परिवार सहितम्**	**अव्ययीभाव समासः**

4. निम्नलिखित में प्रकृति-प्रत्यय बताइए—

उत्तरम्–

(क)	निभृतः	=	**क्त**	(ख)	आगन्तुम्	=	**तुमुन्**
(ग)	ग्रस्तः	=	**क्त**	(घ)	उत्पतन्तः	=	**शतृ**
(ङ)	मुक्तः	=	**क्त**	(च)	सञ्जातः	=	**क्त**

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) वटवृक्षे अनेके कपोताः वसन्ति स्म।

(ख) तेषु परस्परं बहु स्नेह: आसीत्।
(ग) एकदा ते भोजनाय आकाशे उत्पतन्।
(घ) तस्मिन्नेव काले एक: व्याध: तत्र आगच्छत्।
(ङ) स: भूमौ स्व जालम् प्रासारयत्।
(च) सर्वे कपोता: जाले निबद्धा:।
(छ) चित्रग्रीव: व्याधं दृष्ट्वा कपोतान् अकथयत्।
(ज) मूषक: कपोतानां जालम् अकृन्तत्।

6. हिंदी में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) दक्षिण प्रदेश के जनपद में महिलारोप्य नगर था।
(ख) उस नगर में बरगद का एक पेड़ था।
(ग) सभी कबूतर वहाँ सुख से समय बिताते थे।
(घ) तब कबूतरों ने चावल के कणों को देखा।
(ङ) उन्होंने उन्हें खाने के लिए नीचे आना चाहा।
(च) उनके स्वामी चित्रग्रीव ने उन्हें वैसा करने के लिए मना किया।
(छ) इस प्रकार वे बंधनमुक्त हुए।

7. संधि-विच्छेद कीजिए—

उत्तरम्–

(क)	भोजनार्थम्	=	**भोजन + अर्थम्**
(ख)	तत्राऽगच्छत्	=	**तत्र + आगच्छत्**
(ग)	जालस्योपरि	=	**जालस्य + उपरि**
(घ)	भूत्वाऽतिष्ठत्	=	**भूत्वा + अतिष्ठत्**
(ङ)	नाऽन्वसरन्	=	**न + अन्वसरन्**

लौहपुरुष: वल्लभभाई पटेल: 9

अभ्यास:

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए–

उत्तरम्– (क) वल्लभभाईपटेल महोदयस्य जन्म 1875 तमे ईसवीये वर्षे अक्टूबर मासस्य 31 दिनाङ्के अभवत्।
(ख) वल्लभभाईपटेल महोदयस्य जन्म गुजरात प्रदेशस्य नाडियाद ग्रामे अभवत्।
(ग) स: 'बैरिस्टर' इति उपाधिं ब्रिटेन देशात् प्राप्तवान्।
(घ) सत्याग्रहे आन्दोलनेन स: राजनीतौ प्रविष्टवान्।
(ङ) पटेल: भारतस्य एकीकरणं दूरदर्शितया कृतवान्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) एकस्मिन् कृषकपरिवारे **सः** जन्म प्राप्तवान्।

(ख) एतेन आन्दोलनेन स: **राजनीतौ** प्रविष्ट:।

(ग) देशस्य स्वतन्त्रतायै स: बहुवारं **कारागृहं** गतवान्।

(घ) पटेल महोदय: भारतस्य प्रथम: **उप प्रधानमन्त्री** आसीत्।

(ङ) जना: पटेल महोदये **श्रद्धां** धारयन्ति।

3. निम्नलिखित शब्दों से उपसर्ग अलग कीजिए—

उत्तरम्–

(क)	सुललितम्	=	**सु**	(ख)	नि:सरति	=	**नि:**
(ग)	प्रसरति	=	**प्र**	(घ)	उत्पतति	=	**उत्**
(ङ)	विहरति	=	**वि**				

4. निम्नलिखित शब्दों के लिङ्ग बदलकर लिखिए—

उत्तरम्–

महोदय:	=	**महोदया**	माता	=	**पिता**
आरब्धवान्	=	**आरब्धवती**	नीतवती	=	**नीतवान्**
नियुक्ता	=	**नियुक्तः**	अध्यक्ष:	=	**अध्यक्षा**
महाराज:	=	**महाराज्ञी**	दिवंगत:	=	**दिवंगता**

5. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

उत्तरम्–

(क) प्रदेश: = पश्चिम: उत्तर **प्रदेश:** धन–धान्येन परिपूर्ण: अस्ति।

(ख) सम्मेलनम् = श्व: अस्माकं विद्यालये आर्य–**सम्मेलनं** भविष्यति।

(ग) ग्राम: = मम **ग्राम:** विद्यालयात् नातिदूरम्।

(घ) कारागृहम् = पटेल महोदय: देशस्य स्वतन्त्रतायै बहुवारं **कारागृहम्** अपि असेवत्।

(ङ) शिक्षा = अनया कथया इयं **शिक्षा** लभते यत् वयम् एकीभूय तिष्ठेम।

(च) पत्नी = कृषकस्य **पत्नी** अति सरला मधुरभाषिणी च अस्ति।

(छ) वाटिका = इयं **वाटिका** अति रमणीया।

6. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति और वचन लिखिए—

उत्तरम्–

	शब्द:		**विभक्ति:**	**वचनम्**
(क)	वर्षे	=	**सप्तमी**	**एकवचनम्**
(ख)	एकस्मिन्	=	**सप्तमी**	**एकवचनम्**
(ग)	महोदयस्य	=	**षष्ठी**	**एकवचनम्**
(घ)	आत्मानम्	=	**द्वितीया**	**एकवचनम्**

(ङ) स्वतन्त्रायै = **चतुर्थी** **एकवचनम्**

7. संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) पटेलस्य जन्म एकस्मिन् कृषकपरिवारे अभवत्।

(ख) यदा पटेलस्य जन्म अभवत् तदा अस्माकं देश: पराधीन: आसीत्।

(ग) अयं कृषकाणां करमुक्त्यै हेतो: आन्दोलने स्वात्मानं समर्पितवान्।

(घ) देशस्य स्वतन्त्रतायै अयं बहुधा कारागारस्य यात्रामकरोत्।

(ङ) अस्य निधनं 1950 तमे वर्षे अभवत्।

8. निम्नलिखित का मिलान कीजिए—

उत्तरम्–

जन्म	**मृत्यु:**
माता	**पिता**
आगत्य	**गत्वा**
आरब्धवान्	**समापितवान्**
स्वतन्त्र:	**परतन्त्र:**
मुक्ति:	**बन्धन:**
प्रथम:	**अन्तिम:**

9. निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध करके लिखिए—

उत्तरम्–

मतोद्य:	=	**महोदय:**	क्रिषक:	=	**कृषक:**
पस्चात	=	**पश्चात्**	दूखिता:	=	**दु:खिता:**
नीयूक्त	=	**नियुक्त:**	अभदुतम्	=	**अद्भुतम्**
समचालित:	=	**सञ्चालित:**	श्रद्धा	=	**श्रद्धा**

ऋषिकेश: 10

अभ्यास:

1. निम्नलिखित प्रश्नों के संस्कृत में उत्तर दीजिए—

उत्तरम्– (क) भारतवर्षम् अति रम्यं भव्यं च देश: अस्ति।

(ख) ऋषिकेश: गङ्गाया: प्रसिद्धतीर्थहरिद्वारात् पूर्वस्यां दिशि एकोनविंशति किलोमीटर मिति दूरे स्थित: अस्ति।

(ग) ऋषिकेश: गङ्गया, पर्वतशृङ्खलाभि: परिवृत: रमणीयं पावनं च तीर्थस्थानम् अस्ति।

(घ) अस्मिन् स्थाने साधव: महात्मन: च आत्मन: परमात्मन: च ध्यानं कुर्वन्ति।

(ङ) ऋषिकेशस्य प्रसिद्धः आश्रमः 'गीताभवनम्' अस्ति।

(च) लक्ष्मणझूला ऋषिकेशे एव अस्ति।

(छ) शकुन्तलायाः पालनपोषणं अस्मिन् एव स्थाने महर्षि कण्वस्य आश्रमेऽभवत्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) अस्माकं देशः भारतवर्षम् अति **रम्यं भव्यं** च अस्ति।

(ख) **ऋषिकेशः** एकं रमणीयं पावनं च **तीर्थस्थानम्** अस्ति।

(ग) अत्र गंगा **स्वनैसर्गिकी सुषमया** परिपूर्णा अस्ति।

(घ) वैज्ञानिकरूपेण अपि **ऋषिकेशस्य** महत्त्वम् अस्ति।

(ङ) **अयम्** एकः सेतुः अस्ति।

(च) **अत्र गरुडचट्टी** अपि दर्शनीयं स्थलम् अस्ति।

3. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

उत्तरम्– (क) तीर्थस्थानेषु हरिद्वारः अपि **प्रसिद्धः** अस्ति।

(ख) इदं स्थानम् अति **रम्यं** शान्तं च अस्ति।

(ग) ऋषिकेशे प्रसिद्धः **सेतुः** 'लक्ष्मणझूला' अपि अस्ति।

(घ) अस्मिन् वने नाति **दूरं** गन्तव्यम्।

(ङ) बहवः **लेखकाः** अस्मिन् पवित्रे स्थाने स्वलेखन-साधनां पूर्णा कुर्वन्ति।

4. पाठ में प्रयुक्त पाँच अव्यय शब्द लिखिए—

उत्तरम्– (क) अति (ख) च (ग) सर्वत्र (घ) अपि (ङ) एव।

5. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए—

उत्तरम्– (क) भारतवर्षः रमणीयः अस्ति।

(ख) सः भोजनम् अखादत्।

(ग) साधवः महात्मनः च अस्मिन् स्थाने ध्यानं कुर्वन्ति।

(घ) कवयः लेखकाः च काव्यानि रचयन्ति।

(ङ) इदं स्थानम् आत्मोन्नतेः स्थानम् अस्ति।

6. वर्ण-विच्छेद कीजिए—

उत्तरम्–

सर्वत्र	**स् + अ + ॅ + व् + अ + त् + र् + अ**
दर्शनीयः	**द् + अ + र् + श् + अ + न् + ी + य् + अ + :**
शाखा	**श् + ा + ख् + ा**
नैसर्गिकी	**न् + ै + स् + अ + ॅ + ग् + ि + क + ी**

शृंखला	**श् + ृ + ं + ख् + अ + ल् + ा**
औषधि:	**औ + ष् + अ + ध् + ि + :**

सुभाषितानि 11

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—

उत्तरम्– (क) लोके चन्दनं शीतलं भवति।

(ख) साधुसङ्गति: शीतला भवति।

(ग) प्रभाते रवि: दीपक: अस्ति।

(घ) सुपुत्र: कुलस्य दीपक: भवति।

(ङ) जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।

(च) पिता आकाशात् उच्चतर: अस्ति।

(छ) प्रियं सत्यं ब्रूयात्।

(ज) राजद्वारे बान्धव: तिष्ठति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) पुस्तकस्था तु **या** विद्या परहस्तगतं **धनम्।**
कार्य **काले** समुत्पन्ने **न** सा **विद्या** न तद्धनम्।।

(ख) भूमे: **गरीयसी** माता **खात्** उच्चतर: **पिता**।
जननी जन्मभूमिश्च **स्वर्गादपि** गरीयसी।।

3. निम्नलिखित श्लोकों का हिंदी में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– अनुवाद–

(क) इस लोक में चंदन शीतल होता है, चंदन से भी शीतल चंद्रमा होता है। चंद्रमा और चंदन में बहुत अच्छी शीतल संगति है।

(ख) सायंकाल में दीपक चंद्रमा होता है, प्रात:काल में दीपक सूर्य होता है। तीनों लोको में दीपक धर्म होता है और कुल का दीपक एक अच्छा पुत्र होता है।

(ग) सत्य बोलना चाहिए प्रिय बोलना चाहिए, अप्रिय सत्य नहीं बोलना चाहिए और प्रिय झूठ नहीं बोलना चाहिए, यही सनातन धर्म है।

4. 'क' स्तंभ के शब्दों को 'ख' स्तंभ के विलोम शब्दों के साथ मिलाइए—

उत्तरम्–

'क'	**'ख'**
शीतलम्	**उष्णम्**

साधुः	**असाधुः**
विद्या	**अविद्या**
प्रभाते	**प्रदोषे**
कुपुत्रः	**सुपुत्रः**
सत्यम्	**असत्यम्**
अप्रियम्	**प्रियम्**
धर्मः	**अधर्मः**

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) माता भूमेः गरीयसी। (ख) चन्दनात् चन्द्रः शीतलः भवति।
(ग) सुपुत्रः कुलदीपकः भवति। (घ) वयं सदा सत्यं प्रियं च ब्रूयाम।
(ङ) सन्मित्राणि सङ्कटे सहायता कुर्वन्ति।
(च) सर्वे बालकाः मिलित्वा श्लोकान् स्मरत।

6. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए—

उत्तरम्–

लोकः	=	**लोकाः**	चन्दनात्	=	**चन्दनेभ्यः**
कार्यकाले	=	**कार्यकालेषु**	दीपकेन	=	**दीपकैः**
भूमेः	=	**भूमिभ्यः**	व्यसने	=	**व्यसनेषु**
राजद्वारात्	=	**राजद्वारेभ्यः**	श्मशाने	=	**श्मशानेषु**

7. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

उत्तरम्– (क) चन्द्रः चन्दनात् अपि **शीतलः** भवति।
(ख) **विद्या** विनयं ददाति।
(ग) परलोके **धर्मः** एव याति।
(घ) जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि **गरीयसी**।
(ङ) कदापि **अनृतं** न वक्तव्यम्।
(च) सन्मित्रं **दुर्भिक्षे** सदैव तिष्ठति।

मूर्खाः राजकुमाराः 12

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—

उत्तरम्– (क) नृपः अतः चिन्तितः आसीत् यतोहि तस्य पुत्राः मूर्खाः, अशिक्षिताः गुणहीनाः च आसन्।

(ख) विष्णुशर्मा पशुपक्षिणां कथाभि: मनोरञ्जनं कुर्वन् सरलतया च नीतिशास्त्रस्य ज्ञानं यच्छन् राजकुमारान् अशिक्षयत्।

(ग) नृप: विष्णुशर्मा पण्डिताय विपुलां धनराशिं पुरस्काररूपेण अयच्छत्।

2. उचित शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए—

उत्तरम्– (क) राजा **स्नेहेन** प्रजाम् अपालयत्।

(ख) तस्य पुत्रा: **गुणहीना:** आसन्।

(ग) अहं **पण्डिताय** पुरस्कारं दास्यामि।

(घ) राजकुमारा: **विद्यालाभाय** पण्डितेन सह अगच्छन्।

(ङ) ते **नीतिशास्त्रेषु** परं निपुणा: अभवन्।

3. प्रकृति-प्रत्यय-विभाग में परस्पर मिलान कीजिए—

उत्तरम्–

आगत्य	**आ + गम् + ल्यप्**
विचार्य	**वि + चर् + ल्यप्**
आकर्ण्य	**आ + कर्ण् + ल्यप्**
आदाय	**आ + दा + ल्यप्**
विचिन्त्य	**वि + चिन्त् + ल्यप्**

4. एक शब्द में उत्तर दीजिए—

उत्तरम्– (क) प्रजापालने। (ख) पशुपक्षिणाम्। (ग) अशिक्षिता:।
(घ) विष्णुशर्मा। (ङ) विद्यालाभाय। (च) नीतिशास्त्रेषु।
(छ) पुत्रवत्।

5. संज्ञा-पद के आधार पर उचित सर्वनाम-पद से वाक्य पूरे कीजिए—

उत्तरम्– (क) स: **एतस्मिन्** कार्ये निपुण: अस्ति।

(ख) प्रधानाचार्य: **तेभ्य:** छात्रेभ्य: छात्रवृत्तिम् अयच्छत्।

(ग) राजा **तस्मै** पण्डिताय पुरस्कारं दास्यति।

(घ) पण्डित: **एतेषां** राजपुत्राणां मनोरञ्जनम् अपि अकरोत्।

(ङ) **तान्** राजकुमारान् सुशिक्षितान् दृष्ट्वा राजा सन्तुष्ट: अभवत्।

6. समानार्थक शब्दों का मिलान कीजिए—

उत्तरम्–

कुशल:	**निपुण:**
राजकुमारा:	**राजपुत्रा:**
नृप:	**राजा**
प्रभूतम्	**विपुलम्**

अशिक्षिता: **विद्याहीना:**

7. **निम्नलिखित कथन शुद्ध हैं या अशुद्ध—**

उत्तरम्– (क) अशुद्धम्। (ख) अशुद्धम्। (ग) अशुद्धम्। (घ) शुद्धम्। (ङ) अशुद्धम्।

जननी जन्मभूमिश्च 13

अभ्यासः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—**

उत्तरम्– (क) भारतमातु: श्वेतमुकुटं हिमालय: अस्ति।

(ख) देवभूमि: भारतभूमि: अस्ति।

(ग) सागरा: अस्या: चरणयुगलं प्रक्षालयन्ति।

(घ) वयं मातरमिव भारतभूमिं जन्मभूमिं वा सेवामहे।

(ङ) विविधतायाम् एकता भारतभूमे: वैशिष्ट्यम् इति।

2. **उचित शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—**

उत्तरम्– (क) सागरा: भारतमातु: चरणौ **प्रक्षालयन्ति**।

(ख) अत्र विविधतायाम् **एकता** एवास्ति।

(ग) वैज्ञानिकेषु क्षेत्रेषु भारतीया: **प्रमुखा:** सन्ति।

(घ) भारतभूमि: **स्वर्गात्** अपि श्रेष्ठा अस्ति।

(ङ) इयं **देवतुल्यानां** ज्ञानिनां भूमि: अस्ति।

3. **निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए—**

उत्तरम्– (क) राम: रावणं हतवान्।

(ख) सेयम् अस्माकं जन्मभूमि: भारत: अस्ति।

(ग) अत्र विभिन्ना: भाषा: विभिन्ना: वेशभूषा: च सन्ति।

(घ) अस्माकं जन्मभूमि: स्वर्गादपि श्रेष्ठा अस्ति।

(ङ) एतस्या: एकताम्, अखण्डतां गौरवं च रक्षाम:।

4. **हिंदी में अनुवाद कीजिए—**

उत्तरम्– (क) माता और मातृभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर हैं।

(ख) हमार जन्मभूमि यह भारत है।

(ग) जहाँ ज्ञान का प्रकाश निरंतर फैलता है।

(घ) शिक्षा के क्षेत्र में भारत हमेशा अग्रसर है।

(ङ) सागर इनके चरणयुगल धोते हैं।

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) अस्माकं कृते जन्मभूमिः माता इव अस्ति।

(ख) भारते अनेकानि पर्यटनस्थलानि सन्ति।

(ग) गुणीनाम् आचरणम् अनुकरणीयं भवति।

(घ) वयं भारत मातुः सेवां कुर्याम।

(ङ) भारतस्य नद्यः पवित्रं जलं धारयन्ति।

6. निम्नलिखित में संधि-विच्छेद कीजिए—

उत्तरम्– (क) राममवदत् = **रामम् + अवदत्**

(ख) मातेव = **माता + इव**

(ग) भूमिरस्ति = **भूमिः + अस्ति**

(घ) चैव = **च + एव**

(ङ) मनोहराणि = **मनः + हराणि**

सन्मित्रम् 14

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के संस्कृत में उत्तर दीजिए—

उत्तरम्– (क) सुदामाश्रीकृष्णौ गुरोः सन्दीपनेः आश्रमे अपठताम्।

(ख) श्रीकृष्णः स्वमित्रस्य सुदाम्नः स्वागतार्थम् अधावत्।

(ग) झञ्झावाते आगते श्रीकृष्ण-सुदामा भीतौ।

(घ) अन्ते सुदामा श्रीकृष्णं कथयति यत् तव स्नेहेन अहं कृतकृत्यः अस्मि। त्वया सह मम अध्ययनम् अद्य सफली भूतम्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) कालान्तरे कृष्णः द्वारकायाः **नाथः** अभवत्।

(ख) अनन्तरं पूज्यः गुरुः आवयोः **अन्वेषणम्** अकरोत्।

(ग) युवां मम सेवाम् **अकुरुतम्**।

(घ) गुरुकुले आवयोः निवासः कियत् **सुखकरः** आसीत्।

(ङ) अहं युवयोः व्यवहारेण **प्रसन्नोऽस्मि**।

(च) तदैव झञ्झावातः **आगच्छत्**।

3. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए—

उत्तरम्– (क) मयूराः वने अनृत्यन्।

(ख) आवां वने बहुकालम् अभ्रमाव।
(ग) आवां विद्यालये संस्कृतम् अपठाव।
(घ) अस्माकं परिश्रमम् अद्य सफलीभूतम्।
(ङ) यमुनातटे खगाः कलरवम् अकुर्वन्।

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) आवां गुरुकुले अवसाव।
(ख) आवां वने काष्ठानि चयितुम् अगच्छाव।
(ग) आवां सहैव वाटिकायां पुष्पचयनम् अकुर्व।
(घ) आवां सदैव अक्रीडाव।
(ङ) किं त्वाम् अद्यापि स्मरणम् अस्ति?

5. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए—

उत्तरम्– (क) नाथः = भगवान् विष्णुः त्रयाणामपि लोकानां **नाथः** अस्ति।
(ख) सफलीभूतः = सुदीपः स्वपरिश्रमेण परीक्षायां **सफलीभूतः**।
(ग) स्वागतार्थम् = ग्रामस्थाः जनाः नेतुः **स्वागतार्थम्** उत्सुकाः आसन्।
(घ) अभ्रमाव = आवां देहल्यां रक्तदुर्गे (लालकिला) **अभ्रमाव**।
(ङ) अपठाव = आवां ध्यापूर्वकम् **अपठाव**।

6. एक शब्द में उत्तर दीजिए—

उत्तरम्– (क) श्रीकृष्णेन सह। (ख) साधुः।
(ग) सन्दीपनेः। (घ) स्वभार्यया।

7. शब्दार्थों का उचित मिलान कीजिए—

उत्तरम्–

अपठताम्	**पढ़े**
अभवत्	**हुआ**
अतिष्ठत्	**रहा**
अगच्छत्	**गया**
अकथयत्	**कहा**
अवसाव	**रहे**

8. निम्नलिखित वाक्यों में से चतुर्थी विभक्ति के शब्द चुनिए—

उत्तरम्– (क) दर्शनाय। (ख) कृष्णाय। (ग) गुरवे। (घ) बालिकायै।
(ङ) स्वागताय। (च) तुभ्यम्। (छ) शिष्याय।

9. वर्ण-विच्छेद कीजिए—

उत्तरम्– सुदामा = **स् + ु + द् + ा + म् + ा**

व्यवहार: = व् + य् + अ + व् + अ + ह् + ा + र् + अ + :

आश्रम: = आ + श् + र् + अ + म् + अ + :

मुनि: = म् + ु + न् + ि + :

विप्र: = व् + ि + प् + र् + अ + :

आर्यभट: 15

अभ्यास:

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—

उत्तरम्– (क) प्राचीनकालस्य पञ्च वैज्ञानिकानां नामानि सन्ति—गौतम, कण्व, लीलावती, कणाद, आर्यभट: इति।

(ख) 'आर्यभटीयम्' इति पुस्तकस्य लेखक: आर्यभट: अस्ति।

(ग) सृष्टिनिर्माणस्य सिद्धान्त: अस्ति यत् सृष्टिनिर्माणं एका तादृशी प्रक्रिया अस्ति या अनादि अनन्तकालं यावत् प्रचलति।

(घ) आर्यभटस्य द्वितीय पुस्तकस्य नाम अस्ति 'सूर्य सिद्धान्त' इति।

(ङ) सूर्यसिद्धान्त: इति पुस्तके आर्यभट: दिवारात्र्यो: गणनाया: क्रम:, सूर्यग्रहणं चन्द्रग्रहणं च प्रतिपादितवान्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) प्राचीनकाले **विज्ञानक्षेत्रे** अस्माकं देशस्य स्थानं **श्रेष्ठमासीत्**।

(ख) तेषु एव **आर्यभट:** अपि एक: महान् **वैज्ञानिक:** अभवत्।

(ग) अस्य प्रसिद्धं पुस्तकम् **आर्यभटीयम्** इति आसीत्।

(घ) पृथिव्या: ग्रहा: तारका: **परिभ्रमन्त:** दृश्यन्ते।

(ङ) आर्यभटस्य द्वितीयं पुस्तकं **सूर्य सिद्धान्त:** अपि आसीत्।

3. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य-रचना कीजिए—

उत्तरम्– (क) दिवा = **दिन**

ऋषभ: परीक्षायां साफल्यार्थं **दिवारात्रौ** गहनम् अध्ययनं करोति।

(ख) स: = **वह**

स: आर्यभटीयम् इति पुस्तकं रचितवान्।

(ग) अस्य = **इसके/इसका/इसकी**

किम् **अस्य** प्रश्नानां समाधानम् अभूत्?

(घ) अस्माकम् = **हमारा/हमारे**

अस्माकं देशे क्रमेण षड् ऋतव: आयान्ति।

(ङ) योगदानम् = **योगदान**

विज्ञानक्षेत्रे डॉ० कलाम महोदयस्य महत्त्वपूर्णं **योगदानं** वर्तते।

4. हिंदी में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) वह श्रेष्ठ चिकित्सक है।

(ख) उन्होंने एक सिद्धांत को प्रतिपादित किया कि रोगों की जड़ अस्वाभाविक दिनचर्या है।

(ग) इस सिद्धांत के ऊपर उन्होंने स्वयं भी जीवन बिताया।

(घ) लोग उस चिकित्सक को अब भी याद करते हैं।

(ङ) गाँव में सामूहिक चर्चा के केंद्र रूप में वे होते थे।

5. निम्नलिखित शब्दों के धातु, लकार और वचन लिखिए—

उत्तरम्–

	शब्दः		धातुः	लकारः	वचनम्
(क)	प्रचलति	=	**चल्**	**लट् लकारः**	**एकवचनम्**
(ख)	परिभ्रमति	=	**भ्रम्**	**लट् लकारः**	**एकवचनम्**
(ग)	दृश्यन्ते	=	**दृश्**	**लट् लकारः**	**बहुवचनम्**
(घ)	अभवन्	=	**भू**	**लङ् लकारः**	**बहुवचनम्**
(ङ)	आसीत्	=	**अस्**	**लङ् लकारः**	**एकवचनम्**
(च)	उपलभ्यते	=	**लभ्**	**लट् लकारः**	**एकवचनम्**

6. निम्नलिखित शब्दों का सन्धि-विच्छेद कीजिए—

उत्तरम्– (क) इदमपि = **इदम् + अपि**

(ख) केन्द्रोपरि = **केन्द्र + उपरि**

(ग) श्रेष्ठमासीत् = **श्रेष्ठम् + आसीत्**

(घ) इत्यादय: = **इति + आदयः**

(ङ) उपलभ्यते = **उप + लभ्यते**

7. विपरीतार्थक शब्दों को मिलाइए—

उत्तरम्–

प्राचीन:	**नवीनः**
मम	**तव**
देश:	**परदेशः**
लघु:	**दीर्घः**
अधिक:	**स्वल्पः**

8. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए—

उत्तरम्– (क) स: स्वीयेन आविष्कारेण संसारं चकितं कृतवान्।

(ख) अन्यं: प्रसिद्धं पुस्तकम् 'आर्यभटीयम्' इति आसीत्।

(ग) आर्यभट: सर्वप्रथमं सिद्धवान्।

(घ) ग्रहा: तारका: परिभ्रमन्त: दृश्यन्ते।

(ङ) अस्य योगदानम् अविस्मरणीयम्।

दीपावली 16

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के संस्कृत में उत्तर दीजिए—

उत्तरम्– (क) दशरथ: अयोध्याया: राजा आसीत्।

(ख) लङ्काधिपति: राजा रावण: सीताम् अपाहरत्।

(ग) श्रीराम: रावणम् अहनत्।

(घ) सीता श्रीरामेण मुक्ता।

(ङ) दीपावली कार्तिकमासस्य कृष्णपक्षस्य अमावस्यायां तिथौ मान्यते।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) भारतवर्ष: पर्वणां **देशः** अस्ति।

(ख) अत्र प्रतिवर्षम् **अनेके उत्सवाः** मान्यन्ते।

(ग) केचन राष्ट्रिया: **उत्सवाः** सन्ति।

(घ) अयोध्याया: राजा **दशरथः** आसीत्।

(ङ) रामस्य पत्नीं **सीतां** रावण: अपाहरत्।

3. विग्रह कीजिए और समास का नाम लिखिए–

उत्तरम्–

(क)	लंकाधिपति:	=	**लंकायाः अधिपतिः**	**षष्ठी तत्पुरुष समासः**
(ख)	प्रतिवर्षम्	=	**वर्षं वर्षं प्रति**	**अव्ययीभाव समासः**
(ग)	अयोध्यावासिन:	=	**अयोध्यायाः वासिनः**	**षष्ठी तत्पुरुष समासः**
(घ)	लक्ष्मीपूजनम्	=	**लक्ष्म्याः पूजनम्**	**षष्ठी तत्पुरुष समासः**

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) दीपावली कार्तिकमासस्य अमावस्यायां मान्यते।

(ख) अयं हिन्दूनां प्रमुख: उत्सव: अस्ति।

(ग) अस्मिन् दिने श्रीराम: अयोध्यां प्रत्यावर्तत्।

(घ) दीपावल्या: पूर्वं जना: स्व गृहाणां लेपनं कुर्वन्ति।

(ङ) ते नूतनानि नूतनानि वस्त्राणि धारयन्ति।

(च) रात्रौ लक्ष्म्या: पूजा कुर्वन्ति।

(छ) वस्तुत: दीपावली अस्माकं प्रमुख: उत्सव: अस्ति।

5. हिंदी में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) यहाँ प्रतिवर्ष अनेक उत्सव मनाते हैं।

(ख) यह उत्सव कार्तिक मास के कृष्णपक्ष की अमावस्या तिथि में मनाया जाता है।

(ग) कहा जाता है कि प्राचीन काल में अयोध्या के राजा दशरथ थे।

(घ) उनके पुत्र श्रीराम चौहद वर्षों तक वन में रहे।

(ङ) लंकाधिपति रावण ने राम की पत्नी सीता को हर लिया।

(च) राम ने रावण को मारा।

(छ) इस प्रकार सीता रावण के कारागार से मुक्त हुईं।

6. सन्धि-विच्छेद कीजिए—

उत्तरम्– (क) एषूत्सवेषु = **एषु + उत्सवेषु**

(ख) प्रमुखोत्सवः = **प्रमुखः + उत्सवः**

(ग) वनेऽवसत् = **वने + अवसत्**

(घ) लंकाधिपतिः = **लंका + अधिपतिः**

7. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

उत्तरम्– (क) अहनत् = **मारा**

श्रीकृष्णः कंसम् **अहनत्**।

(ख) अलंकरणैः = **अलंकारों से**

जनाः स्व गृहाणि विविधैः **अलङ्करणैः** सज्जी कुर्वन्ति।

(ग) कारागारात् = **जेल से**

सुभाषचन्द्र बोसः **कारागारात्** मुक्तः अभवत्।

(घ) एनम् = **इसे**

एनम् उत्सवं सर्वे जनाः सोल्लासं मानयन्ति।

(ङ) मान्यते = **मनाया जाता है**

श्रीकृष्णस्य जन्मोत्सवः प्रत्येकस्मिन् वर्षे भाद्रपदमासस्य कृष्णपक्षस्य अष्टम्यां तिथौ **मान्यते**।

(च) लिम्पन्ति = **लीपते हैं**

दीपावली उत्सवे सर्वे जनाः गृहाणि सुधया **लिम्पन्ति**।

(छ) खादन्ति = **खाते हैं**

सर्वे बालकाः मिष्टान्नानि **खादन्ति**।

8. **सही वाक्य के सामने ✓ और गलत वाक्य के सामने ✗ का चिह्न लगाइए—**

उत्तरम्– (क) (✓), (ख) (✓), (ग) (✓), (घ) (✓)।

ऋतुराजः

17

अभ्यासः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—**

उत्तरम्– (क) वसन्तऋतु: सर्वश्रेष्ठ: ऋतु: अस्ति अत: एष: ऋतुराज: कथ्यते।

(ख) वसन्तऋतौ प्रकृते: सौन्दर्यं दृष्ट्वा चित्तं प्रसीदति।

(ग) होली–उत्सवे जना: अन्योन्यस्य उपरि रङ्गान् प्रक्षिपन्ति प्रमुदिता: च भूत्वा गायन्ति नृत्यन्ति च।

(घ) अस्माकं सौभाग्यम् अत: यतोहि वयं भारतवासिन: स्म।

2. **निम्नलिखित कथन शुद्ध हैं या अशुद्ध—**

उत्तरम्– (क) अशुद्धम्। (ख) शुद्धम्। (ग) अशुद्धम्। (घ) अशुद्धम्। (ङ) अशुद्धम्।

3. **एक शब्द में उत्तर दीजिए—**

उत्तरम्– (क) सुखावह:। (ख) रमणीया। (ग) षट्। (घ) वसन्तऋतौ। (ङ) वसन्तऋतौ। (च) होली। (छ) मन्दम्।

4. **निम्न तालिका को पूर्ण कीजिए—**

उत्तरम्–

प्रथमा	ऋतु:	**ऋतू**	**ऋतव:**
द्वितीया	गुरुम्	गुरू	**गुरून्**
तृतीया	साधुना	**साधुभ्याम्**	**साधुभि:**
चतुर्थी	शिशवे	**शिशुभ्याम्**	शिशुभ्य:
पञ्चमी	साधो:	साधुभ्याम्	**साधुभ्य:**
षष्ठी	शिशो:	शिशवो:	**शिशूनाम्**
सप्तमी	गुरौ	गुर्वो:	**गुरुषु**
सम्बोधन	हे साधो!	**हे साधू!**	**हे साधव:!**

5. **प्रश्न बनाइए—**

उत्तरम्– (क) पुष्पेषु **के** गुञ्जन्ति? (ख) **क:** पुष्पाणां सौरभम् आवहति?

(ग) पवन: **कथं** वहति? (घ) सर्वत्र **कस्य** वातावरणं भवति?

6. **विपरीतार्थक शब्दों का मिलान कीजिए—**

उत्तरम्– उत्तरायण: — **दक्षिणायण:**

शैत्यम् — **उष्णत्वम्**

बालः	**वृद्धः**
गच्छति	**आगच्छति**
इतः	**ततः**

7. उचित पद के द्वारा वसन्त काल का वर्णन पूरा कीजिए—

उत्तरम्– वसन्तकालः सुखदः भवति। **वसन्त-ऋतौ** प्रकृतिः रमणीया भवति। सर्वत्र चित्रविचित्राणि **कुसुमानि** विकसन्ति। **पुष्पेषु** भ्रमराः गुञ्जन्ति। **पवनः** मन्दं मन्द वहति। उद्यानेषु **जनाः** भ्रमन्ति, बालाः च **आनन्देन** क्रीडन्ति। वसन्त-ऋतुः **ऋतुराजः** कथ्यते।

सुवचनानि 18

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—

उत्तरम्– (क) उदारचरितानां कृते सम्पूर्णा वसुधा कुटुम्बकम् अस्ति।

(ख) मनस्येकम्, वचस्येकम्, कर्मण्येकं महात्मनां कृते अस्ति।

(ग) विद्यार्थी सुखं त्यजेत्।

(घ) ये विद्यया, तपस्या, दानेन, ज्ञानेन, शीलेन, गुणेन धर्मेण च हीनाः भवन्ति ते मनुष्यरूपेण मृत्युलोके भुवि भारभूता भवन्ति।

(ङ) धीराः न्यायात् पथः न प्रविचलन्ति।

2. निम्नलिखित श्लोकों को पूरा कीजिए—

उत्तरम्– (क) अयं निजः **परोवेति गणना लघुचेतसाम्।**
उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्।।

(ख) सुखार्थी वा **त्यजेद् विद्यां विद्यार्थी वा त्यजेत् सुखम्।**
सुखार्थिनः **कुतो विद्या विद्यार्थिनः कुतः सुखम्।।**

(ग) येषां **न विद्या न तपो न दानं ज्ञानं न शीलं न गुणो** न धर्मः।
ते मृत्युलोके भुवि भारभूता मनुष्यरूपेण **मृगाश्चरन्ति**।।

3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम् (क) विद्यार्थिनः सुखं कुतः?

(ख) न कश्चिद् कस्यचित् मित्रम्।

(ग) न कश्चिद् कस्यचिद् शत्रुः।

(घ) व्यवहारेण मित्राणि शत्रवश्च जायन्ते।

(ङ) विद्या सुखस्य विरोधी अस्ति।

4. निम्नलिखित शब्दों के स्त्रीलिंग रूप लिखिए—

उत्तरम्–

बुद्धिमान्	=	**बुद्धिमती**	कुमार:	=	**कुमारी**
प्रधान:	=	**प्रधाना**	गुरु	=	**गुरुआणी**
गुणवान्	=	**गुणवती**	श्रीमान्	=	**श्रीमती**

5. निम्नलिखित श्लोकों का अर्थ लिखिए—

उत्तरम्– अर्थ–

(क) सुख चाहने वाले को या तो विद्या छोड़ देनी चाहिए या विद्या चाहने वाले को सुख छोड़ देना चाहिए। सुख चाहने वाले को विद्या कहाँ और विद्या चाहने वाले को सुख कहाँ।

(ख) यदि नीतिनिपुण लोग निंदा करें अथवा प्रशंसा करें, लक्ष्मी (धन) आए या अपनी इच्छा से चली जाए। आज ही मृत्यु हो अथवा युगों (वर्षों) बाद, किंतु धैर्यवान लोग न्याय के पथ से एक पग विचलित नहीं होते।

(ग) जिनकी न विद्या है, न तप है, न दान है, न ज्ञान है, न शील (आचरण) है, न गुण है, न धर्म है, वे इस मृत्युलोक में धरती पर मनुष्यरूप में भार होकर पशुवत् जीवन बिताते हैं।

6. हिंदी में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) उदार हृदय वालों के लिए तो संपूर्ण वसुधा ही परिवार है।

(ख) जिनके पास न विद्या है, न तप है, न दान है।

(ग) मध्यम लोग कार्य को प्रारंभ करके विघ्न पड़ जाने के भय से बीच में ही छोड़ देते हैं।

(घ) नीतिकुशल लोग निंदा करें अथवा प्रशंसा।

(ङ) धीरपुरुष न्याय के पथ से एक पग भी विचलित नहीं होते हैं।

7. निम्नलिखित शब्दों का मिलान कीजिए—

उत्तरम्–

(क)	उदारं चरितं येषां ते	**उदारचरिता:**
(ख)	महान् आत्मा येषां ते	**महात्मन:**
(ग)	य: सुखम् एव इच्छति	**सुखार्थी**
(घ)	त्यागं कुर्वन्ति	**परित्यजन्ति**
(ङ)	यथा इच्छा तथा	**यथेष्टम्**
(च)	यत्र प्राणिन: वसन्ति	**मृत्युलोक:**

8. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए और वाक्य बनाइए—

उत्तरम्– (क) निज: = **अपना**

अयं **निज:** तत् परेषाम् इति लघुचेतसां विचार:।

(ख) महात्मनाम् = **महात्माओं का**
अस्माभि: सदा **महात्मनां** सङ्ग: करणीय:।
(ग) भुवि = **धरती पर**
अस्यां **भुवि** विविधा: प्राणिन: निवसन्ति स्म।
(घ) सुखार्थी = **सुख चाहने वाला**
सुखार्थी विद्यया वञ्चित: भवति।
(ङ) विद्यार्थी = **विद्या चाहने वाला**
य: **विद्यार्थी** भवति स: सुखानि न इच्छति।
(च) प्रारभ्य = **प्रारंभ करके**
नरेश: कार्यं **प्रारभ्य** कुत्र: गत:?

भारतवर्षस्य आत्मा-ग्राम: 19

अभ्यास:

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—

उत्तरम्– (क) भारतस्य आत्मा ग्राम: अस्ति।
(ख) ग्रामवासिनाम् आजीविकाया: आधार: कृषिकार्यम् अस्ति।
(ग) ग्रामे संयुक्त परिवारव्यवस्था भवति।
(घ) ग्रामस्य वातावरणम् अत्यन्तं सुरम्यं भवति।
(ङ) समिति: ग्रामस्य समग्र विकासाय कार्यं करोति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) भारतस्य **70%** जना: ग्रामे वसन्ति।
(ख) वर्तमाने कृषका: **पारम्परिक आधुनिक साधनै:** कृषिकार्यं कुर्वन्ति।
(ग) ग्रामस्य वातावरणम् **अत्यन्त सुरम्यं** भवति।
(घ) तडाग:, कूप:, नदी इत्यादय: जलस्य **पारम्परिक स्त्रोतांसि** भवन्ति।
(ङ) समिति: ग्रामस्य **समग्र विकासाय** कार्यं करोति।

3. निर्देशानुसार कोष्ठक में दिए शब्दों के तीनों वचनों में रूप लिखिए—

उत्तरम्– (क) भारत: = **भारतस्य भारतयो: भारतानाम्**
(ख) स: = **तेन ताभ्याम् तै:**
(ग) गृहम् = **गृहे गृहयो: गृहेषु**
(घ) परोपकार: = **परोपकाराय परोपकाराभ्याम् परोपकारेभ्य:**
(ङ) विद्यालय: = **विद्यालयम् विद्यालयौ विद्यालयान्**

4. हिंदी में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) उनके जीवन में यह घटना अनपेक्षित थी।

(ख) शहरों में बड़े घर होते हैं।

(ग) आजकल शहर में प्रदूषण की समस्या दिखाई देती है।

(घ) बगिया के चारों ओर लताएँ और फूल हैं।

(ङ) प्रकृति के स्वभाव के विपरीत आचरण नहीं करना चाहिए।

5. निम्नलिखित शब्दों से उपसर्ग अलग करके लिखिए—

उत्तरम्–

आजीविका	=	**आ + जीविका**	संलग्न:	=	**सं + लग्न:**
संयुक्त:	=	**सम् + युक्त:**	सुरम्यम्	=	**सु + रम्यम्**
प्रकृति:	=	**प्र + कृति:**	दुराग्रह:	=	**दुर् + आग्रह:**

6. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति और वचन लिखिए—

उत्तरम्–

	शब्द:		**विभक्ति:**	**वचनम्**
(क)	गृहे	=	**सप्तमी**	**एकवचनम्**
(ख)	प्रकृत्या:	=	**षष्ठी**	**एकवचनम्**
(ग)	साधनै:	=	**तृतीया**	**बहुवचनम्**
(घ)	सत्काराय	=	**चतुर्थी**	**एकवचनम्**
(ङ)	ग्रामम्	=	**द्वितीया**	**एकवचनम्**
(च)	विकासाय	=	**चतुर्थी**	**एकवचनम्**

7. चित्रों को देखकर वाक्य लिखिए—

उत्तरम्– (क) सिंह: गुहायां तिष्ठति।

(ख) दाडिमं रक्तवर्धकं भवति।

(ग) शुक: शाखायाम् उपविष्ट: अस्ति।

सत्यस्य सुफलम् 20

अभ्यास:

1. निम्नलिखित प्रश्नों के संस्कृत में उत्तर दीजिए—

उत्तरम्– (क) काष्ठिक: काष्ठवस्तूनि निर्माप्य तानि विक्रीय च धनम् अर्जयति स्म।

(ख) काष्ठिकस्य कुठार: सरोवरस्य जले अपतत्।

(ग) तस्य विलापं श्रुत्वा सरोवरस्य देवी आविर्भवति।

(घ) देवी काष्ठिकस्य सत्यवादितया प्रीता अभवत्।

(ङ) त्रयोऽपि कुठारान् लब्ध्वा काष्ठिक: सुखी अभवत्।

2. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए शब्दों में तृतीया विभक्ति का प्रयोग करके वाक्यों को भरिए—

उत्तरम्– (क) श्रमेण अलम्। (ख) **कोलाहलेन** अलम्।
(ग) **कलहेन** अलम्। (घ) **वार्तया** अलम्।
(ङ) **विलापेन** अलम्।

3. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

उत्तरम्– (क) जलदेवी काष्ठिकस्य सत्यवादितया **प्रीता** अभवत्।
(ख) परिश्रमशील: सदा **सुखी** तिष्ठति।
(ग) आखेटक: मृगयायै **वनं** प्रति प्रस्थित:।
(घ) **वृक्षाः** पर्यावरणं शोधयन्ति।
(ङ) काष्ठिकस्य **कुठारः** सरोवरे अपतत्।

4. रंगीन शब्दों को आधार मानकर प्रश्न बनाइए—

उत्तरम्– (क) काष्ठिक: **कुत्र** अगच्छत्?
(ख) **कस्य** परिसरे विविधा: वृक्षा: आसन्?
(ग) सा **केन** सह जलात् बहि: आगच्छति?
(घ) **कान्** प्राप्य स: सुखी अभवत्?
(ङ) देवी **कस्मात्** बहि: आगच्छति?

5. निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए—

उत्तरम्–

(क)	क: + चित्	=	**कश्चित्**
(ख)	आवि: + भवति	=	**आविर्भवति**
(ग)	इति + उक्त्वा	=	**इत्युक्त्वा**
(घ)	सत्यम् + एव	=	**सत्यमेव**

6. विशेष्य-विशेषण का मिलान कीजिए—

उत्तरम्–

गहनम्	**वनम्**
रम्य:	**सरोवरः**
लौहमय:	**कुठारः**
प्रसन्ना	**देवी**
विविधा:	**वृक्षाः**

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के संस्कृत में उत्तर दीजिए—

उत्तरम्– (क) नृपस्य सचिवाः राजभक्ताः आसन्।

(ख) नृपः बुद्धिदेवश्च दस्युभिः गृहीतौ।

(ग) नृपस्य छिन्नाम् अङ्गुलीं दृष्ट्वा दस्युराजः अवदत् यत् रे मूर्खाः! मम देवी अङ्गहीनस्य बलिं न वाञ्छति अतः एनमपि त्यजत।

(घ) बुद्धिदेवस्य पुत्रहीनत्वात् दस्युराजः तस्य बलिं नाददात्।

(ङ) नृपस्य अङ्गुली छिन्ना आसीत् अतः सः बलिकार्याय अनुपयुक्तः आसीत्।

2. रंगीन पदों को आधार मानकर प्रश्न बनाइए—

उत्तरम्– (क) **कस्य** बहवः सचिवाः आसन्? (ख) अन्ये मन्त्रिणः **किं** कृतवन्तः?

(ग) **केन** शोभनं न कृतम्? (घ) नृपः **कस्यार्थं** वनं गतवान्?

(ङ) अधुना **किं** पूर्णं भविष्यति?

3. उदाहरण के अनुसार निम्नलिखित वाक्यों में सर्वनाम शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है—

उत्तरम्– (क) **बुद्धिदेवाय** (ख) **बुद्धिदेवाय** (ग) **राज्ञः कृते**

(घ) **दस्युराजाय** (ङ) **नृपबुद्धिदेवाभ्याम्**

4. 'क' स्तंभ में दिए गए विशेषणों को 'ख' स्तंभ में दिए गए शब्दों से मिलाइए—

उत्तरम्–

क	ख
छिन्ना	**अङ्गुली**
शान्ता	**पीडा**
राजभक्ताः	**सचिवाः**
सन्तुष्टा	**प्रजा**
क्रुद्धः	**दस्युराजः**

5. उदाहरण के अनुसार रूप बदलकर वाक्य दोबारा लिखिए—

उत्तरम्– (क) नृपः बुद्धिदेवम् अपृच्छत्।

(ख) राजा आखेटाय वनम् अगच्छत्।

(ग) दस्युराजः सेवकान् अकथयत्।

(घ) बुद्धिदेवः उत्तरम् अयच्छत्।

(ङ) दस्युराजः बन्दिनम् आनयत्।

(च) दस्युः तौ मुक्तौ अकरोत्।

6. निम्नलिखित वाक्यों को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए—

उत्तरम्– (क) एक: नृप: स्नेहेन प्रजां पालयति स्म।
(ख) तस्य बुद्धिदेव: नाम्न: सचिव: आसीत्।
(ग) स: सर्वदा कथयति स्म—"ईश्वर: यत् करोति तत् शोभनम् एव करोति।"
(घ) बुद्धिदेवस्य पुत्र: मृत: नृपस्य च अङ्गुली छिन्ना जाता।
(ङ) एकदा नृप: सचिवश्च आखेटाय वनं गतवन्तौ।
(च) तत्र तौ दस्युभि: बलिकार्याय गृहीतौ।
(छ) दस्युराज: अकथयत्—"पुत्रहीनतया सचिव: बलिकार्याय अनुपयुक्त:।"
(ज) राजा च अङ्गहीनतया बलिकार्याय अनुपयुक्त:।
(झ) राजा अकथयत्—"त्वं सत्यं वदसि, ईश्वर: यत् करोति तत् शोभनम् एव करोति।"
(ञ) उभौ तत: पलायितौ।

7. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) नृप: **प्रजावत्सल:** आसीत्।
(ख) तस्य बहव: **सचिवा:** आसन्।
(ग) ईश्वर: यत् **करोति** तत् **शोभनम्** एव करोति।
(घ) स: एकान्ते तम् **आहूतवान्**।
(ङ) वने तौ **दस्युभि: गृहीतौ** दस्युराजस्य **समीपे** च नीतवन्तौ।
(च) सेवका: **नृपम्** अपि **दस्युराजस्य** समक्षं नीतवन्त:।
(छ) तेन **मुक्तौ** उभौ तत: **पलायितौ**।

8. निम्नलिखित वाक्यों में से सर्वनाम शब्दों को छाँटकर लिखिए–

उत्तरम्– (क) स:। (ख) तेन, सर्वा। (ग) ते, सर्वे। (घ) स: तम्। (ङ) तौ। (च) मम।

9. संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) राज्ञ: बहव: सचिवा: आसन्।
(ख) एकस्मिन् दिने तस्य पुत्र: मृत:।
(ग) राज्ञ: एका अङ्गुलि छिन्ना।
(घ) राज्ञा स्व मन्त्रिणा सह आखेटाय अगच्छत्।
(ङ) दस्युना परित्यक्तौ तौ तत: पलायितौ।

व्याकरण-विभाग: 22

अभ्यास:

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

गीता-ज्ञानम्

1

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के संस्कृत में उत्तर दीजिए—

उत्तरम्– (क) नहि, कश्चित् अपि अकर्मण्य: न तिष्ठति।

(ख) य: इन्द्रियाणि संयम्योऽपि विषयाणां निरन्तरं चिन्तनं करोति, स मिथ्याचार: उच्यते।

(ग) य: मनुष्य: इन्द्रियाणि वशीकृत्य विषयान् प्रति अनासक्तो भूत: कर्म करोति स एव विशिष्ट: श्रेष्ठ: वा।

(घ) शास्त्रनिर्दिष्टानि कर्माणि कुर्वन् शरीरयात्रा सिद्धयति।

(ङ) भूतानि अन्नाद् भवन्ति।

(च) परमेश्वर: यज्ञे प्रतिष्ठित:।

(छ) य: स्व कर्तव्यानां पालनं न करोति अन्यच्च इन्द्रियाणां वशे भूत्वा-विषयेषु रमन् तिष्ठति स व्यर्थं जीवति।

2. श्लोकों को पूरा कीजिए—

उत्तरम्– (क) न हि **कश्चित् क्षणमपि जातु तिष्ठत्यकर्मकृत्**।
कार्यते ह्यवशः कर्म **सर्वः प्रकृतिजैर्गुणैः**।।

(ख) **यस्त्विन्द्रियाणि** मनसा **नियम्यारभतेऽर्जुन**।
कर्मेन्द्रियैः **कर्मयोगमसक्तः स** विशिष्यते।।

(ग) अन्नाद् **भवन्ति भूतानि पर्जन्यादन्न**सम्भवः।
यज्ञाद् **भवति पर्जन्यो** यज्ञः **कर्मसमुद्भवः**।।

(घ) **एवं प्रवर्तितं** चक्रं **नानुवर्तयतीह** यः।
अघायुरिन्द्रियारामो मोघं **पार्थ स जीवति**।।

3. संधि-विच्छेद कीजिए—

उत्तरम्– (क) क्षणमपि = **क्षणम् + अपि**

(ख) तिष्ठत्यकर्मकृत् = **तिष्ठति + अकर्मकृत्**

(ग) कर्मेन्द्रियाणि = **कर्म + इन्द्रियाणि**

(घ) मिथ्याचार: = **मिथ्या + आचार:**

(ङ) नियम्यारभते = **नियम्य + आरभते**

(च) ह्यकर्मण: = **हि + अकर्मण:**

4. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए और वाक्य बनाइए—

उत्तरम्– (क) स्मरन् = **याद करते हुए**

रोहित: पाठं **स्मरन्** शयित:।

(ख) संयम्य = **संयम करके**

स्वेन्द्रियाणि **संयम्य** जीवनम् उन्नयत।

(ग) आरभते = **शुरू करता है**

अभिमन्यु: वीरतापूर्वकं युद्धम् **आरभते**।

(घ) ज्याय: = **श्रेष्ठ**

रक्षक: भक्षकात् **ज्यायो** भवति।

(ङ) समाचर = **आचरण करो**

विषयेषु अनासक्तो भूय कर्माणि **समाचर**।

(च) पर्जन्याद् = **बादल से**

पर्जन्याद् अन्नानि उद्‌भवन्ति।

(छ) विद्धि = **जानो**

परमेशवरस्य स्वरूपं **विद्धि**।

5. वर्तनी सही कीजिए—

उत्तरम्–

कार्‌यते	=	**कार्यते**	आश्ते	=	**आसते**
वीशीस्यते	=	**विशिष्यते**	नीयतम्	=	**नियतम्**
भुतानी	=	**भूतानि**	परजनयाद्	=	**पर्जन्याद्**
ब्‌रहम्	=	**ब्रह्म**	परवर्तीतम्	=	**प्रवर्तितम्**

6. संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) सर्वे जना: स्व स्व कर्मषु संलग्ना: तिष्ठन्ति।

(ख) वयं मनसा, वाचा कर्मणा च एकैव भवेम।

(ग) विषयासक्त: मनुष्य: जीवने उन्नतिं न कर्तुं शक्नोति।

(घ) वयं शास्त्रविहितं कर्म कुर्वन् तिष्ठेम।

(ङ) वृष्टि: यज्ञाद् भवति।

(च) वेदा: परमेश्वरप्रदत्ता: सन्ति।

7. निम्नलिखित पदों के लिंग, वचन और कारक लिखिए—

उत्तरम्–

	पदम्		लिङ्गम्	वचनम्	कारकम्
(क)	गुणैः	=	**पुंल्लिङ्गम्**	**बहुवचनम्**	**करण**
(ख)	मनसा	=	**नपुंसकलिङ्गम्**	**एकवचनम्**	**करण**
(ग)	कर्म	=	**नपुंसकलिङ्गम्**	**एकवचनम्**	**कर्ता, कर्म**
(घ)	अन्नाद्	=	**नपुंसकलिङ्गम्**	**एकवचनम्**	**अपादान**
(ङ)	यज्ञे	=	**पुंल्लिङ्गम्**	**एकवचनम्**	**अधिकरण**
(च)	चक्रम्	=	**पुंल्लिङ्गम्**	**एकवचनम्**	**कर्ता, कर्म**

8. निम्नलिखित पदों की धातुएँ लिखिए—

उत्तरम्–

तिष्ठति	=	**स्था, तिष्ठ्**	कार्यते	=	**कृ**
स्मरन्	=	**स्मृ**	आरभते	=	**आरभ्**
कुरु	=	**कृ**	आचर	=	**आचर्**
भवति	=	**भू**	जीवति	=	**जीव्**

तुलसी-महिमा 2

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के संस्कृत में उत्तर दीजिए—

उत्तरम्– (क) तुलसीपादपे असङ्ख्यकाः गुणाः सन्ति।

(ख) तुलस्याः काष्ठं पत्राणि च स्वास्थ्यकारिणी, रोगरोधकानि आयुष्य वर्धकानि च विद्यन्ते।

(ग) यस्य गृहे तुलसीकाननं भवति, तत्र यमकिङ्कराः नायान्ति।

(घ) विष्णुकान्ता, केशवप्रिया, विष्णुप्रिया वृन्दा च तुलस्याः अन्यानि नामानि सन्ति।

(ङ) श्रीकृष्णस्य लीलाक्षेत्रे वृन्दावने सर्वत्र वृन्दायाः एव पादपाः आसन् अतएव वृन्दावनं नाम सार्थकम्।

(च) यदा तुलसी पत्रैः क्वाथः निर्मीय औषधरूपेण नीयते तदा तुलसी कासस्य उपचारं करोति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) तुलसीपादपे **असङ्ख्यकाः** गुणाः सन्ति।

(ख) तुलसी तु **भगवतः विष्णोः** प्रिया सहचरी।

(ग) वैष्णवभक्ता: **श्रद्धापूर्वकं तुलसीमालां कण्ठे** धारयन्ति।

(घ) तुलसीं **वृन्दा** अपि कथ्यते।

(ङ) **तुलसीपत्राणां सेवनं** हृदयरोगे लाभकारी भवति।

(च) भारतीयै: तुलसीं **देवी** पदे प्रतिष्ठिता सुपूजिता च।

3. सही वाक्य के सामने ✓ का और गलत वाक्य के सामने ✗ का चिह्न लगाइए—

उत्तरम्– (क) (✓), (ख) (✗), (ग) (✗), (घ) (✓), (ङ) (✗)।

4. निम्नलिखित शब्दों को उनके समानार्थी शब्दों से मिलाइए—

उत्तरम्–

(क)	यमकिङ्करा:	• **यमदूता:**
(ख)	विष्णु:	• **हरि:**
(ग)	गरीयसी	• **श्रेष्ठा**
(घ)	वृन्दा	• **तुलसी**
(ङ)	लाभकारी	• **लाभप्रद:**

5. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

उत्तरम्– (क) तुलसीपादप: प्रत्येके गृहे **सुलभ**: अस्ति।

(ख) **सर्वासु** वनस्पतिषु तुलसीपादप: अत्युत्तम: अस्ति।

(ग) निम्बवृक्षस्य पत्राणि **रोगरोधकानि** भवन्ति।

(घ) बहव: हिन्दव: तुलसीकाष्ठै: निर्मिता: माला **कण्ठे** धारयन्ति।

(ङ) अस्या: पत्राणां **सेवनम्** अति लाभप्रदम् अस्ति।

6. उचित शब्द-रूप से रिक्त स्थान पूरे कीजिए—

उत्तरम्–

			एकवचनम्	**द्विवचनम्**	**बहुवचनम्**
(क)	देवी	(प्रथमा)	**देवी**	देव्यौ	**देव्य:**
(ख)	बाला	(द्वितीया)	बालाम्	**बाले**	बाला:
(ग)	तुलसी	(तृतीया)	**तुलस्या**	तुलसीभ्याम्	तुलसीभि:
(घ)	मालिनी	(चतुर्थी)	मालिन्यै	मालिनीभ्याम्	**मालिनिभ्य:**
(ङ)	लता	(पञ्चमी)	**लताया:**	**लताभ्याम्**	लताभ्य:
(च)	नदी	(षष्ठी)	नद्या:	**नद्यो:**	**नदीनाम्**
(छ)	गौरी	(सप्तमी)	गौर्याम्	**गौर्यो:**	गौरीषु
(ज)	वृन्दा	(सम्बोधनम)	**हे वृन्दे!**	हे वृन्दे!	हे वृन्दा!

7. **वर्ण-विच्छेद कीजिए—**

उत्तरम्– (क) तुलसी = **त् + उ + ल् + अ + स् + ई**

(ख) सहचरी = **स् + अ + ह् + अ + च् + अ + र् + ई**

(ग) वृन्दा = **व् + ऋ + न् + द् + आ**

(घ) जम्बीरम् = **ज् + अ + म् + ब् + ई + र् + अ + म्**

(ङ) सुपूज्या = **स् + उ + प् + ऊ + ज् + य + आ**

8. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए—**

उत्तरम्– (क) भारतदेशे विविधा: वनस्पतय: उपलभ्यन्ते।

(ख) तुलसीपादपे अनेके गुणा: विद्यन्ते।

(ग) तुलसीम् अन्यै: नामभि: ज्ञायते।

(घ) तुलस्या: पत्राणां सेवनम् अति लाभकारी अस्ति।

(ङ) सर्वगुणसम्पन्नायै तुलस्यै नम:।

9. **निम्नलिखित शब्दों के कारक लिखिए—**

उत्तरम्–

वनस्पतिषु	= **अधिकरण कारकम्**	पत्राणि	= **कर्ता, कर्म**
पादपानाम्	= **सम्बन्ध भाव:**	नामभि:	= **करण कारकम्**
रोगान्	= **कर्म कारकम्**	वेलायाम्	= **अधिकरण कारकम्**
तुलस्यै	= **सम्प्रदान कारकम्**	वदनस्य	= **सम्बन्ध भाव:**

समयस्य महत्त्वम् 3

अभ्यासः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के संस्कृत में उत्तर दीजिए—**

उत्तरम्– (क) संसारे मानवजीवनं दुर्लभम्।

(ख) मानवजीवने समयस्य बहु महत्त्वं वर्तते।

(ग) समय: कस्यापि प्रतीक्षां न करोति।

(घ) केचन जना: स्व समयं द्यूते, कलहे चाटुकारितायां च यापयन्ति।

(ङ) कदानि केनापि समयस्य दुरुपयोग: न कर्तव्य: इत्येतां शिक्षां ददाति प्रकृति:।

(च) जीवनस्य साफल्यार्थं समस्य सदुपयोग एव अत्यावश्यकम्।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—**

उत्तरम्– (क) मानवजीवने **समस्य बहु** महत्त्वं वर्तते।

(ख) यस्य **आयुषः** यः अंशः **निरर्थकं** गतः सः **गतः** एव।

(ग) समयः कस्यापि **प्रतीक्षां** न करोति।

(घ) अतस्ते **रुग्णाः** भवन्ति।

(ङ) कर्मवीराः सर्वत्र **श्रेष्ठपदं** लभन्ते।

(च) समयस्य सदुपयोगः **मानवानां** कल्याणाय भवति।

3. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति, वचन और लिंग लिखिए—

उत्तरम्–

	शब्दः		विभक्तिः	वचनम्	लिङ्गम्
(क)	उपायेन	=	**तृतीया**	**एकवचनम्**	**पुंल्लिङ्गम्**
(ख)	छात्राणाम्	=	**षष्ठी**	**बहुवचनम्**	**पुंल्लिङ्गम्**
(ग)	रुग्णाः	=	**प्रथमा**	**बहुवचनम्**	**पुंल्लिङ्गम्**
(घ)	सफलतायाः	=	**पञ्चमी, षष्ठी**	**एकवचनम्**	**स्त्रीलिङ्गम्**
(ङ)	संसारे	=	**सप्तमी**	**एकवचनम्**	**पुंल्लिङ्गम्**
(च)	कल्याणाय	=	**चतुर्थी**	**एकवचनम्**	**पुंल्लिङ्गम्**

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) यः समयस्य सदुपयोगः करोति, सः जीवने सफलः भवति।

(ख) मानवजीवनं प्राप्य अपि वयं समयस्य महत्तां न जानीमः।

(ग) ध्यातव्यं यत् समयः कस्यापि प्रतीक्षां न करोति।

(घ) समयस्य सदुपयोग एव उन्नतेः साधनम् अस्ति।

(ङ) कर्मवीरा एव उच्चं पदं प्राप्नुवन्ति।

5. संधि कीजिए—

उत्तरम्– (क) दुर् + उपयोगः = **दुरुपयोगः**

(ख) पुनः + अपि = **पुनरपि**

(ग) मया + अपि = **मयाऽपि**

(घ) वृथा + एव = **वृथैव**

(ङ) इतः + ततः = **इतस्ततः**

(च) सुखेन + एव = **सुखेनैव**

6. निम्नलिखित वाक्यों में दी गई क्रियाओं को रेखांकित कीजिए—

उत्तरम्– (क) मानवजन्म <u>गृहीत्वा</u> अपि वयं समयस्य महत्त्वं न <u>जानीमः</u>।

(ख) समयः पुनः <u>लब्धुं</u> न <u>शक्यते</u>।

(ग) ते स्वसमयं वृथा <u>यापयन्ति</u>।

(घ) कर्मवीराः सर्वत्र श्रेष्ठपदं लभन्ते।

(ङ) समयस्य सदुपयोगः मानवानां कल्याणाय भवति।

स्वामी दयानन्दः 4

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—

उत्तरम्– (क) महर्षि दयानन्दस्य जन्म गुर्जरप्रान्तस्य टङ्कारानगरे 1824 ईवीये वर्षे अभवत्।

(ख) शिवरात्रिव्रतकाले दयानन्दः निशीथे अद्राक्षीत् यत् एकः मूषकः शिवोत्तमाङ्गम् आसाद्य नैवेद्यम् अश्नते स्म।

(ग) स्वभगिन्याः पितृव्यस्य च निधनं विलोक्य दयानन्दं वैराग्यम् उद्भूतम्।

(घ) मूलशंकरः संन्यासं गृहीत्वा स्वामी दयानन्द इति नामाख्या जगाम।

(ङ) काशीस्थैर्विद्वद्भिः सह दयानन्दस्य शास्त्रार्थः 'मूर्तिपूजा वेदविरुद्धा' इति विषये काश्यां 10 नवम्बर, 1869 ईसवीये अभवत्।

(च) महर्षि दयानन्दाय विषं तस्य पाचकः जगन्नाथः नन्हीं नाम्न्याः वेश्यायाः वशे भूत्वा अददत्।

(छ) महर्षिः दयानन्दः 30 अक्टूबर, 1833 ईसवीये मङ्गलवासरे दीपावली पर्वणि शरीरम् अत्यजत्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) शास्त्रविधिम् अनुसृत्य जनकोऽस्य दशमेऽनि **मूलशंकर** इति नामधेयम् अकरोत्।

(ख) शिवरात्रि व्रतकाले सः निशीथे शिवोत्तमाङ्गम् आसाद्य नैवेद्यम् अश्नन्तं **मूषकमेकम्** अद्राक्षीत्।

(ग) सः गृहं पितरौ च परित्यज्य **वनमगात्।**

(घ) पूर्णानन्दयतेः संन्यासं गृहीत्वा **दयानन्द** इत्याख्या जगाम।

(ङ) **भारतवर्षस्य** विभिन्नप्रदेशेषु प्रचारादिविधिना वैदिकधर्मसिद्धान्तान् प्रासारयत्।

(च) जगन्नाथ नाम्नः पाचकः महर्षि दयानन्दाय दुग्धे **विषं सम्मिश्रयैन्** प्रादात्।

3. निम्नलिखित शब्दों की वाक्य-रचना संस्कृत में कीजिए—

उत्तरम्– (क) मोक्षवाप्तिः = स्वामी दयानन्दः **मोक्षवाप्तिः** हेतोः तपः अकरोत्।

(ख) अनवेष्टुम् = माता स्व बालकम् **अन्वेष्टुम्** इतस्तत: अभ्रमत्।

(ग) पितरौ = मम **पितरौ** अद्य हिमाचलप्रदेशं यास्यत:।

(घ) परित्यज्य = स्वामी दयानन्द: गृहं **परित्यज्य** सत्यं शिवम् अन्वेष्टुं निर्गत:।

(ङ) पाचक: = स: पाचक: स्वादिष्टं भोजनं **पचति**।

4. निम्नलिखित शब्द-रूपों के लिङ्ग, विभक्ति और वचन लिखिए—

उत्तरम्–

	शब्दरूपम्		लिङ्गम्	विभक्ति:	वचनम्
(क)	भुवने	=	**नपुंसकलिङ्गम्**	**सप्तमी**	**एकवचनम्**
(ख)	समाचारपत्रै:	=	**नपुंसकलिङ्गम्**	**तृतीया**	**बहुवचनम्**
(ग)	पितरम्	=	**पुंल्लिङ्गम्**	**द्वितीया**	**एकवचनम्**
(घ)	शास्त्राणि	=	**नपुंसकलिङ्गम्**	**द्वितीया**	**बहुवचनम्**
(ङ)	काश्याम्	=	**स्त्रीलिङ्गम्**	**सप्तमी**	**एकवचनम्**

5. निम्नलिखित शब्दों से उपसर्ग अलग कीजिए—

उत्तरम्–

(क)	उद्वेलित:	=	**उत्**	**वेलित:**
(ख)	उद्भूत:	=	**उत्**	**भूत:**
(ग)	समादिशत्	=	**सम्**	**आदिशत्**
(घ)	समुद्धर	=	**सम्**	**उद्धर**
(ङ)	सम्मेल्य	=	**सम्**	**मेल्य**

6. संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) स्वामी दयानन्दसरस्वते: जन्म गुर्जरप्रान्तस्य टङ्कारानगरे अभवत्।

(ख) अस्य मातु: नाम रुक्मणीदेवी पितुश्च नाम कर्षण तिवारी आसीत्।

(ग) महर्षे: दयानन्दस्य बाल्यकालस्य नाम मूलशङ्कर: आसीत्।

(घ) अयं मूर्तिपूजाया: विरोध: करोति स्म।

(ङ) 12 अप्रैल, 1875 ईसवीये अयं मुम्वापुर्यां आर्यसमाजस्य स्थापनाम् अकरोत्।

(च) दीपावली पर्वणि महर्षि दयानन्द: इदं भौतिकं शरीरं विहाय अगच्छत्।

7. मिलान कीजिए—

उत्तरम्–

(क)	गृहे	• **आवासे**
(ख)	अद्राक्षीत्	• **अपश्यत्**
(ग)	जनकोऽस्य	• **तातोऽस्य**

(घ) काश्याम् • **वाराणस्याम्**
(ङ) मूर्तिपूजा • **प्रतिमार्चना**
(च) विहाय • **त्यक्त्वा**

गणतन्त्र दिवसः 5

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—

उत्तरम्– (क) गणतन्त्र दिवसः प्रतिवर्षं जनवरीमासस्य षड्विंशति तिथौ मान्यते।
(ख) लक्षशः जनाः भारतद्वारे एकत्रिताः भवन्ति।
(ग) जलसेनाथलसेनावायुसेनानां सेनापतयः राष्ट्रपतिम् अभिनन्दन्ति।
(घ) जनाः राष्ट्रस्य विविधेभ्यः भागेभ्यः आगतान् गजारूढान् वीरबालकान् अभिनन्दन्ति।
(ङ) रात्रौ राष्ट्रपतिभवने, संसदभवने राजकीयभवनेषु च विद्युद्दीपाः प्रज्वलन्ति।

2. निम्नलिखित विशेष्य पदों के विशेषण लिखिए—

उत्तरम्– (क) **नूतन** संविधानस्य
(ख) **नानाविधानि** युद्धोपकरणानि
(ग) **चिरकालायाः** पराधीनतायाः
(घ) **गजारूढान्** बालकान्
(ङ) **स्वकीया** शासनप्रणाली

3. भिन्न प्रकृति शब्द को चुनकर लिखिए—

उत्तरम्– (क) गान्धीजयन्ती। (ख) चेन्नईनगरम्। (ग) अवकाशेषु।
(घ) राजद्वारम्। (ङ) चतुरङ्गिणीसेना।

4. एक शब्द में उत्तर दीजिए—

उत्तरम् (क) भारतदेशः। (ख) देहली। (ग) गणतन्त्रोत्सवम्।
(घ) सहस्रघ्नीनाम्। (ङ) पुष्पाणि। (च) उल्लासान्।

5. निम्नलिखित का मिलान कीजिए—

उत्तरम् (क) अगस्तमासस्य पञ्चदश तारिका • **स्वतन्त्रतादिवसः**
(ख) जनवरीमासस्य षड्विंशतिः तारिका • **गणतन्त्रदिवसः**
(ग) अप्रैलमासस्य चतुर्दश तारिका • **अम्बेडकरजयन्ती**
(घ) अक्टूबरमासस्य द्वितारिका • **गान्धीजयन्ती**

(ङ) सितम्बरमासस्य पञ्च तारिका • **अध्यापकदिवसः**

(च) नवम्बरमासस्य चतुर्दश तारिका • **बालदिवसः**

6. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

उत्तरम्– (क) समागच्छन्ति — गणतन्त्र दिवसं द्रष्टुं जनाः देहल्यां **समागच्छन्ति**।

(ख) समुपस्थापयन्ति — रात्रौ राष्ट्रपतिभवन आदिषु विद्युद्दीपैः मनोहारिदृश्यं **समुपस्थापयन्ति**।

(ग) सम्मान्यते — भारतीय सेनाभिः राष्ट्रपतिः **सम्मान्यते**।

(घ) अभिनन्दन्ति — जनाः धर्मगुरुम् **अभिनन्दन्ति**।

(ङ) अवगमिष्यसि — किं त्वम् इमं श्लोकम् **अवगमिष्यसि?**

(च) अनुभवन्ति — गणतन्त्रोत्सवे जनाः हर्षोल्लासम् **अनुभवन्ति**।

7. शुद्ध उत्तर चुनकर लिखिए—

उत्तरम्– (क) 1950 तमे वर्षे (ख) गणतन्त्रम् (ग) जनतायाः प्रतिनिधयः

(घ) राष्ट्रियम् (ङ) भारतद्वारे

8. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) मयूरः अस्माकं **राष्ट्रपक्षी** अस्ति।

(ख) त्रिमुखसिंहः **राष्ट्रचिह्नरूपेण** मन्यते।

(ग) प्रधानमन्त्री **रक्तदुर्गात्** जनान् सम्बोधयति।

(घ) कमलम् अस्माकं **राष्ट्रपुष्पम्** अस्ति।

(ङ) भारतस्य **राष्ट्रध्वजे** त्रयः वर्णाः सन्ति।

9. संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) अस्माकं देशे के के उत्सवाः भवन्ति?

(ख) सतत् सङ्घर्षोपरान्तं भारतदेशः स्वतन्त्रः अभवत्।

(ग) 26 जनवरी इति मासे गणतन्त्र दिवसः मान्यते।

(घ) भारतद्वारे जनाः एकत्रिताः भवन्ति।

(ङ) जनाः वीरनां बालकानां प्रशंसा कुर्वन्ति।

सुवचनानि 6

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—

उत्तरम्– (क) पयोदानां स्थितिः उच्चैः भवति।

(ख) सज्जन: शान्तिम् आप्नुयात्।

(ग) सत्सङ्गति: जनानां धिय: जाड्यं हरति, वाचि सत्यं सिञ्चति, मानम् उन्नयन् दिशति कीर्तिं च दिक्षु तनोति।

(घ) नीचै: विघ्नभयेन न प्रारभ्यते।

2. मञ्जूषा (बॉक्स) से उचित शब्द द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) दानात् गौरवं प्राप्यते न तु **वित्तस्य** सञ्चयात्।

(ख) **मुनिवरा:** कन्दै:फलै: कालं क्षपयन्ति।

(ग) सत्संगति: **कीर्तिं** दिक्षु तनोति।

(घ) पुरुषस्य परं निधानं **सन्तोष** एव भवति।

3. एक शब्द में उत्तर दीजिए—

उत्तरम्– (क) विद्याम्। (ख) गौरवम्। (ग) शान्त:। (घ) शुष्कतृणै:।

4. निम्नलिखित वाक्यों को भविष्यत् काल में बदलिए—

उत्तरम्– (क) विद्यार्थी सुखं त्यक्ष्यति।

(ख) पयोधीनां स्थिति: अध: भविष्यति।

(ग) तौ बुद्धिमन्तौ भविष्यताम्।

(घ) ते शतवर्षाणि जीविष्यन्ति।

(ङ) वयम् आपणं गमिष्याम:।

5. निम्नलिखित श्लोकों का हिंदी में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– अनुवाद—

(क) कोई भी मनुष्य सम्मान दान करने से प्राप्त करता है न कि धन को इकट्ठा करने से। ठीक वैसे ही जैसे बादलों की स्थिति ऊँची होती है जबकि सागरों स्थिति निम्न होती है।

(ख) साँप हवा पीते हैं अर्थात् ग्रहण करते हैं और वे दुर्बल नहीं होते। हाथी सूखे तृण खाकर बलवान होते हैं। मुनिवर कंद-फल खाकर समय बिताते हैं। संतोष ही मनुष्य का सबसे बड़ा खजाना है।

(ग) निम्न लोगों द्वारा विघ्न पड़ जाने के भय से कार्य आरंभ ही नहीं किया जाता है। मध्यम लोग कार्य प्रारंभ करके उसमें विघ्न पड़ जाने से बीच में ही छोड़ देते हैं। किंतु श्रेष्ठ लोग कार्य को प्रारंभ कर बार-बार विघ्नों के पड़ने पर भी बीच में नहीं छोड़ते हैं।

6. निम्नलिखित अव्ययों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

उत्तरम्– (क) त्वया एतानि शिक्षाप्रदानि पुस्तकानि **कुत**: आनीतानि?

(ख) अहं **तु** आगतः परं त्वं किमर्थं न आगतः।

(ग) पयोदानां स्थितिः **उच्चैः** भवति।

(घ) वृक्षस्य **अधः** वृद्धः शेते।

(ङ) इदं गीतं त्वं **पुनः** श्रावय।

(च) निम्नाः जनाः **खलु** विघ्नभयेन न प्रारभ्यन्ते।

श्रेष्ठा बुद्धिः 7

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—

उत्तरम्– (क) एकस्मिन् नगरे चत्वारः ब्राह्मणपुत्राः अवसन्।

(ख) तेषु त्रयः शास्त्रपारङ्गताः परं बुद्धिहीनाः आसन्।

(ग) शास्त्रपराङ्मुखस्य नाम बुद्धिदेवः आसीत्।

(घ) तेत्र धनोपार्जनार्थं पूर्वं देशं प्रति प्राचलन्।

(ङ) ते मार्गे कानिचित् अस्थीनि अपश्यन्।

(च) ते सिंहं जीवितम् अकुर्वन्।

(छ) बुद्धिदेवः वृक्षादवतीर्य गृहं गतः।

(ज) सिंहेन त्रयोऽपि व्यापादिताः।

2. मंजूषा (बॉक्स) में दिए गए उचित अव्यय पदों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) रमेशः **एव** मम मित्रम् अस्ति।

(ख) **ततः** सिंहेन उत्थाय त्रयोऽपि व्यापादिताः।

(ग) बालकाः **अपि** भ्रमणाय अगच्छन्।

(घ) त्वं **कदा** पठिष्यसि?

(ङ) **तदा** प्रातः कालः अभवत्।

(च) यदि त्वम् आगच्छसि **तर्हि** अहम् अपि आगच्छामि।

3. उदाहरण के अनुसार 'स्म' का प्रयोग करके वाक्य पुनः लिखिए—

उत्तरम्– (क) पशवः निर्भयाः भ्रमन्ति स्म। (ख) वने सिंहः वसति स्म।

(ग) छात्राः पठन्ति स्म। (घ) तौ कार्यं कुरुतः स्म।

(ङ) सः गच्छति स्म। (च) अहं विद्यालयं गच्छामि स्म।

3. निम्नलिखित वाक्यों को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए—

उत्तरम्– (क) एकस्मिन् नगरे चत्वारः ब्राह्मणपुत्राः वसन्ति स्म।
(ख) ततः ते पूर्वदेशं प्रति प्राचलन्।
(ग) द्वितीयेन चर्ममांसरुधिरं संयोजितम्।
(घ) बुद्धिदेवः वृक्षम् आरोहत्।
(ङ) सिंहेन त्रयोऽपि व्यापादिताः।
(च) बुद्धिदेवः वृक्षादवतीर्य गृहं गतः।

4. प्रत्यय और उपसर्ग अलग कीजिए—

उत्तरम्–

(क)	श्रुत्वा	=	×	**क्त्वा**	(ख)	अवतीर्य	=	**अव**	**ल्यप्**
(ग)	प्रणम्य	=	**प्र**	**ल्यप्**	(घ)	भूत्वा	=	×	**क्त्वा**
(ङ)	उत्थाय	=	**उत्**	**ल्यप्**	(च)	गत्वा	=	×	**क्त्वा**

5. विपरीतार्थक शब्दों को मिलाइए—

उत्तरम्–

(क)	सत्यम्	• **असत्यम्**
(ख)	लाभः	• **हानिः**
(ग)	धनोपार्जनम्	• **धनव्ययम्**
(घ)	जीवितम्	• **मृतम्**
(ङ)	मित्रम्	• **शत्रुः**
(च)	बुद्धिमान्	• **मूर्खः**
(छ)	सजीवम्	• **निर्जीवम्**

6. सन्धि-विच्छेद कीजिए–

उत्तरम्–

(क)	धनोपार्जनम्	=	**धन**	+	**उपार्जनम्**
(ख)	सर्वाण्यपि	=	**सर्वाणि**	+	**अपि**
(ग)	यद्धनम्	=	**यत्**	+	**धनम्**
(घ)	तथाऽनुष्ठिते	=	**तथा**	+	**अनुष्ठिते**
(ङ)	तृतीयोऽपि	=	**तृतीयः**	+	**अपि**
(च)	बुद्धिर्न	=	**बुद्धिः**	+	**न**

विजयादशमी 8

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—

उत्तरम्– (क) भारतीयानां प्रमुखोत्सवाः सन्ति—होली, दीपावली, विजयादशमी, रक्षाबन्धनम् इत्यादयः।

(ख) विजयादशमी आश्विनमासस्य शुक्लपक्षस्य दशम्यां तिथौ मान्यते।

(ग) अस्य उत्सवस्य विषये श्रूयते यद् अस्मिन्नेव दिने भगवान् रामचन्द्रः रावणस्य वधार्थं यात्रां कृतवान्।

(घ) अस्मिन् दिवसे नगरे नगरे, ग्रामे ग्रामे, रामलीलायाः प्रदर्शनं भवति।

(ङ) बङ्गप्रान्ते अयमुत्सवः दुर्गापूजारूपेण प्रचलितोऽस्ति।

(च) विजयादशम्युत्सवात् एषा शिक्षा समुपलभ्यते यत् असतो मा सद्गमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय इति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) **आश्विनमासस्य** शुक्लपक्षस्य दशमी 'विजयादशमी' कथ्यते।

(ख) एतस्मिन् दिवसे श्रीरामः राक्षसराजस्य **रावणस्य** वधमकरोत्।

(ग) अस्मिन्नवसरे भारतीयाः **शस्त्र-पूजनं** कुर्वन्ति।

(घ) बङ्गप्राप्ते अयं महोत्सवः **दुर्गापूजारूपेण** प्रचलितोऽस्ति।

(ङ) जनाः इममुत्सवं **पूर्णोत्साहेन** मन्यन्ते।

3. पाठ से पाँच अव्यय छाँटकर लिखिए और वाक्य बनाइए—

उत्तरम्– (क) राहुलः उद्याने भ्रमणाय आगतः **अतएव** अहमपि आगतः।

(ख) मया सह मम भ्राता भगिनी अन्यत् त्वम् **अपि** चलिष्यसि।

(ग) **एवं** श्रूयते यद् श्रीरामः भगवतः विष्णोः अवतारः आसीत्।

(घ) रावणः अधर्मस्य अहंकारस्य **च** प्रतीकः आसीत्।

(ङ) असतो **मा** सद्गमय।

4. द्वितीय अनुच्छेद का हिंदी में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– अनुवाद—

इस दिन श्रीराम ने राक्षसराजरावण का वध किया। इसलिए रावण के ऊपर विजय के कारण से ही इस उत्सव का प्रचलन हुआ। इस अवसर पर भारतीय शस्त्र-पूजन करते हैं। ऐसी मान्यता है कि आज नीलकंठ पक्षी का दर्शन शुभ होता है। इस दिन भारतवर्ष के नगर-नगर में, और गाँव-गाँव में रामलीला का प्रदर्शन होता है। वहाँ अधर्म और अहंकार के प्रतीक रूप रावण का अग्निदाह होता है। रामलीला को देखने और रामकथा को सुनने के लिए सब जगह लोगों की बड़ी भीड़ इकट्ठी होती है। लोग इस उत्सव को पूरे उत्साह के साथ मनाते हैं।

5. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में प्रयोग कीजिए—

उत्तरम्– (क) श्रीरामचन्द्रस्य अयोध्यां प्रत्यागमने दीपावली उत्सवस्य **प्रवर्तनम्** अभवत्।

(ख) अभिनेतारं द्रष्टुं 'जीमखाना मैदान' इति क्षेत्रे **जन सम्मर्दः** एकत्रितः अभवत्।

(ग) अद्य उष्णतायाः **आधिक्यं** वर्तते।

(घ) एवं **श्रूयते** यद् अद्य अस्माकं नगरे प्रधानमन्त्री आगमिष्यति।

(ङ) अस्मात् पाठात् इयं शिक्षा **समुपलभ्यते** यत् वयं प्राणपणेन धर्मम् आचरेम।

6. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पयार्यवाची शब्द लिखिए—

उत्तरम्–

तमः	=	**तिमिरः**	**अन्धकारः**
दुर्गा	=	**सिंहवाहिनी**	**जगदम्बा**
दिवसः	=	**अह्न**	**दिनम्**
असतः	=	**असत्यः**	**मिथ्या**
रावणः	=	**दशाननः**	**लङ्काधिपतिः**

7. कथ्, मन् एवं कृ धातु के रूप लट् लकार में लिखिए—

उत्तरम्– कथ्

पुरुषः	**एकवचनम्**	**द्विवचनम्**	**बहुवचनम्**
प्रथम पुरुषः	**कथयति**	**कथयतः**	**कथयन्ति**
मध्यम पुरुषः	**कथयसि**	**कथयथः**	**कथयथ**
उत्तम पुरुषः	**कथयामि**	**कथयावः**	**कथयामः**

मन्

पुरुषः	**एकवचनम्**	**द्विवचनम्**	**बहुवचनम्**
प्रथम पुरुषः	**मन्यते**	**मन्येते**	**मन्यन्ते**
मध्यम पुरुषः	**मन्यसे**	**मन्येथे**	**मन्यध्वे**
उत्तम पुरुषः	**मन्ये**	**मन्यावहे**	**मन्यामहे**

कृ

पुरुषः	**एकवचनम्**	**द्विवचनम्**	**बहुवचनम्**
प्रथम पुरुषः	**करोति**	**कुरुतः**	**कुर्वन्ति**
मध्यम पुरुषः	**करोषि**	**कुरुथः**	**कुरुथ**
उत्तम पुरुषः	**करोमि**	**कुर्वः**	**कुर्मः**

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—

उत्तरम्– (क) धेनु: अस्मान् माता इव रक्षति दुग्धादिना च पालयति।

(ख) श्वेता, कपिला, कृष्णा, पीता कर्बुरा च इति वर्णा: भवन्ति धेनो:।

(ग) गोजातानां बलीवर्दानां कृपया जना: इक्षुरसनिर्मित शर्करागुडादीनां सम्मिश्रणेन प्रगुणीकृतै: गव्यै: एव पायस घृतादिभि: निर्मितरनेकविधै: मिष्टान्नै: प्रतिदिनं रसास्वादनम् अनुभवन्ति।

(घ) गवां सेवया लौकिक: श्रेय: लभते इति इतिहासे प्रमाणम्।

(ङ) गोपालक: कृष्ण: गवां विषये वदति यत् गावो समाग्रत: सन्तु, गावो मे सन्तु पृष्ठत: गावो मे सर्वत: सन्तु गवां मध्ये वसाम्यहम्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) **आयुर्वेदशास्त्रेषु** दुग्धेषु गोदुग्धमेव उत्तममुद्धष्टम् सर्वरोगेषु गोदुग्धस्यैवोपयोग: क्रियते।

(ख) को न जानाति यद् **रघुवंशावतंसो** राजा दिलीपो गोसेवया पुत्ररत्नं प्राप्तवान्।

(ग) भारतीय–**संस्कृतौ** धेनुं मातरं मन्यते।

(घ) न केवलं गोरक्षकेभ्य: एव ददाति सुखानि अपितु **गोघातकेभ्योऽपि** तथैव सुखानि वितरति।

(ङ) कुपुत्रो जायेत् **क्वचिदपि** माता **कुमाता** न भवति।

3. सन्धि-विच्छेद कीजिए—

उत्तरम्–

(क)	धेनुरपि	=	**धेनुः**	+	**अपि**
(ख)	तथैव	=	**तथा**	+	**एव**
(ग)	मिष्टान्नै:	=	**मिष्ट**	+	**अन्नैः**
(घ)	सत्काम:	=	**सत्**	+	**कामः**
(ङ)	रसास्वादनम्	=	**रस**	+	**आस्वादनम्**

4. निम्नलिखित शब्दों की वाक्य-रचना संस्कृत में कीजिए—

उत्तरम्– (क) बलीवर्दा: = **बलीवर्दा**: कृषकाणां सहायकरूपेण भवन्ति।

(ख) गाव: = तत्र हरितक्षेत्रे **गाव**: चरन्ति।

(ग) क्वचिदपि = **क्वचिदपि** माता कुमाता न भवति।

(घ) गोजातानाम् = **गोजातानां** बलीवर्दानां कृपया वयं बहुविधं रसास्वादनम् अनुभवाम:।

(ङ) राजा = **राजा दिलीप:** गोसेवया एव पुत्र-रत्नं प्राप्तवान्।

(च) पुनश्च = यदाऽहं सभाया: निर्गत: **पुनश्च** राघव: अपि आगत:।

5. निर्देशानुसार तीनों वचनों के शब्द-रूप लिखिए—

उत्तरम्–

(क)	**रसास्वादनस्य**	**रसास्वादनयो:**	**रसास्वादनानाम्**
(ख)	**तृणाय**	**तृणाभ्याम्**	**तृणेभ्य:**
(ग)	**आयुर्वेदेन**	**आयुर्वेदाभ्याम्**	**आयुर्वेदै:**
(घ)	**धेनो:**	**धेनुभ्याम्**	**धेनुभ्य:**
(ङ)	**दुग्धाय**	**दुग्धाभ्याम्**	**दुग्धेभ्य:**

6. निम्नलिखित शब्द-रूपों के लिङ्ग, विभक्ति और वचन लिखिए—

उत्तरम्–

	शब्द:		**लिङ्गम्**	**विभक्ति:**	**वचनम्**
(क)	कर्बुरा	=	**स्त्रीलिङ्गम्**	**प्रथमा**	**एकवचनम्**
(ख)	इक्षुरस:	=	**पुंल्लिङ्गम्**	**प्रथमा**	**एकवचनम्**
(ग)	मिष्टान्नै:	=	**नपुंसकलिङ्गम्**	**तृतीया**	**बहुवचनम्**
(घ)	सेवया	=	**स्त्रीलिङ्गम्**	**तृतीया**	**एकवचनम्**
(ङ)	धेनव:	=	**स्त्रीलिङ्गम्**	**प्रथमा**	**बहुवचनम्**

7. शब्दार्थों का मिलान कीजिए—

उत्तरम्–

(क)	ऐहलौकिके	• **इस लोक में**
(ख)	सर्वस्वम्	• **सब कुछ**
(ग)	इक्षुरस:	• **गन्ने का रस**
(घ)	बलीवर्द:	• **बैल**
(ङ)	वसामि	• **रहता हूँ**
(च)	दुग्धम्	• **दूध**

8. निम्नलिखित वाक्यों में से सर्वनाम शब्द छाँटिए—

उत्तरम्– (क) इयम्। (ख) अस्या:। (ग) मे। (घ) सा, सर्वान्। (ङ) वयम्।

सत्सङ्गतेः महिमा

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—

उत्तरम्– (क) साधुसमागमः सद्यः फलति।

(ख) पापं तापं तथा दैन्यं सज्जनसङ्गमः हन्ति।

(ग) संसारे सद्भिः सह सङ्गतिं कुर्वीत।

(घ) सत्सङ्गतिः धियः जाड्यं हरति।

(ङ) सत्सङ्गतिः वाचि सत्यं सिञ्चति।

2. संधि कीजिए—

उत्तरम्–

	विच्छेद	संधि
(क)	न + उन्नतिः	**नोन्नतिः**
(ख)	सद्भिः + एव	**सद्भिरेव**
(ग)	किम् + चित् + आचरेत्	**किञ्चिदाचरेत्**
(घ)	हि + अमृत + उपमे	**ह्यमृतोपमे**

3. 'साधु' शब्द के रूप सभी विभक्तियों में लिखिए—

उत्तरम्–

विभक्तिः	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमा	**साधुः**	**साधू**	**साधवः**
द्वितीया	**साधुम्**	**साधू**	**साधून्**
तृतीया	**साधुना**	**साधुभ्याम्**	**साधुभिः**
चतुर्थी	**साधवे**	**साधुभ्याम्**	**साधुभ्यः**
पञ्चमी	**साधोः**	**साधुभ्याम्**	**साधुभ्यः**
षष्ठी	**साधोः**	**साध्वोः**	**साधूनाम्**
सप्तमी	**साधौ**	**साध्वोः**	**साधुषु**
सम्बोधन	**हे साधो!**	**हे साधू!**	**हे साधवः!**

4. निम्नलिखित श्लोकों का हिंदी में अर्थ लिखिए—

उत्तरम्– अर्थ—

(क) सज्जनों का दर्शन ही पुण्य को प्राप्त करना है, निश्चित ही सज्जन तीर्थों के समान हैं, तीर्थ भ्रमण तो समय आने पर फल देता है परंतु सज्जनों का साथ तो तुरंत फल देता है।

(ख) पाप को गंगा नष्ट करती है, गर्मी को चंद्रमा मारता है, और दीनता को

कल्पतरु दूर करता है। पाप, ताप और दीनता इन तीनों को सज्जनों का साथ मारता है।

(ग) (सत्संगति) बुद्धि की जड़ता हरती है, वाणी की सत्यता को सींचती है, मान में वृद्धि करती है और पाप को दूर करती है, मन को प्रसन्न करती है और कीर्ति को दिशाओं में फैलाती है। कहिए, सत्संगति मनुष्यों का क्या-क्या नहीं करती है अर्थात् हमारे जीवन को सफल बनाती है।

5. श्लोकों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) साधूनां दर्शनं पुण्यं **तीर्थभूता हि साधवः**।
तीर्थं फलानि कालेन सद्यः साधुसमागमः।

(ख) गङ्गा पापं शशीतापं **दैन्यं कल्पतरुस्तथा**।
पापं तापं च दैन्यं च **हन्ति सज्जनसङ्गमः**।।

6. संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) सतां सङ्गतिः लाभदायका भवति।
(ख) एतेषां सङ्गतिः सद्यः फलदायिनी भवति।
(ग) सताम् एव सङ्गः करणीयः।
(घ) पापं तापं च सत्सङ्गतिः निवारयति।
(ङ) सत्सङ्गतिः चेतः प्रसादयति।
(च) सत्सङ्गतिः सर्वफलदायिनी भवति।

7. निम्नलिखित का मिलान कीजिए—

उत्तरम्–

(क)	साधूनां	• **दर्शनम्**
(ख)	महाजनस्य	• **संसर्गः**
(ग)	शशी	• **तापम्**
(घ)	सुजने	• **जने**
(ङ)	धियः	• **जाड्यम्**
(च)	कीर्तिः	• **तनोति**

8. सत्संगति पर संस्कृत में पाँच वाक्य बनाइए—

उत्तरम्– (क) सतां सत्सङ्गतिः 'सत्सङ्गतिः' कथ्यते।
(ख) सत्सङ्गतिः चेतः प्रसादयति।
(ग) सत्सङ्गतिः धियः जाड्यं हरति।
(घ) सत्सङ्गतिः कीर्तिं दिक्षु तनोति।
(ङ) सत्सङ्गतिः दीनतामपि हरति।

आत्मविश्वासः 11

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के संस्कृत में उत्तर दीजिए—

उत्तरम्– (क) स्वामिविवेकानन्दानुसारं नास्तिकः सः अस्ति यस्य आत्मविश्वासः नास्ति, न तु सः यः ईश्वरे न विश्वसिति।

(ख) स्वामिविवेकानन्दः देशविदेशेषु वेदान्तस्य प्रचारं कृत्वा यशः लब्धवान्।

(ग) आत्मविश्वासः, दृढसङ्कल्पः, निर्भयत्वम् इति गुणाः जीवनं सफलं कर्तुम् आवश्यकम्।

(घ) समुद्रमध्ये अस्य महापुरुषस्य स्मृतौ एकम् आश्रमस्थलं स्थितम् अस्ति।

2. प्रश्न-निर्माण कीजिए—

उत्तरम्– (क) **केन** अभिधानेन आश्रमस्य नाम?

(ख) स्वामिविवेकानन्दः संसारे **किं** लब्धवान्?

(ग) **केन** चक्षुः मम उन्मीलितम्?

(घ) जीवनं **कीदृशं** भवेत्?

(ङ) एकदा सः **कस्मिन्** भाषणं दत्तवान्?

3. उचित विकल्प चुनिए—

उत्तरम्– (अ) (क) **ह्यः** त्वं कुत्र अगच्छः?

(ख) अहं **पितृभ्यां** सह आश्रमस्थलम् अगच्छम्।

(ग) मम पितरौ नित्यमेव भाषणं श्रोतुं तत्र **गच्छतः**।

(घ) बाल्यकाले अस्य **महात्मनः** नाम नरेन्द्रः आसीत्।

(ङ) तस्य महापुरुषस्य **स्मृतौ** तत्र एकम् आश्रमस्थलम् अपि वर्तते।

(च) तस्मै श्री **गुरवे** नमः।

(ब) (क) मम चित्तं तु **खिन्नम्**।

(ख) जीवनं सफलं कर्तुम् आत्मविश्वासः **कर्तव्यः**।

(ग) मया आपणात् पुस्तकम् **आनीतम्**।

(घ) **शोभनः** सङ्कल्पः।

(ङ) त्वया मम चक्षुः **उन्मीलितम्**।

4. समानार्थक पदों को मिलाइए—

उत्तरम्– (क) श्रुत्वा • **आकर्ण्य**

(ख) नाम • **अभिधानम्**

(ग) गतवान् • **अगच्छत्**

(घ) चक्षुः • **नेत्रम्**

(ङ) पितरौ • **माता पिता च**

5. भिन्न प्रकृति का पद चुनिए—

उत्तरम्– (क) आदाय, आनीय, पापाय, विचार्य। **पापाय (संज्ञा शब्द)**

(ख) आगच्छ, गच्छाव, गच्छतु, गच्छन्ति। **गच्छन्ति (लट् लकार)**

6. निम्नलिखित को पढ़िए और सही उत्तर दीजिए—

उत्तरम्– (अ) 'ह्यः अहं पितृभ्यां सह आश्रम-स्थलम् अगच्छम्' इति वाक्ये—

(क) तृतीया (ख) सौरभः

(ग) लङ् लकार, गम् धातुः (घ) द्वितीया

(ङ) ह्यः, सह

(ब) 'तस्य महापुरुषस्य स्मृतौ तत्र एकम् आश्रमस्थलम् अपि वर्तते' इति वाक्ये—

(क) सप्तमी विभक्तिः एकवचनम् (ख) तस्य

(ग) एकम् आश्रमस्थलम्। (घ) वर्तते।

(ङ) तत्र, अपि।

7. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

उत्तरम्– (क) ह्यः — **ह्यः** विद्यालये अवकाशः आसीत्।

(ख) भाषणम् — स्वामी विवेकानन्दस्य **भाषणं** श्रुत्वा श्रोतारः मन्त्रमुग्धाः अभवन्।

(ग) पाश्चात्यम् — स्वामी विवेकानन्दः ज्ञानसंयुतैः स्वभाषणैः अखिलं **पाश्चात्यं** जगत् विस्मितम् अकरोत्।

(घ) पश्य — **पश्य**, अत्र किं लिखितम् अस्ति?

(ङ) प्राप्तः — किं त्वया प्रसादः **प्राप्तः**?

(च) स्मृतौ — मम **स्मृतौ** तु तस्य महाभागस्य आकृतिः नायाति।

8. हिंदी में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) स्वामी विवेकानंद श्रीरामकृष्ण के परम शिष्य थे।

(ख) आश्रम स्थल में पुस्तकालय भी है।

(ग) स्वामी विवेकानंद ने अनेक पुस्तकें लिखीं।

(घ) उन श्री गुरु को नमस्कार है।

(ङ) निश्चित ही वहाँ वातावरण शांतिपूर्ण है।

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—

उत्तरम्– (क) चिकित्साशास्त्रे चरक संहिता इति ग्रन्थः श्रेष्ठतमः अस्ति।
(ख) इन्द्रियाणि पञ्च सन्ति।
(ग) शरीरस्य त्रयः दोषाः सन्ति— वातः, कफः पित्तश्च।
(घ) अजीर्णे भोजनं विषम्।
(ङ) शरीरस्य दोषाणाम् असन्तुलितः प्रमाणः रोगम् उत्पादयति।
(च) चरकसंहिता चिकित्साशास्त्रे प्राचीनतमः ग्रन्थः।
(छ) शरीरस्य दोषाणां समतोलनं रोगस्य उपचारः।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) **हितभुक्** मितभुक् **ऋतभुक्** च रुग्णः न भवति।
(ख) शरीरस्य दोषाणां **समतोलनम्** एव रोगस्य उपचारः।
(ग) स्वास्थ्यं रक्षितुं **सन्तुलितः आहारः** अपेक्षितः।
(घ) रोगं दूरीकर्तुम् **औषधं** दीयते।
(ङ) अजीर्णे भोजनं **विषम्**।

3. उचित विकल्प चुनिए—

उत्तरम्– (क) **स्वास्थ्यं** विना जीवनयात्रा न सिध्यति।
(ख) अतः सदाचारः **अनिवार्यः**।
(ग) **पञ्च** च देहस्य इन्द्रियाणि।
(घ) चिकित्सकः **रुग्णाय** औषधं ददाति।
(ङ) **एतेषां** त्रयाणां दोषाणां प्रमाणः सन्तुलितः स्यात्।

4. उचित मिलान कीजिए—

उत्तरम्– (क)

शरीरम्	• **देहः**
स्वच्छः	• **निर्मलः**
औषधम्	• **औषधिः**
रोगः	• **व्याधिः**
संयमः	• **इन्द्रियनिग्रहः**

(ख) हितभुक् • **यः हितकरं भोजनं खादति**

मितभुक्	•	**यः परिमितम् आहारं भुङ्क्ते (खादति)**
ऋतुभुक्	•	**यः ऋतु-अनुसारं (काल-अनुसारं) खादति**

5. प्रश्न बनाइए—

उत्तरम्– (क) रुग्णाय **किं** दीयते?

(ख) स्वस्थः भवितुं **का** अपेक्षिता भवति?

(ग) शरीरस्य दोषाणां समतोलनं **किम्**?

(घ) रोगम् अपहर्तुं **किं** दीयते?

6. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति और वचन लिखिए—

उत्तरम्–

	शब्दः		विभक्तिः	वचनम्
(क)	शरीरम्	=	**प्रथमा**	**एकवचनम्**
(ख)	चरकेण	=	**तृतीया**	**एकवचनम्**
(ग)	प्रमाणे	=	**सप्तमी**	**एकवचनम्**
(घ)	रुग्णाय	=	**चतुर्थी**	**एकवचनम्**
(ङ)	रक्षायै	=	**चतुर्थी**	**एकवचनम्**

डॉ० राजेन्द्र प्रसादः 13

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के संस्कृत में उत्तर दीजिए—

उत्तरम्– (क) डॉ० राजेन्द्र प्रसादस्य जन्म बिहारराज्यस्य सारण प्रान्ते अभवत्।

(ख) इण्ट्रेन्सपरीक्षायां राजेन्द्र प्रसादः प्रथमं स्थानं प्राप्नोत्।

(ग) राजेन्द्र महोदयः निष्ठावान्, उत्साही, परिश्रमी, स्वतन्त्रतासङ्ग्रामी आसीत्।

(घ) सः भारतीयसंस्कृतेः प्रशंसकः आसीत्।

(ङ) सत्यं सरलता च राजेन्द्रमहोदयस्य जीवनमन्त्रौ आस्ताम्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) राजेन्द्रप्रसादस्य जन्म **1884** ईसवीये दिसम्बरमासस्य तृतीयदिनाङ्के बिहारस्य **सारणमण्डले** 'जीरादेई' ग्रामेऽभवत्।

(ख) शिक्षायाः प्रारम्भकालतः एव एषोऽतीव **मेधावी** आसीत्।

(ग) सः एम० ए०, एल-एल० बी० परीक्षयोरपि **सर्वप्रथमं** स्थानं प्राप्तवान्।

(घ) महापुरुषाणां जन्म **आत्मसुखाय** न भवति।

(ङ) 28 फरवरी 1963 दिनाङ्के **तस्य देहावसानमभवत्।**
(च) राजेन्द्रप्रसादः स्वभावेन सरलः **मधुरभाषी** चासीत्।
(छ) सः भारतीयसंस्कृतेः **प्रशंसकः संवर्धकः च** आसीत्।
(ज) तेन आजीवनं **भारतीयं वस्त्रं** धारितम्।

3. संधि-विच्छेद कीजिए—

उत्तरम्–

(क)	अध्यापकोऽपि	=	**अध्यापकः**	+	**अपि**
(ख)	सत्याग्रहम्	=	**सत्य**	+	**आग्रहम्**
(ग)	अस्माभिरेव	=	**अस्माभिः**	+	**एव**
(घ)	किञ्चित्	=	**किम्**	+	**चित्**
(ङ)	स्वागतम्	=	**सु**	+	**आगतम्**
(च)	अत्यधिकम्	=	**अति**	+	**अधिकम्**
(छ)	स्थानमलभत्	=	**स्थानम्**	+	**अलभत्**
(ज)	परीक्षयोरपि	=	**परीक्षयोः**	+	**अपि**

4. हिंदी में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) देशरत्न डॉ० राजेन्द्र प्रसाद स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति थे।
(ख) जब वे राष्ट्रपति थे तब देश की उत्तम प्रगति थी।
(ग) शिक्षा समाप्त करके वे शुरू में कोलकाता में इसके बाद पटना शहर में उच्च न्यायालय में वकील बने।
(घ) वकीलों में उनकी प्रतिष्ठा उत्तम और धनार्जन (वेतन) बहुत अधिक था।
(ङ) महापुरुषों का जीवन स्वयं के सुख के लिए नहीं होता।
(च) भारत के स्वतंत्रता संग्राम में गांधी जी के अनुयायियों में राजेंद्र जी अति विशिष्ट थे।

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) अस्माकं प्रथमस्य राष्ट्रपतेः जन्म बिहारराज्यस्य जीरादेई ग्रामे अभवत्।
(ख) डॉ० राजेन्द्रप्रसादः एकः प्रमुखः स्वतन्त्रता सेनानी आसीत्।
(ग) गान्धिमहोदयेन सह राजेन्द्र प्रसादः कारागारमपि अगच्छत्।
(घ) महापुरुषाणां जीवनं सरलं विचाराश्च उच्चाः भवन्ति।
(ङ) अयं जीवनपर्यन्तं सत्यस्य सरलतायाः च सङ्गः न अत्यजत्।

6. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति और वचन लिखिए—

उत्तरम्– (क) भारतस्य = **षष्ठी** **एकवचनम्**

(ख)	परीक्षायाम्	=	**सप्तमी**	**एकवचनम्**
(ग)	सुखाय	=	**चतुर्थी**	**एकवचनम्**
(घ)	सर्वेषाम्	=	**षष्ठी**	**बहुवचनम्**
(ङ)	स्वभावेन	=	**तृतीया**	**एकवचनम्**
(च)	मन्त्रौ	=	**प्रथमा**	**द्विवचनम्**

त्रयः धूर्ताः 14

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के संस्कृत में उत्तर दीजिए—

उत्तरम्– (क) ब्राह्मणं दृष्ट्वा धूर्ताः परस्परं अचिन्तयन् यत् अहो, ब्राह्मणोऽयं वञ्चयितव्यः अजा च अपहर्तव्या।

(ख) ब्राह्मणः प्रथमं धूर्तम् अवदत् यत् किं त्वम् अन्धोऽसि येन अजां श्वानं कथयसि इति।

(ग) प्रथमः धूर्तः अकथयत् यत् भो विप्र! केन कारणेन भवान् श्वानं स्कन्धेन नयसि? इति।

(घ) द्वितीयः धूर्तः अकथयत् यत् भो ब्राह्मण श्रेष्ठ! त्वं स्कन्धेन श्वानं नयसि। अतः त्वम् अस्पृश्यः जातः इति।

(ङ) ब्राह्मणः अन्ते विचारितवान् यत् एते सर्वे जनाः नाऽसत्यं वदन्ति। कदाचित् मे यजमानो धूर्तः स्यात्।

2. संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) एकस्मिन् ग्रामे एकः ब्राह्मणः वसति स्म।

(ख) तस्य नाम सोमदेवः आसीत्।

(ग) भोजनोपरान्ते यजमानः ब्राह्मणाय एकाम् अजाम् अयच्छत्।

(घ) किं त्वम् अन्धोऽसि?

(ङ) हे ब्राह्मण! त्वं स्कन्धे श्वानं नयसि।

(च) एते सर्वे जनाः असत्यं न वक्तुं शक्यन्ते।

3. हिंदी में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) एक गाँव में एक निर्धन ब्राह्मण था।

(ख) एक दिन उसे गाँव से बाहर के यजमान ने भोजन के लिए निमंत्रित किया।

(ग) भोजन के बाद यजमान ने पुरोहित को एक बकरी प्रदान की।

(घ) बकरी को कंधे पर लेकर उसने अपने गाँव की ओर प्रस्थान किया।

(ङ) किस कारण आप कुत्ते को कंधे पर ले जा रहे हैं?
(च) हे ब्राह्मण श्रेष्ठ! तुम अस्पृश्य (अछूत) हो गए।
(छ) यह सुनकर ब्राह्मण की बुद्धि में संशय (भ्रम) हो गया।

4. प्रकृति-प्रत्यय बताइए—

उत्तरम्–

(क)	नीयमाना	=	**नी मतुप्**
(ख)	मिलित्वा	=	**मिल् क्त्वा**
(ग)	अपहर्तव्या	=	**अप् + हृ तव्यत्**
(घ)	प्रचलितः	=	**प्र + चल् क्त**
(ङ)	आगत्य	=	**आ + गम् ल्यप्**
(च)	निश्चीय	=	**निश्च् ल्यप्**
(छ)	विचार्य	=	**विचार् ल्यप्**

5. वाक्यांशों को पूर्ण कीजिए—

उत्तरम्– (क) एकस्मिन् दिने सः **ग्रामान्तरे यजमानेन भोजनार्थं निमन्त्रितः**।
(ख) तत्र सः प्रातः भोजनं कर्तुं **समायातः**।
(ग) अजां स्कन्धे कृत्वा सोमदेवः **स्वकीयं ग्रामं प्रति प्रस्थितः**।
(घ) त्रयो वञ्चकाः ब्राह्मणेन स्कन्धेन **नीयमानाम् अजाम् अपश्यन्**।
(ङ) केन कारणेन भवान् **श्वानं स्कन्धेन नयसि?**
(च) एतत् श्रुत्वा ब्राह्मणस्य **बुद्धौ संशयो जातः**।
(छ) त्वम् अस्पृश्यः **जातः**।
(ज) त्वं **विवेकहीनो** जातः।

6. सन्धि-विच्छेद कीजिए—

उत्तरम्–

(क)	ग्रामान्तरे	=	**ग्राम**	+	**अन्तरे**
(ख)	मिलित्वाऽचिन्तयन्	=	**मिलित्वा**	+	**अचिन्तयन्**
(ग)	ब्राह्मणोऽयम्	=	**ब्राह्मणः**	+	**अयम्**
(घ)	अन्धोऽसि	=	**अन्धः**	+	**असि**
(ङ)	येनऽजाम्	=	**येन**	+	**अजाम्**

7. विग्रह करके समास का नाम लिखिए—

उत्तरम्–

(क)	वेश परिवर्तनम्	=	**वेशस्य परिवर्तनम् षष्ठी तत्पुरुष समासः**
(ख)	समक्षम्	=	**अस्ति यः सक्षम् अव्ययीभाव समासः**
(ग)	विवेकहीनः	=	**विवेकेन हीनः यः तृतीया तत्पुरुष समासः**

(घ) ब्राह्मण श्रेष्ठः = **ब्राह्मणेषु श्रेष्ठः यः सप्तमी तत्पुरुष समासः**

(ङ) आश्चर्यचकितः = **आश्चर्येण चकितः यः तृतीया तत्पुरुष समासः**

(च) उत्फुल्ललोचनः = **उल्फुल्ल लोचनः अस्ति यः सः बहुव्रीहि समासः**

व्यायामः 15

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के संस्कृत में उत्तर दीजिए—

उत्तरम्– (क) लोके अनेकानि सुखानि सन्ति तद्यथा पुत्रसुखम्, पत्नीसुखम्, धनसुखं शरीर सुखं च।

(ख) वृद्धाः सुगमं व्यायामं कुर्वन्ति।

(ग) बालकाः अपि सुगमं व्यायामं कुर्वन्ति।

(घ) छात्राः विद्यालये विभिन्नाः क्रीडाः क्रीडन्ति, अयमेव तेषां श्रेष्ठः व्यायामः भवति।

(ङ) व्यायामः अतः करणीयः यतोहि अनेन शरीरं नीरोगं भवति, रक्तसञ्चारः सम्यग् भवति, अङ्गानि स्वस्थानि भवन्ति, बुद्धिः निर्मला भवति, चेतः प्रसादमधिगच्छति जठराग्निश्च प्रदीप्ता भवति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) अस्मिन् संसारे अनेकानि **सुखानि** सन्ति।

(ख) शरीरसुखम् एतेषु सर्वेषु **श्रेष्ठम्** अस्ति।

(ग) स्वास्थ्यं विना सर्वाणि **सुखानि निरर्थकानि** सन्ति।

(घ) जनाः तस्य आदरं न **कुर्वन्ति**।

(ङ) परेषाम् अपि **कार्याणि** साधयति।

(च) स्वास्थ्यलाभाय जनाः **व्यायामं कुर्वन्ति**।

(छ) युवानः **धावनं** कुर्वन्ति।

(ज) क्रीडनेन तेषां **व्यायामो** भवति।

3. सही वाक्य के सामने सही ✓ का और गलत वाक्य के सामने गलत ✗ का चिह्न लगाइए—

उत्तरम्– (क) (✓), (ख) (✓), (ग) (✓), (घ) (✓), (ङ) (✓),

(च) (✗), (छ) (✓), (ज) (✗)।

4. **विग्रह कीजिए और समास का नाम लिखिए—**

उत्तरम् (क) पुत्र-सुखम् = **पुत्रस्य सुखम् षष्ठी तत्पुरुष समासः**

(ख) अस्वस्थ: = **न स्वस्थः नञ् तत्पुरुष समासः**

(ग) स्वास्थ्यलाभ: = **स्वास्थ्याय लाभः चतुर्थी तत्पुरुष समासः**

(घ) जठराग्नि: = **जठरस्य अग्निः षष्ठी तत्पुरुषः समासः**

5. **हिंदी में अनुवाद कीजिए—**

उत्तरम्– (क) स्वस्थ व्यक्ति हित साधता है।

(ख) व्यायाम से शरीर नीरोग होता है।

(ग) स्वास्थ्य लाभ के लिए लोग लोग व्यायाम करते हैं।

(घ) रक्त का निर्माण व्यायाम से होता है।

(ङ) स्वास्थ्य के बिना सभी सुख निरर्थक हैं।

(च) यही उनका श्रेष्ठ व्यायाम है।

6. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए—**

उत्तरम्– (क) व्यायामेन रक्तनिर्माणं भवति।

(ख) मल्ल: एक: कठिन: व्यायाम: अस्ति।

(ग) व्यायामस्य अनेके लाभा: सन्ति।

(घ) अयं तेषां जनानां श्रेष्ठ: व्यायाम: अस्ति।

(ङ) व्यायामेन शरीरं नीरोगं भवति।

(च) व्यायामेन अङ्गं स्वस्थं भवति।

7. **पद-परिचय दीजिए—**

उत्तरम्– (क) अनेके = **विशेषणम्, प्रथमा विभक्तिः, बहुवचनम्, पुंल्लिङ्गम्, मूलशब्दः अनेक**

(ख) अधिगच्छति = **परस्मैपदी अधि उपसर्गः, गम् धातुः, प्रथमः पुरुषः एकवचनम्, लट्लकारः**

(ग) अङ्गानि = **नपुंसकलिङ्गम् प्रथमा विभक्तिः बहुवचनम्, मूलशब्दः, अङ्गम्**

(घ) कुर्वन्ति = **परस्मैपदी कृ धातुः, लट्लकारः, प्रथमः पुरुषः, बहुवचनम्**

(ङ) चेत: = **चेतस् मूलशब्दः, द्वितीया विभक्तिः नपुंसकलिङ्गम् एकवचनम्**

(च) युवानः = **युवन् मूल शब्दः, प्रथमा विभक्तिः बहुवचनम् पुंल्लिङ्गम्**

(छ) वर्धते = **वर्ध् धातुः, आत्मनेपदी, लट्लकारः, प्रथमः पुरुषः, एकवचनम्।**

8. सन्धि-विच्छेद कीजिए—

उत्तरम्–

(क) नाऽऽद्रियते = **न** + **आद्रियते**

(ख) व्यायामस्याऽनेके = **व्यायामस्य** + **अनेके**

(ग) व्यायामेनाङ्गानि = **व्यायामेन** + **अङ्गानि**

(घ) जठराग्निः = **जठर** + **अग्निः**

अङ्कोरवाटः 16

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के संस्कृत में उत्तर दीजिए—

उत्तरम्–

(क) अङ्कोरवाटस्य निर्माणं राजा सूर्यवर्मन् द्वितीयः द्वादशीशतेः पूर्वार्धे कृतवान्।

(ख) 'अङ्कोरवाट' इत्यस्य अर्थः अस्ति 'नगरमन्दिरम्' इति।

(ग) मनीषिणः बाह्यभित्तिषु पृथिव्याः परिधिं परिखायां च सागरस्य संकेतं पश्यन्ति।

(घ) वीथिकासु कुरुक्षेत्रस्वर्गनरकसमुद्रमन्थनरामरावणयुद्ध विजययात्रादीनाम् असङ्ख्यकानि विषयानि संगृह्य सायासेन शिलाचित्राणि अङ्कितानि सन्ति।

(ङ) यूनेस्को-संस्थया अङ्कोरवाट-विषये उद्घोषितम् यत् अयं विश्वधरोहरस्थलस्य रूपे संरक्षितव्यः।

(च) अत्र बौद्धधर्मेण चतुर्दशीशतेः राज्याश्रयः प्राप्तः।

2. एक शब्द में उत्तर दीजिए—

उत्तरम्–

(क) वर्तमाने कम्बोडिया देशे। (ख) मन्दिरम्।

(ग) जलेन। (घ) बुद्धस्य।

(ङ) सुमेरुपर्वतः।

3. निम्नलिखित के समस्त पद लिखिए—

उत्तरम्–

(क) सृष्टिविज्ञानम् (ख) जलपूर्णा

(ग) पौराणिककथा (घ) समुद्रमन्थनम्

(ङ) भारतीयासंस्कृतिम् (च) उपासनाकेन्द्रम्

4. हिंदी में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) मैंने नानी जी के द्वारा लिखी डायरी पढ़ी।

(ख) देवालय तीन खंभों पर उठाया हुआ है।

(ग) यह मंदिर स्यामरीप नगर में स्थित है।

(घ) गलियारों में शिलाचित्रों का सौंदर्य कल्पनातीत है।

(ङ) मंदिर के केंद्र में मूलशिखर ऊपर की ओर जाता है।

5. मंजूषा से उचित पद चुनकर रिक्त स्थान भरिए—

उत्तरम्– (क) अङ्कोरवाट: विशालतमं **विष्णुमन्दिरं** वर्तते।

(ख) **प्रथमतलस्य** वीथिकासु अद्‌भुतानि शिलाचित्राणि।

(ग) सूर्यवर्मन् **ख्मेरवंशी** राजा आसीत्।

(घ) मन्दिरं परित: **जलपूरिता** परिखा अस्ति।

(ङ) त्रय: **उत्तला:** क्रमश: उत्तरोत्तरम् उन्नता:।

6. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

उत्तरम्– (क) अद्‌भुत: — अब्दुल हमीद: युद्धे **अद्‌भुत:** आसीत्।

(ख) विस्तृत: — अयं पञ्चशतम् एकडमिते भूमिखण्डे **विस्तृत:** अस्ति।

(ग) ऊर्ध्वम् — उद्योगयन्त्रालयानां धूम्र: **ऊर्ध्वं** गच्छति।

(घ) उत्कीर्ण: — अस्य मन्दिरस्य भित्तिकायां पौराणिक: प्रसङ्ग: **उत्कीर्ण:** अस्ति।

17 दूरदर्शनम्

अभ्यास:

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—

उत्तरम्– (क) दूरात् दर्शनम् इति दूरदर्शनम्।

(ख) दूरदर्शनस्य आविष्कारं अभियन्ता जॉन बेयर्ड लॉगी महोदयेन एकोनविंशति तमे षड्‌विंशमधिकं जनवरी मासस्य पञ्चविंशति दिनाङ्के कृतम्।

(ग) दूरदर्शनेन आधुनिकं जीवनम् अति प्रभावितं कृतम्।

(घ) आकाशवाण्या: दूरदर्शनयोरमध्ये इदम् अन्तरम् अस्ति यत् आकाशवाण्या तु वयं केवलं श्रोतुं शक्नुम: परं दूरदर्शनेन श्रोतुं द्रष्टुं च शक्नुम:।

(ङ) दूरदर्शनम् अध्ययने प्रयोगात्मकां विधिं प्रस्तौति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) मानवस्य **जिज्ञासु प्रवृत्तिः** दूरस्थलं पदार्थञ्च जिज्ञासार्थम् अधीरोत्सुको च भवतीति।

(ख) दूरदर्शनयन्त्रः येन सिद्धान्तेन **आकाशवाणी** कार्यं करोति तथैव इदमपि कार्यं करोति।

(ग) **आकाशवाण्या** वयं केवल श्रोतुं शक्नुमः परं **दूरदर्शनेन** श्रोतुं द्रष्टुं च।

(घ) शिक्षाक्षेत्रे इदं **बहूपयोगी** वर्तते।

(ङ) वर्तमाने मानवः अस्य **अनुपस्थितिं** कष्टप्रदमनुभवतीति।

3. निम्नलिखित शब्दों का अर्थ लिखकर वाक्य-रचना संस्कृत में कीजिए—

उत्तरम्– (क) कृतम् = **किया**

त्वया अधुना पर्यन्तं इदं कार्यं किमर्थं न **कृतम्**?

(ख) श्रोतुं शक्नुमः = **सुन सकते हैं**

किं वयम् अपि इमानि गीतानि **श्रोतुं शक्नुमः?**

(ग) विद्युत्तरंगान् = **विद्युत् तरंगों को**

वयं **विद्युत् तरङ्गान्** नेत्राभ्यां प्रत्यक्षं द्रष्टुं न शक्नुमः।

(घ) वृद्धिमाप्नोति = **वृद्धि को प्राप्त करता है**

विद्या व्यये कृते **वृद्धिमाप्नोति**।

(ङ) आरोपणीयम् = **लगाना चाहिए**

पर्यावरणशुद्धयै स्वजन्मदिवसे एकं वृक्षम् अवश्यम् **आरोपणीयम्**।

4. निर्देशानुसार शब्द रूप लिखिए—

उत्तरम्– (क) मासः = **मासः**

(ख) दूरदर्शनम् = **दूरदर्शनानाम्**

(ग) अध्यापकः = **अध्यापकेन**

(घ) जीवनम् = **जीवनम्**

5. हिंदी में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) इस वैज्ञानिक युग में अनेक साधन समुपलब्ध हैं।

(ख) इसने आधुनिक जीवन प्रभावित किया है।

(ग) 'दूरदर्शनम्' दूर से देखना यह संज्ञा है।

(घ) दूरदर्शन शिक्षा को सजीव, सरस और मनोरंजक करता है।

(ङ) दूरदर्शन ज्ञान और मनोरंजन में सशक्त माध्यम है।

6. संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम् (क) दूरदर्शनं मनोरञ्जनेन सह शिक्षप्राप्तिरपि रुचिकरं साधनमस्ति।

(ख) विश्वे भूता: घटना: सजीवै: चित्रै: द्रष्टुं शक्नुवन्ति।

(ग) इदं विद्युत्तरङ्गान् ध्वनितरङ्गेषु परिवर्तयति।

(घ) दूरदर्शनेन आधुनिकं जीवनम् अति प्रभावितम् अभवत्।

(ङ) भारते अधिकांश: जना: अधुना अपि अशिक्षिता: सन्ति।

विद्यार्थी-जीवनम् 18

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—

उत्तरम्– (क) मानवजीवनस्य स्वर्णकालं छात्रजीवनम् अस्ति।

(ख) विद्याध्ययनं छात्रस्य कर्तव्यं भवेत्।

(ग) विद्यार्थी जीवनस्य मुख्यम् उद्देश्यं अस्ति आत्मविकास:।

(घ) विद्यार्थिन: पञ्चलक्षणानि सन्ति; काकवत् चेष्टा, बकवत् ध्यानम् श्वानवत् निद्रा, अल्पाहारी गृहत्यागी च।

(ङ) अधिकाहारेण आलस्यं भवति।

(च) स्वकर्तव्यं पालयन् विद्यार्थी परमोन्नतिं प्राप्तुं शक्नोति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) छात्रजीवनं मानवजीवनस्य **स्वर्णकालम्** अस्ति।

(ख) **विद्याध्ययनं** विद्यार्थीजीवनस्य प्रथमं कर्तव्यम् अस्ति।

(ग) आत्मविकास: विद्यार्थिन: मुख्य: **उद्देश्य:** अस्ति।

(घ) विद्यार्थी सदैव **काकवत्** चेष्टां कुर्यात्।

(ङ) **अधिकाहारेण** आलस्यं भवति।

3. निम्नलिखित अनुच्छेद का हिंदी में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– अनुवाद—

विद्यार्थी को सदैव कौए के समान चेष्टा करनी चाहिए। जैसे बगुला ध्यान में स्थिर रहता है वैसे छात्र भी विद्याध्ययन में ध्यान में अवस्थित हो। जैसे कुत्ता थोड़ा ही शयन करता है वैसे ही छात्र भी बहुत थोड़ा शयन करे। अधिक भोजन करने से आलस्य होता है। इसलिए विद्यार्थी को बहुत कम आहार ही करना चाहिए। ब्रह्मचर्य पालन तो उनके लिए सबसे श्रेष्ठ है। इस प्रकार अपने कर्तव्य का पालन करते हुए विद्यार्थी परम उन्नति को प्राप्त करता है।

4. विलोम शब्द लिखिए और वाक्य बनाइए—

उत्तरम् (क) प्रथमम् = **अन्तिमम्**

पङ्क्तौ स्थितम् **अन्तिमं** बालकम् आह्वयतु।

(ख) सुखानि = **दुःखानि**

यः परिश्रमं त्यक्त्वा आलस्ये एव तिष्ठति सः **दुःखानि** प्राप्नोति।

(ग) सदुपयोगः = **दुरुपयोगः**

समयस्य कदापि **दुरुपयोगः** न करणीयः।

(घ) अल्पम् = **प्रचुरम्**

अस्मै निर्धनाय **प्रचुरम्** अन्नं देहि, राजा अवदत्।

(ङ) जीवनम् = **मृत्युः**

वीराणां कदापि **मृत्युः** न भवति।

5. निम्नलिखित शब्दों को बहुवचन में बदलिए और वाक्य बनाइए—

उत्तरम्– (क) जीवनस्य = **जीवनानाम्**

मनुष्याणा **जीवनानां** मुख्यम् उद्देश्यम् सत्कर्म स्यात्।

(ख) काले = **कालेषु**

चतुर्षु **कालेषु** सत्युगः सर्वश्रेष्ठः आसीत्।

(ग) गुरुणा = **गुरुभिः**

वयं विद्यालये **गुरुभिः** विभिन्नाः शिक्षाः प्राप्नुमः।

(घ) सुखम् = **सुखानि**

सः एव जनः **सुखानि** प्राप्तुं शक्यते यः धर्माचरणं कुर्वन् जीवनं यापयति।

(ङ) विद्यार्थी = **विद्यार्थिनः**

सर्वे **विद्यार्थिनः** सायङ्काले श्रमदानं करिष्यन्ति।

(च) विकासाय = **विकासेभ्यः**

गुरवः छात्राणां **विकासेभ्यः** पूर्णमनोयोगेन प्रयासः कुर्वन्ति।

6. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

उत्तरम्– (क) निर्माणम् = यदि स्व जीवनस्य **निर्माणं** कर्तुम् इच्छथ तु परिश्रमं कुरुत।

(ख) आलस्यम् = **आलस्यं** विहाय विद्याध्ययनं कुरु।

(ग) जीवनस्य = अनेन वृद्धेन स्व **जीवनस्य** अधिकांशः समयः सामाजिकेषु कार्येषु यापितः।

(घ) सदैव = **सदैव** सन्मार्गनुसरणं कुरुत।

(ङ) सदुपयोग: = सर्वदा समस्य **सदुपयोग:** करणीय:।

7. सन्धि-विच्छेद कीजिए—

उत्तरम्–

(क)	स्वर्णकालम्	=	**स्वर्ण**	+	**कालम्**
(ख)	तेनैव	=	**तेन**	+	**एव**
(ग)	अध्ययनमेव	=	**अध्ययनम्**	+	**एव**
(घ)	तस्याज्ञया	=	**तस्य**	+	**आज्ञया**
(ङ)	केनापि	=	**केन**	+	**अपि**
(च)	दुरुपयोग:	=	**दुर्**	+	**उपयोग:**

8. वर्ण-विच्छेद कीजिए—

उत्तरम्–

(क) विद्यार्थी = **व् + ि + द् + य् + ा + र् + थ् + ी**

(ख) अध्ययनम् = **अ + ध् + य् + अ + य् + अ + न् + अ + म्**

(ग) यात्रा = **य् + ा + त् + र् + ा**

(घ) अनुशासनम् = **अ + न् + ु + श् + ा + श् + अ + न् + अ + म्**

(ङ) जीवनम् = **ज् + ी + व् + अ + न् + अ + म्**

ध्रुव: 19

अभ्यास:

1. निम्नलिखित प्रश्नों के संस्कृत में उत्तर दीजिए—

उत्तरम्– (क) सुनीति: राज्ञ: उत्तानपादस्य ज्येष्ठा पत्नी आसीत्।

(ख) ध्रुवस्य पितु: नाम उत्तानपाद: अस्ति।

(ग) ध्रुव: राज्ञ: अङ्के उपवेष्टुम् ऐच्छत्।

(घ) उत्तम: राज्ञ: उत्तानपादस्य कनिष्ठाया: पत्न्या: पुत्र: आसीत्।

(ङ) ध्रुव: तप: कर्तुं महावनम् अत: अगच्छत् यतोहि सुरुच्या तस्य अपमानं कुर्वन् उक्तं यत् त्वं राज्ञ: अङ्के उपवेष्टुं न शक्नोषि, राजसिंहासनस्य योग्यस्तु मम पुत्र: एवास्ति।

(च) कथाया: अन्ते भगवत: प्रसादेन ध्रुव: उत्तमोत्तमं पदं प्राप्तवान् पितु: च प्रसादं राजपदं च लब्धवान्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) उत्तानपादस्य द्वे पत्न्यौ **आस्ताम्**।

(ख) ध्रुवः **सुनीतेः** पुत्रः आसीत्।

(ग) **राज्ञः** अङ्के उत्तमः आसीनः आसीत्।

(घ) ध्रुवाऽपि पितुः अङ्के उपवेष्टुम् **ऐच्छत्**।

(ङ) **भगवतः** शरणं गच्छ।

3. हिंदी में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) प्राचीन काल में उत्तानपाद नाम के एक राजा थे।

(ख) उनकी दो पत्नियाँ थीं।

(ग) वत्स! तुम्हारा मनोरथ व्यर्थ ही है।

(घ) वही अपनी कृपा से तुम्हारा मनोरथ पूरा करेंगे।

(ङ) छोटी सुरुचि राजा को अधिक प्रिय थी।

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) ध्रुवः राज्ञः उत्तानपादस्य पुत्रः आसीत्।

(ख) सः कठोरः तपः अकरोत्।

(ग) ईश्वरः तस्मै दर्शनम् अददत्।

(घ) भगवतः कृपया ध्रुवः उत्तमं पदं प्राप्नोत्।

(ङ) ध्रुव इच्छाशक्तिः व्यर्था न जायते।

(च) यत्र मनोरथः अस्ति तत्र निष्फलता नास्ति।

(छ) वयम् उद्यमशीलाः भवेम।

5. संधि कीजिए—

उत्तरम्–

(क)	सिंह + आसनम्	=	**सिंहासनम्**
(ख)	तस्य + एव	=	**तस्यैव**
(ग)	महत् + तपः	=	**महत्तपः**
(घ)	निः + फला	=	**निष्फला**

6. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य-रचना कीजिए—

(क) ऋषभस्य **पत्नी** सरला प्रियवादिनी च अस्ति।

(ख) मम **समीपे** केवलं पञ्च शतानि रुप्यकाणि सन्ति।

(ग) बालकः **मातुः** अङ्के शयितुं हठं करोति।

(घ) कदापि असत्यं **मा** वदत।

(ङ) ध्रुवः कठोरः **तपः** अकरोत्।

7. निम्नलिखित शब्दों के मूल शब्द, विभक्ति और वचन लिखिए—

उत्तरम्–

शब्दः		**मूल शब्दः**	**विभक्तिः**	**वचनम्**
पत्न्यौ	=	पत्नी	प्रथमा	**द्विवचनम्**
राज्ञः	=	**राजन्**	**षष्ठी**	**एकवचनम्**
मम	=	**अस्मद्**	**षष्ठी**	**एकवचनम्**
भगवतः	=	**भगवत्**	**षष्ठी**	**एकवचनम्**
ईर्ष्यया	=	**ईर्ष्य**	**तृतीया**	**एकवचनम्**
तव	=	**युष्मद्**	**षष्ठी**	**एकवचनम्**

8. निर्देशानुसार धातुरूप लिखिए—

उत्तरम्–

(क)	इष्	**इच्छसि**	**इच्छथः**	**इच्छथ**
(ख)	अस्	**आसीत्**	**आस्ताम्**	**आसन्**
(ग)	वस्	**वत्स्यामि**	**वत्स्यावः**	**वत्स्यामः**
(घ)	कृ	**कुरु**	**कुरुतम्**	**कुरुत**
(ङ)	गम्	**गच्छानि**	**गच्छाव**	**गच्छाम**

9. निम्नलिखित क्रियापदों की धातु लिखिए—

उत्तरम्–

ऐच्छत्	=	**इष्**	गच्छ	=	**गम्**
निवत्स्यति	=	**निवस्**	अवदत्	=	**वद्**

10. निम्नलिखित पाठ का सार हिंदी में लिखिए—

उत्तरम्– सार—

प्राचीनकाल में उत्तानपाद नाम के राजा की दो पत्नियाँ थीं। बड़ी सुनीति और छोटी सुरुचि। राजा को सुरुचि और उसका पुत्र उत्तम बहुत प्रिय थे। किंतु सुनीति के पुत्र ध्रुव से राजा को स्नेह न था।

एक दिन जब ध्रुव ने भी राजा की गोद में बैठना चाहा तो सुरुचि ने उसका अपमान कर दिया। अपमान से आहत बालक ध्रुव ने अपनी माता को सारी बातें बताईं। माता ने उसे भगवान की शरण में जाने के लिए कहा। ध्रुव ने महावन में कठोर तप किया और भगवान विष्णु की कृपा से सर्वोतम पद पाया। साथ ही पिता की कृपा और राजपद भी मिला। मरणोपरांत वह उत्तर दिशा में ध्रुव तारे के रूप में स्थित है और उसकी माता भी तारामंडल में स्थित है। ध्रुव इच्छाशक्ति कभी निष्फल नहीं होती।

ग्रीष्मः ऋतुः

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के संस्कृत में उत्तर दीजिए—

उत्तरम्– (क) वसन्तऋतोः पश्चात् ग्रीष्मः आयाति।

(ख) सूर्यातपः प्रचण्डः भवति।

(ग) सूर्यः जगत् स्व तीक्ष्णैः रश्मिभिः तापयति।

(घ) ग्रीष्मऋतौ सविशेषम् उष्णता वर्धते।

(ङ) जनाः ग्रीष्मे शीतम्, शीतलं पवनम्, शीतलं जलं शीतलं च पेयम् इच्छन्ति।

(च) ग्रीष्मे नद्यां स्नानं रुचिकरं भवति।

(छ) दिवसाः सायङ्काले रमणीयाः भवन्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) सर्वे ऋतवः पृथक्–पृथक् **महत्त्वं** स्थापयन्ति।

(ख) ग्रीष्मर्तौ सूर्यः **प्रचण्डः** भवति।

(ग) सूर्यस्य **रश्मयः अत्यधिकं सन्तापं** जनयन्ति।

(घ) **कार्येषु** मनः न प्रवर्तते।

(ङ) सायंकाले **दिवसः रमणीयः** भवति।

(च) **ग्रीष्मऋतौ वनस्पतयः अपि** कष्टम् अनुभवन्ति।

(छ) तस्मिन् **प्राणसञ्चारो** भवति।

3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) भीमः युधिष्ठिरस्य भ्राता आसीत्।

(ख) राज्ञः दशरथस्य चत्वारः पुत्राः आसन्।

(ग) अस्माभिः स्वपाठं स्मृतम्।

(घ) देवः सर्पम् अताडयत्।

(ङ) सीता एका सती स्त्री आसीत्।

(च) किं त्वं रामायणं पठिष्यसि?

(छ) साधुः आसने स्वपीति।

(ज) जनः आतपे उत्थितः अस्ति।

4. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

उत्तरम्– (क) ग्रीष्मः = इदानीं **ग्रीष्मः** ऋतुः अस्ति।

(ख) पश्चात् = अहं सर्वेभ्य: **पश्चात्** आगमिष्यामि।

(ग) शीतलम् = मह्यं **शीतलं** जलम् अपेक्षते।

(घ) ऋतौ = ग्रीष्म **ऋतौ** सर्वे जना: शैत्यम् एव इच्छन्ति।

(ङ) आतप: = ग्रीष्मऋतौ **आतप:** प्रचण्ड: भवति।

(च) उष्णता = किं त्वम् **उष्णता** न अनुभूयसे?

(छ) प्राणसञ्चार: = वसन्तऋतौ सर्वेषु प्राणिषु **प्राणसञ्चार:** सम्यक् रूपेण भवति।

(ज) प्रत्युत् = प्रचण्डे ग्रीष्मऋतौ न केवलं प्राणिन: **प्रत्युत्** वनस्पतय: अपि कष्टम् अनुभवन्ति।

(झ) इच्छन्ति = सर्वे जना: नाधिकम् उष्णता नाधिकं च शैत्यम् **इच्छन्ति**।

(ञ) नद्याम् = बहुधा ग्रीष्मऋतौ **नद्यां** जलमपि अल्पं भवति।

5. उचित शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) ग्रीष्म: ऋतु: **वैशाखे** आगच्छति।

(ख) ग्रीष्म: जनान् **सन्तापयति**।

(ग) **शरद:** पश्चात् वर्षा आगच्छति।

(घ) **छायायां** शयनं रुचिकरम् अस्ति।

(ङ) कार्येषु **मन:** न प्रवर्तते।

(च) ग्रीष्मे **उष्णता** वर्धते।

6. प्रस्तुत पाठ का सार अपने शब्दों में लिखिए—

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

श्लोकाष्टकम् 21

अभ्यास:

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—

उत्तरम्– (क) परोक्षे कार्यहन्तारम् प्रत्यक्षे प्रियवादिनं विषकुम्भे पयोमुखमिव मित्रं वर्जयेत्।

(ख) प्रियवादी दुर्जन: अत: विश्वासयोग्य: नास्ति यतोहि स: वार्तां तु मधुरा करोति परं तस्य हृदि विषं तिष्ठति अर्थात् स: ईर्ष्यया अलम् अहितमेव करोति।

(ग) दुर्जनस्य स्वभाव: परेषाम् अहिताय एव भवति।

(घ) सर्वत्र शीलं धनं भवति।

(ङ) यस्य जीविते अन्ये जीवन्ति स तु जीवेत्, यतोहि काकोऽपि इतस्तत: भ्रमन् स्व उदरपूर्ति करोति।

2. श्लोकों को पूरा कीजिए—

उत्तरम्– (क) माता मित्रं पिता चेति **स्वभावात्** त्रितयं हितम्।
कार्यकारणतश्चान्ये भवन्ति हितबुद्धय:।।

(ख) परोक्षे **कार्यहन्तारं** प्रत्यक्षे प्रियवादिनम्।
वर्जयेत् तादृशं मित्रं **विषकुम्भं** पयोमुखम्।।

(ग) विदेशेषु धनं विद्या **व्यसनेषु** धनं मति:।
परलोके धनं धर्म: शीलं सर्वत्र वै धनम्।।

(घ) **दृष्टिपूतं** न्यसेत् पादं वस्त्रपूतं जलं पिबेत्।
शास्त्रपूतं वदेत् वाक्यं मन: पूतं समाचरेत्।।

3. श्लोक को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

उत्तरम्– (क) (अ) दुर्जन: प्रियवादी च।
(ब) प्रियवादिन: दुर्जनस्य हृदि हलाहलं तिष्ठति।
(स) तस्य जिह्वाग्रे मधु तिष्ठति।

(ख) (अ) हलाहलम्।
(ब) स्था, तिष्ठ्, लट् लकार:।
(स) न + एतत्।
(य) जिह्वाग्रे।

4. एक शब्द में उत्तर दीजिए—

उत्तरम्– (क) मधु। (ख) मित्रम्। (ग) स्वभाव:। (घ) मति:।
(ङ) वस्त्रपूतम्। (च) विदेशेषु। (छ) मन: पूतम्।

5. समानार्थक शब्दों का मिलान कीजिए—

उत्तरम्–

(क) वर्जयेत्	• **त्यजेत्**
(ख) बहव:	• **अनेके**
(ग) कुरुते	• **करोति**
(घ) अन्ये	• **इतरे**
(ङ) व्यसनेषु	• **संकटेषु**

(च) मूर्ध्नि • **सर्वोपरि/मस्तके**

6. उचित पद चुनकर श्लोकांशों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) **दृष्टिपूतं** न्यसेत् पादम्।

(ख) चत्वारि तस्य **वर्धन्ते** आयुर्विद्यायशोलबलम्।

(ग) **शीलं** सर्वत्र वै धनम्।

(घ) माता मित्रं पिता चेति **स्वभावात्** त्रितयं हितम्।

(ङ) वस्त्रपूतं जलं **पिबेत्**।

व्याकरणम् 22

अभ्यासः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।